गर्भवस्था जारी रखने के लिए पत्नी को नहीं किया जा सकता मजबूरः दिल्ली हाईकोर्ट - 7

अमेरिकी शुल्क चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 780 और निफ्टी 264 अंक टूटा-10

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा, ऑस्ट्रेलिया में शुरू हुआ परीक्षण - 11

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से, पहले मैच में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से- 12

आज का मौसम

16.9⁰ अधिकतम तापमान

6.4⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.33

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 340, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है। शिमला में गुरुवार को बर्फ से ढके पहाड़।

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में जमी जिंदगी, समूचा उत्तर भारत कांपा

नई दिल्ली, एजेंसी

कश्मीर में सोनमर्ग का तापमान - 9.8 सेल्सियस पहुंचा, उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में बढ़ेगी ठिठुरन

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान - 9.8सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुलमर्ग में -9.2 सेल्सियस और पहलगाम में -8.6सेल्सिसय रहा।

वहीं, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व दिल्ली समेत अन्य राज्यों में हाड़ कंपा देनी वाली ठड़ ने ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। मौसम विभाग ने और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, कड़ी चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, आगरा, मुरादाबाद, अयोध्या समेत कई जिलों में 'कोल्ड डे' और घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। करीब 25 जिलों में शीतलहर का असर जारी रहने की संभावना है। बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम है। इससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई व रेल, हवाई यातायात व आम जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर कोहरे में कुछ कमी आ सकती है, हालांकि ठंड से तत्काल राहत के अभी आसार नहीं हैं। उत्तराखंड में नैनीताल जिले के मैदानी क्षेत्रों में गुरुवार को सर्दी का अब तक का सबसे घना कोहरा देखने को मिला। हल्द्वानी, कालाढुंगी, रामनगर, बैलपड़ाव, पिरूमदारा, प्रतापपुर सहित आसपास के इलाकों में सुबह से ही कोहरे की घनी चादर छाई रही।

प्रयागराज में गुरुवार को ठंड से बचने का प्रयास करते लोग।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के मौसम स्टेशनों पर न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस से 6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से लोगों को ज़्यादा ठंड महसूस हुई।

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म : छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

गुवाहाटी। सीबीआई की विशेष अदालत ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मई 2023 में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र किए जाने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन छह आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश चत्रा भुकन गोगोई की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है, और मणिपुर की जेल में बंद चार लोगों सहित सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से इस तारीख को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

घायलों के कैशलेस उपचार वाली योजना की शुरुआत करेंगे मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद-रहित उपचार योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। गडकरी ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, व्यापार सुगमता और वाहन नियमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

टीएमसी के आईटी सेल हेड के ऑफिस-घर पर छापा, ईडी का आरोप-दस्तावेज ले गईं ममता

कोयला घोटाला व धनशोधन मामले में आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के प्रतिष्ठानों पर पहुंची ईडी

- कोलकाता में जांच एजेंसी और राज्य सरकार के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

ईडी ने गुरुवार को कोलकाता में करोड़ों रुपये के कोयले के अवैध खनन व तस्करी मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर धनशोधन की जांच के तहत तलाशी ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में संघीय जांच एजेंसी द्वारा सुबह सात बजे से लगभग 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। इनमें साल्ट लेक स्थित आई-पैक का कार्यालय व लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन का घर भी शामिल है। इन 10 परिसरों में चार दिल्ली में हैं। आईआईटी मुंबई के पूर्व छात्र जैन 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के सह-संस्थापक और निदेशक हैं।

पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाले से जुड़े कुछ हवाला लेनदेन और नकद लेनदेन के संबंध में उनके खिलाफ विशिष्ट साक्ष्य हैं। वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। ईडी का मामला सीबीआई द्वारा नवंबर 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल और उसके आसपास के कुनुस्तोरिया और काजोरा क्षेत्रों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों से संबंधित कई करोड़ रुपये के कोयले की चोरी का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कोयला व्यापारी अनूप मांझी उर्फ लाला इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। ईडी ने इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी (38) से पूछताछ की थी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने दावा किया कि अवैध कोयला व्यापार से प्राप्त धन के वह लाभार्थी हैं। ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आधिकारिक काफिले के साथ जैन के आवास पर पहुंचकर छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक बताया। ईडी ने कहा कि यह कार्रवाई कोयला घोटाला मामले और उससे जुड़े अपराध से अर्जित आय के आधार पर की गई है और इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है।

ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया से बात करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

जैन के परिवार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता। आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि घर पर छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए। जैन की पत्नी ईडी द्वारा चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

छापेमारी बाधित करने पर हाईकोर्ट पहुंची ईडी

कोलकाता। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई को बाधित करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। कहा कि छापेमारी के बीच मुख्यमंत्री ममता नाटकीय ढंग से मौके पर पहुंच गई थीं। मुख्यमंत्री, जैन के आवास में दाखिल हो गईं और महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं।

ममता का आरोप- टीएमसी के आंतरिक दस्तावेजों को जब्त करने का किया गया प्रयास

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को ईडी की छापेमारी के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेजों, हार्ड डिस्क और उसकी चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डाटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। बनर्जी ने कहा छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। बनर्जी कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा के जैन के आवास पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर के आसपास वहां पहुंचीं। वह लगभग 20-25 मिनट तक वहां रहीं और फिर हाथ में हरे रंग का एक 'फोल्डर' लेकर बाहर निकलीं। मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या राजनीतिक दलों के आंकड़े एकत्र करना ईडी का काम है? उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ईडी का आरोप- मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हुईं और जैन के घर से सबूत अपने साथ ले गईं

नई दिल्ली। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन के कोलकाता स्थित आवास में उसकी छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हो गईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी साल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय भी पहुंच गईं और उन्होंने, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस ने जबरन मौके से दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हटा दिए।

500% टैरिफ वाले बिल को ट्रंप की मंजूरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अगले सप्ताह अमेरिकी संसद में वोटिंग, रूसी तेल खरीद पर भारत की बढ़ेगी मुसीबतें

राष्ट्रपति ट्रंप ने 500 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को मूजूरी दे दी है। जिसे अगले सप्ताह संसद में वोटिंग के लिए पेश किया जाएगा। इस कदम से भारत, चीन और ब्राजील की रूस से सस्ता तेल खरीदने पर मुश्किल बढ़ सकती है।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ व्हाइट हाउस को बेहद मजबूत दबाव बनाने का साधन प्रदान करेगा, ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ग्राहम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर बेहद सार्थक बैठक के बाद उस

द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक को हरी झंडी दे दी गई है जिस पर कई महीनों से सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल और अन्य के साथ कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सही समय पर आया है, क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि पुतिन बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोषों की हत्या जारी है।

वेनेजुएला से तेल ले जा रहा रूसी टैंकर अमेरिका ने पकड़ा इस पर 3 भारतीय भी, रूस ने परमाणु हमले की दी धमकी

मॉस्को। वेनेजुएला से तेल लेकर जा रहे रूसी टैंकर को अमेरिका ने पकड़ लिया। इसमें कुल 28 लोग मौजूद थे जिनमे से 3 भारतीय शामिल हैं। अमेरिका की हर हरकत पर भड़के रूस ने परमाणु हमले की धमकी तक दे डाली है। रूस ने गुरुवार को इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अमेरिका से समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का अनुपालन करने की मांग की। रूस ने इसी के साथ अमेरिका की नव-उपनिवेशवादी प्रवृत्तियों को पुरजोर तरीके से खारिज कर दिया। रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को उत्तरी अटलांटिक में अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा जब्त किये गये मेरिनेरा टैंकर (जिसे पहले बेला-1 के नाम से जाना जाता था) के चालक दल के सदस्यों के साथ मानवीय व्यवहार की मांग की। कहा कि टैंकर के बारे में अमेरिका को बार-बार जानकारी दी गई थी। चालक दल में 17 यूक्रेनी नागरिक, छह जॉर्जियाई नागरिक, तीन भारतीय नागरिक और दो रूसी नागरिक शामिल हैं।

भारतीय एआई स्टार्टअप को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में करना चाहिए काम

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष और पारदर्शी होने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप को इस देश से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करना चाहिए और उल्लेख किया कि भारत वहनीय एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को विश्व स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले, भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमी देश के भविष्य के सह-निर्माता हैं। अगले महीने आयोजित होने वाले ''एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज'' शिखर सम्मेलन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने बैठक में भाग लिया तथा अपने विचारों और कार्य से अवगत कराया। बैठक के दौरान, मोदी ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को रेखांकित किया।

मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना हो प्रतिबिंबित

मोदी ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए जो मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना को प्रतिबिंबित करे। ये स्टार्टअप विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, 'स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो' के अलावा 3डी सामग्री तैयार करना शामिल हैं।

सपा के विधायक विजय सिंह गोंड का निधन

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता व दुद्धी (सुरक्षित) विधानसभा सीट से आठ बार के विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और दोनों किडनी खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती थे। निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा मुखिया अखिलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना आदि ने दुःख जताया है। विजय सिंह गोंड के निधन से सोनभद्र सहित आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। वे आठ बार विधानसभा के सदस्य रहे।

इंसानी डर पहचानने पर ही हमला करते हैं कुत्ते

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए न्यायालय ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की विशेष पीठ कुत्ता प्रेमियों की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनसे नियमों के तहत निपटा जाय। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं सीयू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के शुरुआत में इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने पीठ को सूचित किया कि चार राज्यों ने बुधवार को इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं।

हत्या मामले में आरएसएस-भाजपा के सात कार्यकर्ताओं को उम्रकैद

कन्नूर। केरल में थलास्सेरी की एक कोर्ट ने 2008 में माकपा नेता के लतेश की हत्या के मामले में आरएसएस-भाजपा के सात कार्यकर्ताओं को गुरुवार को उम्र कैद की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने मामले में पी सुमित, केके प्रजेश, बी निधिन, के सनल, स्मिजेश, सजीश और वी जयेश को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) सहित विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा दी। कोर्ट ने सभी सात आरोपियों पर 1.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जुर्माने की रकम पीड़ित परिवार के परिजनों को दिए जाने के आदेश दिया। अदालत ने सबूतों के अभाव में भाजपा के एक पूर्व नगर पार्षद अजेश सहित तीन अन्य (आरोपी नंबर 9 से 12) को बरी कर दिया। जबकि एक आरोपी (नंबर 8) के. अजित की मामले की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है।

शासनादेश

योगी सरकार का अहम कदम, वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश का आकर्षक प्रोत्साहन

यूपी में लागू हुई जीसीसी नीति नियमावली, बढ़ेगा निवेश-रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में हाई-स्किल रोजगार के बढ़ेंगे अवसर, शासनादेश जारी

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने प्रदेश को वैश्विक आईटी और नॉलेज आधारित सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2024 के क्रियान्वयन से जुड़ी नियमावली-2025 को लागू कर दिया गया है। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है।

नई नियमावली के तहत आईटी, आईटीईएस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग डिजाइन और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग से जुड़ी वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे बड़े पैमाने पर हाई-स्किल रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नियमों में पात्र पूंजी निवेश पर सब्सिडी, भूमि व भवन लागत में राहत, किराया सहायता, बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली कंपनियों को अतिरिक्त इंसेंटिव मिलेगा। परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए तकनीकी विशेषज्ञों का समूह गठित किया जाएगा और आवेदन प्रक्रिया इन्वेस्ट यूपी के सिंगल विंडो सिस्टम से पूरी होगी।

किराया, बिजली और स्टांप ड्यूटी में राहत

जीसीसी इकाइयों को शुरुआती वर्षों में किराये पर भी सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही बिजली शुल्क में छूट, स्टांप ड्यूटी में रियायत और पंजीकरण शुल्क में राहत का भी प्रावधान किया गया है। इससे नई और विस्तार कर रही कंपनियों की शुरुआती लागत कम होगी।

रोजगार सृजन पर विशेष प्रोत्साहन

महिला कर्मचारियों, दिव्यांगजनों और स्थानीय निवासियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहन तय किए गए हैं। ईपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित सब्सिडी के प्रावधान से कंपनियों को मानव संसाधन पर होने वाले खर्च में राहत मिलेगी।

क्या मिलेगा:

- आईटी और आईटीईएस कंपनियों को पूंजी निवेश पर सब्सिडी
- भूमि लागत, भवन निर्माण और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर वित्तीय सहायता
- शुरुआती वर्षों में किराया सब्सिडी
- बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट
- इपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित इंसेंटिव
- इन्वेस्ट यूपी के जरिए सिंगल विंडो क्लियरेंस

किसे होगा फायदा

- आईटी, आईटीईएस, डेटा एनालिटिक्स, आरएंडडी, बीपीओ-केपीओ से जुड़ी कंपनियां
- एमएनसी जो यूपी में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर खोलना चाहती हैं
- हाई-स्किल रोजगार
- महिलाएं और दिव्यांग रोजगार में भागीदारी बढ़ेगी
- स्थानीय स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी फर्म्स

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

एनसीडीसी के ऋण व ब्याज भुगतान को वित्तीय स्वीकृति जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज के भुगतान को लेकर बड़ी वित्तीय स्वीकृति जारी की है। सहकारिता विभाग से जुड़े दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से कुल 31.67 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को मंजूरी दी गई है। इससे एनसीडीसी के बकाया ऋण एवं ब्याज भुगतान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पहले शासनादेश के तहत एनसीडीसी से लिए गए ऋण पर देय ब्याज भुगतान के लिए 6,13,81,745 (6.13 करोड़) रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि राजस्व लेखाशीर्ष के अंतर्गत 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त ऋणों पर ब्याज' मद में स्वीकृत की गई है। वहीं, दूसरे शासनादेश में मूल ऋण (प्रिंसिपल) के भुगतान के लिए 25,53,71,100 (25.53 करोड़) रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह राशि पूंजीगत मद 'राज्य सरकार का आंतरिक ऋण' के अंतर्गत एनसीडीसी से लिए गए कर्ज के प्रतिदान को स्वीकृत की गई है।

माघ मेला में चार पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेला 2026 का आयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उप्र. पर्यटन विभाग ने मेला क्षेत्र में चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित पुस्तिकाएं, गाइड बुक और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं और अन्य ठहरने की सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा ये चार सूचना केंद्र परेड ग्राउंड, नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज छिवकी जंक्शन रेलवे स्टेशन और अरैल घाट के पास स्थापित किए गए हैं।

अब क्रॉप कटिंग की मिलेगी क्षतिपूर्ति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों की क्रॉप कटिंग (कटाई के बाद नुकसान का आकलन) का काम लगभग पूरा हो गया है। सरकार ने बीमा कंपनियों से रिपोर्ट मांगी है। जिन किसानों की फसल तय मानक से कम हुई है, उन्हें 10 से 15 दिन के अंदर मुआवजा मिल जाएगा। खरीफ 2025-26 में प्रदेश के 20 लाख से ज्यादा किसानों ने धान, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग जैसी फसलों का बीमा कराया था। अगस्त और सितंबर में ज्यादा बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ था। इस पर सरकार पहले ही ढाई लाख किसानों को करीब 200 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। अब सभी जिलों में फसलों की कटाई कर उपज का आकलन किया गया है। जहां फसल कम निकली है, वहां किसानों को बीमा के हिसाब से पैसा दिया जाएगा। ज्यादातर जिलों की रिपोर्ट आ चुकी है और जल्द ही भुगतान शुरू होगा। इस बार क्रॉप कटिंग के आधार पर मिलने वाला मुआवजा पिछले साल से ज्यादा हो सकता है, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। हालांकि, कागजात में कमी के कारण एक लाख से ज्यादा बीमा पॉलिसियां रद्द कर दी गई थीं।

पीसीआई के सदस्य बने संदीप बडोला

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मासिस्ट संगठन के जनरल सेक्रेटरी संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का रहेगा। एपसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री अतुल मिश्रा, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा, प्रवक्ता एसएन त्रिपाठी सहित कर्मचारी, अधिकारी और संगठन के पदाधिकारियों ने संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया का सदस्य मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दीं।

समाचार पत्र पठन से जागरूक नागरिक बनेंगे विद्यार्थी

विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करें : डॉ. शन्मुगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम

अमृत विचार : बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने प्रदेश के विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन (न्यूज पेपर रीडिंग) की संस्कृति विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, भाषाई पकड़ और तार्किक व आलोचनात्मक सोच को सशक्त करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छात्रों को समाचार पत्रों के नियमित पठन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2025 को निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने सभी अटल आवासीय विद्यालयों में इन गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से दैनिकचर्या में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी एवं अंग्रेजी समाचार पत्रों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान, अर्थव्यवस्था, समसामयिक घटनाक्रम और खेल से जुड़े समाचार पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

अध्यक्ष डॉ.एम के शन्मुगा सुंदरम ने निर्देश दिया कि प्रार्थना सभा के बाद कक्षा में पठन-पाठन प्रारंभ होने से पूर्व प्रतिदिन 10 मिनट समाचार पठन के लिए निर्धारित किए जाएं। प्रतिदिन पांच नए या कठिन शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर लिखे जाएं तथा विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का सुविचार' अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए।

कक्षा नौ से 12 तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित लेखन या समूह चर्चा आयोजित होगी। वहीं, कनिष्ठ वर्ग के छात्रों से विज्ञान, पर्यावरण और खेल विषयों पर न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार कराई जाएगी। तार्किक विकास के लिए सुडोकू, शब्द पहेली और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।

ब्रिटिश नागरिक मौलाना शमशुल हुदा के मदरसे की मान्यता रद्द

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9 वर्ष पूर्व फर्जी दस्तावेजों पर हासिल कर ली थी मान्यता

अमृत विचार: ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर चुके मौलाना शमशुल हुदा खान द्वारा संतकबीरनगर के खलीलाबाद में चलाए जा रहे मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया (निस्वा) की मान्यता राज्य मदरसा शिक्षा परिषद ने रद्द कर दी है। यह फैसला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया।

जांच में पाया गया कि मदरसे ने जिन जमीनों के कागजात दिखाकर कक्षा 1 से 10 तक की मान्यता ली थी, वे जमीनें बाद में जिलाधिकारी के आदेश से राज्य सरकार में निहित हो गईं। इसके बावजूद मदरसा बिना अनुमति दूसरे स्थान पर चलाया जा रहा था। वर्तमान भवन की जमीन की रजिस्ट्री मदरसे की मान्यता मिलने के करीब 18 महीने बाद कराई गई थी, यानी इस भवन पर कभी वैध मान्यता ली ही नहीं गई। अधिकारियों के अनुसार यह स्थिति मदरसा सेवा नियमावली 2016 के भूमि और भवन संबंधी नियमों का उल्लंघन है। इसी कारण मदरसा प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर मान्यता रद्द कर दी गई। इसके अलावा, मौलाना शमशुल हुदा खान को नवंबर में एटीएस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बावजूद वह भारत में वेतन और पेंशन लेता रहा। जांच में यह भी सामने आया कि उसके बैंक खाते में विदेशों से करीब 4 करोड़ रुपये आए थे और उसके संदिग्ध आतंकी संपर्क थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जांच कर रहा है। इस मामले में लापरवाही और मिलीभगत के आरोप में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगे कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रवासियों को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने की यूपी दिवस-2026 की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देश के सभी राजभवनों और विदेश में भारतीय दूतावासों पर होंगे आयोजन
- 'विकसित यूपी-विकसित भारत' थीम पर प्रस्तुतियां, युवाओं की भागीदारी पर जोर

अमृत विचार: प्रदेश की स्थापना की स्मृति में मनाया जाने वाला उत्तर प्रदेश दिवस–2026 इस वर्ष अभूतपूर्व रूप से व्यापक, भव्य और वैश्विक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी दिवस का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि देश और विदेश में रह रहे प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और प्रदेश की पहचान व सामर्थ्य को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर यूपी दिवस-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय समारोह के दौरान लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

'यूपी गौरव' बनेगा प्रेरणा का प्रतीक

यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की प्रतिभाओं और कर्मशील व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान', 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' और 'माटी कला बोर्ड सम्मान' प्रदान किए जाएंगे। उद्यमियों, खिलाड़ियों, महिलाओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार को राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान दिलाई जाएगी।

प्रदेशभर में होंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

यूपी दिवस के अंतर्गत जनपद, मंडल और राज्य स्तर पर गायन, नृत्य, वादन और नाट्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जनपद स्तरीय समारोहों में जिले की विकास यात्रा पर केंद्रित विशेष फिल्मों का प्रदर्शन होगा। ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत से जुड़े नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक, ओपन माइक, कठपुतली थियेटर, रंगोली, पारंपरिक परिधान और पाक-कला प्रतियोगिताएं भी होंगी। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र 'वंदे मातरम्' और 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी राजभवनों से संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इस वर्ष आयोजन की थीम 'विकसित यूपी-विकसित भारत' होगी, जिसमें युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के ऋण वितरण में यूपी अग्रणी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के तहत ऋण वितरण और परियोजना स्वीकृति में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 5475 परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है और 86 प्रतिशत ऋण वितरण किया गया, जो राष्ट्रीय औसत 81 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने गुरुवार को विभागीय बैठक में दी। बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों, अधिकारियों, बैंक शाखा प्रबंधकों और रिसोर्स पर्सन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 'प्रारंभिक उत्तर भारत और इसके सिक्के' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के लेखक देवेंद्र हांडा व अनुवादक मनीष वर्मा हैं। इसका संग्रह हिंदुजा फाउंडेशन ने किया है। पुस्तक को उत्तरी भारत के स्वदेशी प्रारंभिक ऐतिहासिक सिक्कों की सबसे बड़ी संख्या पर चर्चा और चित्रण करने का गौरव प्राप्त है।

जनता दर्शन में सीएम ने दिया मदद का भरोसा

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह जिलों से आए करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे, उनकी शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं और प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किए।

दुनिया को लोकतंत्र भारत से सीखना होगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 'प्रारंभिक उत्तर भारत व इसके सिक्के' पुस्तक का मुख्यमंत्री योगी ने किया विमोचन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है और यदि दुनिया में किसी को लोकतंत्र को समझना है तो उसे भारत से सीखना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति और इतिहास से जुड़े प्रमाणों के आधार पर भारत ने हमेशा अपनी बात रखी है। 'प्रारंभिक उत्तर भारत व इसके सिक्के' पुस्तक भारत की एकता, लोकतांत्रिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को ठोस साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत करती है। यह वर्षों से किए जा रहे पश्चिमी दुष्प्रचार को तथ्यात्मक चुनौती देती है।

मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास के सभागार में हिंदुजा फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने फाउंडेशन द्वारा संग्रहित दुर्लभ और प्राचीन ऐतिहासिक सिक्कों का अवलोकन किया। पुस्तक के लेखक प्रो. देवेन्द्र हांडा ने बताया कि सिक्कों के अभिलेख ऐतिहासिक प्रसंगों को भी पुष्ट करते हैं। हिंदुजा समूह के अशोक हिंदुजा ने कहा कि यह पुस्तक भारत की सनातन संस्कृति को वैज्ञानिक शोध के साथ दुनिया के सामने रखने का प्रयास है। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

900 नई अदालतों के लिए बजट शीघ्र

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में न्यायिक ढांचे के विस्तार को लेकर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अपर मुख्य सचिव, वित्त ने बताया कि प्रदेश में 900 नई अदालतों तथा संबंधित पदों के सृजन के लिए बजट उपलब्ध है। इसी वित्तीय वर्ष में इसका प्रावधान भी हो जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि 31 मार्च के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, लिहाजा सरकार द्वारा जल्दी निर्णय लिया जाए। मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तिथि नियत की गई है। साथ ही इस तिथि पर प्रमुख सचिव, विधि को उपस्थित रहने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश उक्त प्रकरण में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज की गई एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

प्रदेश सरकार और वॉलमार्ट के बीच एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एमएसएमई को लेकर गुरुवार को उप्र सरकार और वॉलमार्ट के बीच हुए एमओयू के दौरान मौजूद अधिकारी।

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत एक्सपोर्ट प्रमोशन ब्यूरो (ईपीबी) और वॉलमार्ट के बीच वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। समझौते का उद्देश्य प्रदेश के एमएसएमई को डिजिटल सशक्तिकरण, ई-कॉमर्स रेडीनेस, पैकेजिंग, गुणवत्ता, प्रमाणीकरण और बाजार पहुंच जैसे अहम क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना है। वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के तहत चयनित उद्यमियों को निःशुल्क प्रशिक्षण और मेंटरशिप दी जाएगी।

ताकि वे घरेलू और सीमा-पार ई-कॉमर्स कारोबार में प्रभावी रूप से भाग ले सकें। प्रदेश सरकार की उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 में ई-कॉमर्स निर्यात पर विशेष जोर दिया गया है। नीति के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पहली बार लिस्टिंग के लिए राज्य सरकार 75 प्रतिशत शुल्क (अधिकतम तीन लाख रुपये) तक का प्रोत्साहन भी देगी।

अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा कि यह साझेदारी एमएसएमई के लिए नए अवसर और बाजार खोलेगी।

परिवार में संपत्ति दान करना सस्ता

अमृत विचार, लखनऊ : मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी के बाद राज्य सरकार ने गुरुवार को परिजनों के बीच अचल संपत्ति के दान को आसान बनाने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत अब परिवार के सदस्यों के बीच दान पत्र (गिफ्ट डीड) पर लगने वाला स्टांप शुल्क अधिकतम 5,000 रुपये तक सीमित कर दिया गया है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अपनी अचल संपत्ति पुत्र, पुत्री, माता-पिता, पति-पत्नी, बहू, सगे भाई-बहन, दामाद या पौत्र-पौत्री के नाम दान करता है, तो अब भारी स्टांप शुल्क नहीं देना होगा। सरकार का उद्देश्य पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण को सरल बनाना और आपसी विवादों को कम करना है।

विद्यालयों में होंगे वार्षिकोत्सव व खेल उत्सव, 19.80 करोड़ जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों और 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में जनवरी के अंत तक वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए शासन ने 19.80 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह आयोजन 1.32 लाख से अधिक विद्यालयों में होगा और विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करना तथा विद्यालयों को समुदाय का सक्रिय केंद्र बनाना है। इसमें अभिभावक, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी भाग लेंगे। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इससे परिषदीय विद्यालयों को समुदाय के सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के साथ परिषदीय विद्यालयों को सामुदायिक विश्वास का केंद्र बनाएंगे। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि खेल उत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के लिए दौड़ और रिले रेस आयोजित की जाएंगी। नियमित उपस्थिति वाले बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा।

खाद्य एवं रसद विभाग को हस्तांतरित होंगे सभी अन्नपूर्णा भवन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीएम और मंडलायुक्तों को निर्देश, राशन कार्ड धारकों को मिलेगा लाभ

अमृत विचार: सरकार ने राशन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक अहम फैसला लिया है। अब मनरेगा या किसी भी दूसरी सरकारी योजना से बने सभी अन्नपूर्णा भवन खाद्य एवं रसद विभाग के नाम किए जाएंगे। इससे राशन की दुकानों के संचालन में कोई परेशानी नहीं होगी।

जब कोई अन्नपूर्णा भवन पूरी तरह बन जाएगा, तो उसे जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपा जाएगा। इसके बाद उस भवन में राशन की दुकान चलाने के लिए उचित दर विक्रेता को अनुबंध के आधार पर दिया जाएगा। यह नियम सिर्फ नए भवनों पर ही नहीं, बल्कि पहले से बने सभी अन्नपूर्णा भवनों पर भी लागू होगा, चाहे वे किसी भी योजना से बने हों। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि भवन बनने से पहले जमीन का नामांतरण खाद्य एवं रसद विभाग के नाम होना जरूरी है। अगर जमीन का नामांतरण नहीं होगा, तो उस भवन को वैध नहीं माना जाएगा। पूरी हस्तांतरण प्रक्रिया सरकार द्वारा तय किए गए फार्मेट में और बिल्कुल मुफ्त होगी। इस फैसले से राशन वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और राशन कार्ड धारकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आजमगढ़ में नए शहर को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने आजमगढ़ में नए शहर के समग्र और सुनियोजित विकास के लिए बड़ी वित्तीय मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत कुल 389.96 करोड़ रुपये लागत से आधुनिक टाउनशिप परियोजना में आजमगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 100 करोड़ रुपये की सीड कैपिटल की प्रथम किश्त स्वीकृत की गई है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, आजमगढ़ के कोटिला परगना, निजामाबाद (तहसील सदर) क्षेत्र में प्रस्तावित नए शहर के लिए भूमि अर्जन किया जाएगा।

पहल — गांव में ही मिलेगा नया आधार, अपडेट और प्रमाणीकरण की सुविधा भी

1000 ग्राम पंचायतों में खुलेंगे आधार सेवा केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए अब ब्लॉक मुख्यालय या शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रदेश में आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए योगी सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर ही आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए ग्राम सचिवालयों में आवश्यक उपकरण लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यूआईडीएआई से मिली अनुमति

हाल ही में राज्य सरकार ने सभी 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार सेवा शुरू करने के लिए पंचायती राज विभाग को यूआईडीएआई से एमएयू करने की अनुमति दी थी। योजना के सुचारु और पारदर्शी संचालन के लिए यूआईडीएआई ने पंचायती राज विभाग को रजिस्ट्रार आईडी और इंपैनलमेंट एजेंसी (ईए) आईडी निर्गत कर दी है। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर आधार सेवाओं का संचालन पूरी तरह अधिकृत ढंग से किया जा सकेगा।

पूरे प्रदेश में विस्तार की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में लागू करने की योजना है। इससे हर गांव में डिजिटल सेवाओं की मजबूत व्यवस्था खड़ी हो सकेगी। पंचायती राज विभाग का मानना है कि यह पहल केवल आधार सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल सशक्तिकरण और गांव-गांव विकास की सरकार की सोच को जमीन पर उतारने का माध्यम बनेगी।

इन केंद्रों के माध्यम से नया आधार नामांकन, आधार में नाम-पता-जन्मतिथि अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट और प्रमाणीकरण जैसी सेवाएं सीधे गांव में ही उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों बचेगा। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत सहायक करेंगे। इससे एक ओर जहां स्थानीय युवाओं को जिम्मेदारी और रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर सेवाओं की उपलब्धता भी गांव में सुनिश्चित होगी।

नई व्यवस्था से आधार से जुड़ी सेवाओं में आने वाली दिक्कतें काफी हद तक समाप्त होंगी। आधार अपडेट न होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल पाने की समस्या भी कम होगी।

न्यूज ब्रीफ

चालक की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में करीब डेढ़ माह पहले सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान लोडर चालक की मौत हो गई थी। बंथरा के खाण्डे देव की शबीना के मुताबिक उन्नाव जिले के मौरावां के लउवन सिंहन खेड़ा निवासी मोहम्मद रहीस उसका दामाद था। वह एक डिलीवरी कंपनी के लोडर वाहन का चालक था। मालिक के आदेश पर 15 नवंबर को सुबह करीब 8 बजे छोटा हाथी से कंपनी का सामान लेकर चिनहट जा रहा था। तभी बिजनौर स्थित किसान पथ पर अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिससे मोहम्मद रहीस गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन फानन अवध हॉस्पिटल पहुंचाया गया। बाद में उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती करा दिया। लेकिन ट्रॉमा सेंटर में 18 नवंबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मोबाइल चोरी करते पकड़ा गया युवक

अमृत विचार काकोरी : काकोरी के घुरघुरी तालाब पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर बुधवार रात करीब 1:30 बजे एक मोबाइल दुकान का शटर का ताला तोड़ते समय चोर को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस को हवाले कर दिया। वहीं दो साथी भागने में सफल रहे। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। वहीं, दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। मनीष ने बताया कि बुधवार देर रात को दुकान को बंद करके अपने घर चला गया था। देर रात को आरोपी दुकान का ताला व शटर तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। आहट पाकर मनीष की नींद खुली। आसपास के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने घेराबंदी कर आरोपी सर्वेंद्र कुमार को पकड़ लिया। वह उन्नाव के हसनगंज का रहने वाला है। वर्तमान पता सरीपुरा तालकटोरा में रहता है। उसके दो साथी भागने में सफल रहे। ग्रामीणों इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की। सूत्रों की माने तो दूसरे साथी का नाम लखन निवासी सरीपुरा तालकटोरा बताया जा रहा है और एक अन्य साथी अज्ञात है। चोरों के पास से चोरी करने में प्रयुक्त औजार भी बरामद किए गए हैं।

डॉक्टर रमीज की तलाश में यूपी व दो प्रांतों में दबिशें

पुलिस की पांच टीमों के साथ ही एजेंसियां भी तलाश में लगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कई संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ में मिले अहम सुराग

अमृत विचार: केजीएमयू में यौन शोषण, गर्भपात और मतांतरण के आरोपों में फरार 50 हजार के इनामी डॉक्टर रमीजउद्दीन नायक लगातार पुलिस की पांच टीमों को चकमा दे रहा है। पुलिस के साथ ही एजेंसियां भी पश्चिम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, देवबंद, बिजनौर, दिल्ली और उत्तराखंड में दबिशें दे रही है। साथ ही उसके मददगारों और संपर्कों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस सूत्रों की मानें तो आरोपी रमीजउद्दीन वकीलों के संपर्क कर समर्पण की तैयारी में है। वहीं, जांच एजेंसियों को आशंका है कि रमीजउद्दीन नेपाल भाग सकता है। देर रात कई संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूछताछ में डॉ. रमीज और फरार काजी जाहिद के संबंध में कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस अधिकारी जल्द ही गिरफ्तारी का दावा कर रहे हैं।

पुलिस ने आरोपी के पिता को जेल भेजने से पहले पूछताछ की थी। पता चला कि रमीजउद्दीन उनसे मिलने अमीनाबाद के मौलवीगंज आया था। इस दौरान आरोपी अपने पिता से काफी रुपये लेकर निकला था। रुपये कितने थे, ये वे नहीं बता सके थे। पुलिस पता कर रही है कि लखनऊ से निकलने के बाद रमीजउद्दीन ने भागने के लिए किस परिवहन की मदद ली थी। पुलिस बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को बारीकी से खंगाल रही है।

पुलिस आरोपी, उसके करीबी रिश्तेदार और दोस्तों के मोबाइल नंबर पर नजर रखे हुए है। साथ ही सभी बैंक लेनदेन और कॉल डिटेल के जरिए उसकी गतिविधियों पर निगाह रखी जा रही है। वहीं, रमीजुद्दीन के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई भी आगे बढ़ा दी गई है। पुलिस द्वारा उसके ठिकानों पर कुर्की की नोटिस चस्पा की जा चुकी है। तय समय सीमा में यदि वह गिरफ्त में नहीं आता है तो उसकी संपत्तियों को कुर्क किया जाएगा।

चोरों ने तीन घरों को बनाया निशाना

अमृत विचार , बख्शी का तालाब: महिंगवा थाना क्षेत्र के बाबूपुर में मंगलवार देर रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया। नकदी, जेवर समेत लाखों का सामान और दो मवेशी चोर लेकर भाग निकले। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

बाबूपुर मजरा नरोसा निवासी मनोहर ने बताया कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद परिवारवाले कमरों में सो रहे थे। देर रात चोरों ने घर में घुसकर आलमारी में रखे एक लाख रुपये, लाखों के जेवर व अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद चोरों ने गांव के ही पीतांबर के दो बकरा चोरी कर लिए। चोरों ने वहीं रहने वाले रमेश के घर पर धावा बोला। वहां से ढाई हजार रुपये पार कर दिए। सुबह जब परिजन जागे तो घर में सामान बिखरा पड़ा मिला। चोरी की सूचना मिलते ही महिगवां पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने गांव में पुलिस गश्त नहीं होने का आरोप लगाया।

जाम हुआ आम

कमता क्रासिंग के पास लगा ट्रैफिक जाम। ● अमृत विचार

होमगार्ड के बेटे की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- एक के बाद एक कई वाहन ऊपर से निकल गए
- इंदौराबाग स्थित पुलिस सहायता केंद्र के पास हुई घटना

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के इंदौराबाग स्थित पुलिस सहायता केंद्र के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार होमगार्ड का बेटा उछलकर सड़क पर जा गिरा। जब तक वह संभलता कई वाहन उसके ऊपर से निकल गए। हादसे में उसकी हो गई। पुलिस ने जेब से मिले आधार कार्ड पर दर्ज पते की मदद से परिजन को सूचना दी।

शैलेंद्र सिंह

इटौंजा के बाहर गांव निवासी अभय सिंह होमगार्ड में हैं। उनका इकलौता बेटा शैलेंद्र सिंह (20) एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी करता था। बुधवार रात करीब 12 बजे वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। रास्ते में सीतापुर लखनऊ हाइवे पर इंदौराबाग पुलिस सहायता केंद्र के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे शैलेंद्र उछलकर दूर जा गिरा। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक के बाद कई वाहन उसके ऊपर से निकल गए।हादसे में शैलेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को सड़क किनारे हटाकर घटना की जानकारी परिजन को दी। इंस्पेक्टर कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। परिजन जो तहरीर देंगे, उसपर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सरकारी जमीनों में हेराफेरी, रिटायर्ड राजस्वकर्मियों पर एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बीकेटी के तिवारीपुर में स्थित जमीनों के दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा
- तिवारीपुर के लेखपाल अनुज मिश्रा की तहरीर पर हुई कार्रवाई

अमृत विचार : राजस्व ग्राम तिवारीपुर, परगना लखनऊ की शासकीय भूमियों के सरकारी अभिलेखों में कूटरचना और छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। बीकेटी थाने में दर्ज रिपोर्ट में फर्जीवाड़े के आरोप में सेवानिवृत्त राजस्व कर्मचारी नन्हकऊ प्रसाद, प्रमोद श्रीवास्तव और खलीफ अहमद को नामजद किया गया है। यह कार्रवाई क्षेत्रीय लेखपाल अनुज मिश्रा की तहरीर पर की गई है।

लेखपाल अनुज मिश्रा के अनुसार यह मामला उच्च न्यायालय इलाहाबाद, खंडपीठ लखनऊ में विचाराधीन जनहित याचिका संख्या 1226/2025 एवं 90/2023 (संतोष कुमार बनाम उत्तर प्रदेश सरकार) से जुड़ा है। जनहित याचिका शासकीय भूमियों के अभिलेखों में अवैध परिवर्तन से क्षुब्ध होकर दायर की गई थी। मामले की जांच के लिए जिलाधिकारी लखनऊ ने 28 फरवरी 2023 को अपर जिलाधिकारी (वि. एवं रा.) की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की थी।

जांच समिति ने 24 मार्च 2023 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सरकारी अभिलेखों में कूटरचना और छेड़छाड़ की पुष्टि की थी तथा इस कृत्य में संलिप्त राजस्व कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी कार्यालय ने 25 मार्च 2023 को दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश जारी किए थे। रिपोर्ट में वर्ष 2009 से 2013 के बीच राजस्व अभिलेखागार, कलेक्ट्रेट लखनऊ में तैनात रहे कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी।

जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस फर्जीवाड़े में सेवानिवृत्त राजस्व कर्मचारी नन्हकऊ प्रसाद, प्रमोद श्रीवास्तव और खलीफ अहमद शामिल हैं, जबकि दो अन्य कर्मचारी मृतक बताए गए हैं। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय सिंह के मुताबिक लेखपाल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

बैंकर्स को चेतावनी एक सप्ताह में बांटे ऋण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डीसीसी-डीएलआरसी की बैठक में सीडीओ ने जताई नाराजगी
- जी राज जी के तहत समूह के खाते खोलने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की खराब प्रगति और कई बैंक शाखाओं का सीडी रेशियो कम मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने नाराजगी जताई। बैंकर्स को सख्त चेतावनी देते हुए एक सप्ताह के अंदर ऋण वितरण के साथ सीडी रेशियो बढ़ाने के निर्देश दिए।

गुरुवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ने बैंकर्स के साथ डीसीसी-डीएलआरसी की समीक्षा की। इस दौरान कई बैंक शाखाओं का जनपद सीडी रेशियो गत तिमाही 44.54 फीसद रहा। नाराजगी जताते हुए बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के ऋण वितरण के आवेदन लंबित पाए। इस पर सभी बैंकर्स को चेतावनी देकर एक सप्ताह के अंदर लाभार्थियों को ऋण बांटने के निर्देश दिए। कहा सभी बैंकर्स विभिन्न ऋण योजनाएं एवं जी राम जी के अंतर्गत प्राप्त आवेदन पर अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराएं। जी राम जी अभियान के तहत सभी महिला समूहों के खाते एक सप्ताह के अंदर खोले जाएं। लखपति दीदी की आय बढ़ाने पर भी जोर दिया जाए। बैठक में जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार सिंह, अग्रणी जिला प्रबंध मनीष पाठक, नाबार्ड प्रतिनिधि श्रीरतन सिंह, आरबीआई एलडीओ अमित गुप्ता समेत बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उधार ली भवन निर्माण सामग्री 17 लाख का भुगतान हड़पा

संवाददाता, पीजीआई

- तकादा करने पर व्यापारी को पीटा, दी धमकी
- दंपति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक व्यापारी से दंपति समेत तीन लोगों ने दोस्ती और जान-पहचान का हवाला देकर भवन निर्माण सामग्री उधार ली। करीब 20 लाख रुपये का उधार हो जाने पर पीड़ित ने जब रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने करीब तीन लाख रुपये लौटा दिए, लेकिन शेष 17 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया। बकाया रकम मांगने पर आरोपियों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। कोर्ट के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने दंपति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तेलीबाग निवासी मिथिलेश पाठक की एकतानगर में पाठक ट्रेडर्स नाम से भवन निर्माण सामग्री की दुकान है। मिथिलेश पाठक ने बताया कि निगोहां के उतरावां निवासी गिरिश शुक्ला, साउथ सिटी निवासी विवेक दीक्षित और उनकी पत्नी नेहा त्रिवेदी ने उनसे दोस्ती और जान-पहचान का हवाला देकर भवन निर्माण सामग्री लेना शुरू किया। भरोसे में आकर उन्होंने धीरे-धीरे भारी मात्रा में सामान सप्लाई कर दिया, जिससे करीब 20 लाख रुपये का माल उधार हो गया।

पीड़ित का कहना है कि बार-बार तकादा करने पर आरोपियों ने कुछ रकम तो लौटा दी, लेकिन जब शेष 16.80 लाख रुपये की मांग की गई तो टालमटोल शुरू कर दी। दबाव बनाने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और धमकाया। पीड़ित ने थाने और पुलिस अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन सुनवायी नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने दंपति समेत तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पोस्टमार्टम में मौत की वजह स्पष्ट नहीं, होगा डीएनए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नगराम के कुबहरा गांव में मिला था विवाहिता का कंकाल

अमृत विचार: नगराम के कुबहरा गांव में सरसों के खेत में बुधवार को मिले महिला के कंकाल मिलने के मामले में गुरुवार को पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस डीएनए जांच की कार्रवाई कर रही है। डीएनए जांच और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी। उधर, कंकाल की शिनाख्त का दावा करने वाले पूनम के पति पीतांबर से पुलिस पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। पुलिस कई मोबाइल नंबरों की सीडीआर के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है।

पूनम के पिता व्यापारी रावत ने पीतांबर, जेठ और जेठानी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय ने बताया कि पीताम्बर से पूछताछ की जा रही है। पूनम के मायकेवालों ने बताया कि वह शक करता था। इसके आधार पर आए दिन मारपीट करता था। उसी ने पूनम की हत्या की है। वहीं, पीताम्बर का कहना है कि उसने एक लड़के से लगातार फोन पर लंबी बात करने पर पूनम को पीटा था, लेकिन मारा नहीं है। 12 दिसंबर को पूनम बिना कुछ बताए गायब हो गयी थी। उसी ने 13 दिसंबर को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिटायर्ड निदेशक की पत्नी समेत तीन के खाते से उड़ाए 12.27 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बैंक प्रतिनिधि व लिंक पर ऑफर का झांसा देकर फंसाया
- ठाकुरगंज व मड़ियांव थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के रिटायर्ड निदेशक की पत्नी समेत तीन लोगों के खातों से साइबर जालसाजों ने 12.27 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने खुद को बैंक प्रतिनिधि बताकर और लिंक पर आकर्षक ऑफर का झांसा देकर पीड़ितों को फंसाया। साइबर ठगी के ये मामले ठाकुरगंज और मड़ियांव थाना क्षेत्र के हैं। पुलिस ने तीनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

ठाकुरगंज के सरफराजगंज निवासी चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के रिटायर्ड निदेशक डॉ. एचएसआई जैदी ने बताया कि 11 दिसंबर की रात उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को इंडसइंड बैंक का कस्टमर केयर अधिकारी बताया और बातचीत में फंसा लिया। इसके बाद महज आधे घंटे के भीतर उनकी पत्नी अफशान फातिमा के खाते से तीन बार में 4.81 लाख रुपये निकाल लिए गए।

इसी थाना क्षेत्र के जज हाउस नारायण गार्डेन निवासी राहिला बानो ने बताया कि उनका नाबालिग बेटा नवीन उनके मोबाइल का इस्तेमाल करता है। इसी दौरान मोबाइल पर एक फर्जी विज्ञापन का लिंक आया। लिंक पर आकर्षक ऑफर दिखाकर जालसाज ने यूपीआई के जरिए 5 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता ने इस संबंध में ठाकुरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

वहीं, मड़ियांव थाना क्षेत्र के रायपुर स्थित न्याय विहार कॉलोनी निवासी अंजनी देवी ने बताया कि साइबर जालसाजों ने उनके खाते से 2.46 लाख रुपये निकाल लिए। मामले की शिकायत मड़ियांव थाने में दर्ज करायी गई है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

राजगीर मिस्त्री व महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता, सरोजनीनगर/ गोसाईंगंज

- बिजनौर और सुशांत गोल्फ सिटी इलाके की घटना

अमृत विचार: बिजनौर थाना क्षेत्र के लक्ष्मण खेड़ा गांव में राजगीर मिस्त्री ने घर के बाहर टीन शेड में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह उसका शव लटका मिला। वहीं, सुशांत गोल्फ सिटी में महिला ने फंदा लगाकर जान दे दी।

लक्ष्मण खेड़ा चंद्रावल निवासी जुबेर (40) राजगीर मिस्त्री का काम करता था। वह शराब पीने का आदी था। चार दिन पहले शराब पीने को लेकर पत्नी जुलेखा से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद जुलेखा तीन बेटी और तीन बेटों को लेकर बाराबंकी जिले के पलिया गांव मायके चली गई। ग्रामीणों का कहना है कि बुधवार को जुबेर पत्नी व बच्चों को लेने ससुराल गया था। शराब के नशे में होने के कारण पत्नी बच्चे उसके साथ नहीं आए। इसके बाद जुबेर वापस लौट आया। गुरुवार सुबह भाभी रेहाना अपने घर के बाहर नल पर पानी भरने निकली तो जुबेर कमरे के बाहर टिन शेड में दुपट्टे से बने फंदे पर लटका नजर आया। रेहाना ने परिजन व आसपास के लोगों को जानकारी दी। इंस्पेक्टर कपिल गौतम ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि जुबेर ने पारिवारिक कलह के चलते उसने जान दी है। सुशांत गोल्फ सिटी थाना इलाके के हरिहरपुर गांव में बुधवार देर रात शिव देवी (35) ने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

अवैध शराब के साथ सीतापुर का युवक गिरफ्तार

हसनगंज, उन्नाव अमृत विचार। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हसनगंज पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने गश्त के दौरान एक बाइक सवार युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास अवैध शराब बरामद हुई है। शराब की बोतलों पर फर्जी क्यूआर कोड चस्पा थे। गुरुवार को क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक ज्योति अग्रवाल और हसनगंज पुलिस की टीम फरहदपुर गांव के पास अजगैन-मोहान मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम ने एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। जब बाइक की तलाशी ली गई, तो उसके पास से अलग-अलग ब्रांड की 92 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। जांच में पाया गया कि बोतलों पर लगे क्यूआर कोड फर्जी थे।

सरोजनीनगर में बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

- हिन्दुजा ग्रुप अशोक लीलैण्ड प्लांट उद्घाटन समारोह

अमृत विचार: सरोजनीनगर के स्कूटर इंडिया चौकी इलाके में नव निर्मित हिंदुजा ग्रुप अशोक लीलैंड प्लांट का शुक्रवार उद्घाटन को होना है। इस कार्यक्रम में वीवीआईपी व वीआईपी का आगमन रहेगा। इसे देखते हुए इलाके की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने बताया कि यातायात व्यवस्था में बदलाव सुबह 11 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक रहेगा। इस दौरान इमरजेंसी की स्थिति में ट्रैफिक कंट्रोल नंबर-9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है।

कहां रोक, किधर से जाएं: दरोगाखेड़ा किसानपथ अण्डरपास चौराहा से भारी/कामर्शियल वाहन स्कूटर इंडिया की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन किसानपथ होते हुए जा सकेंगे।

बिजनौर थाना से भारी/कार्शियल वाहन स्कूटर इंडिया की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन किसानपथ होते हुए निकल सकते हैं। ट्रांसपोर्ट नगर से भारी/कामर्शियल वाहन स्कूटर इंडिया की तरफ जाने से रोक रहेगी। ये वाहन वाहन बिजनौर अण्डरपास(शहीद पथ), बिजनौर चौराहा से किसानपथ होते हुए जा सकेंगे। पिपरसण्ड से भारी/कामर्शियल/सामान्य वाहन स्कूटर इंडिया चौराहा की तरफ नहीं जाएंगे। ये वाहन किसानपथ होते हुए जा सकेंगे। नटकुर किसानपथ अण्डरपास से भारी/कामर्शियल/सामान्य वाहन स्कूटर इण्डिया चौराहा/हैडिल तिराहा की तरफ नहीं जाने दिए जाएंगे। ये वाहन भी किसानपथ से जा सकेंगे।

गांव में फायरिंग की आवाज से मचा हड़कंप

हरदोई। ठंड की ठिठुरन के बीच अचानक फायरिंग की आवाज़ से लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि दो पक्षों के बीच पथराव हुआ है। उसने फायरिंग की बात सिरे से नकार दी,कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गुरुवार की देर शाम कोतवाली देहात के ककवाही गांव में लोग घरों में दुबके हुए थे। उसी बीच फायरिंग की आवाज़ से हलचल मच गई। जैसा कि बताया गया है कि गांव में दीपू यादव के घर के सामने 315 बोर के तमंचे से फायरिंग की गई। इसके पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसका पता होते ही वहां पहुंची पुलिस छानबीन करने लगी। गांव के कुछ लोगों ने दावे से कहा है कि पुलिस ने तमंचा बरामद कर लिया,लेकिन पुलिस का कहना है कि दो पक्षो के बीच पथराव हुआ। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नीलगाय की मौत प्राकृतिक पीएम रिपोर्ट से हुई पुष्टि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रहमानखेड़ा में नहीं मिला तेंदुआ खाली हाथ लौटी कॉम्बिंग टीम

अमृत विचार: बीते दिनों रहमानखेड़ा के बेहता नाले के पास नीलगाय की हुई मौत तेंदुए के हमले से नहीं, बल्कि प्राकृतिक कारणों से हुई थी। इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो गई है। रिपोर्ट आने के बाद वन विभाग ने तेंदुए की मौजूदगी को लेकर चल रही आशंकाओं पर विराम लगने की बात कही है।

गुरुवार को रहमानखेड़ा स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान परिसर और आसपास के इलाकों में तेंदुए के पगचिह्नों की तलाश में वन विभाग की 15 सदस्यीय टीम ने व्यापक कॉम्बिंग अभियान चलाया, लेकिन टीम को कहीं भी तेंदुए के पगमार्क नहीं मिले। एसडीओ चंदन चौधरी ने बताया कि टीम को तीन सेक्टरों में तैनात कर सुबह से देर शाम तक संस्थान के जंगल, मीठे नगर, उलरापुर, दुगौली और बेहता नाले के किनारे तलाशी ली गई। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान परिसर में लगाए गए पांच ट्रैप कैमरों में भी तेंदुआ कैद नहीं हुआ। साथ ही पिंजरे में बांधी गई बकरी पर भी किसी तरह के हमले के निशान नहीं मिले।

इन सभी तथ्यों के आधार पर फिलहाल क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हो सकी है। वन विभाग का कहना है कि एहतियात के तौर पर निगरानी जारी रहेगी, लेकिन मौजूदा साक्ष्यों के अनुसार नीलगाय की मौत प्राकृतिक थी और तेंदुए के हमले की आशंका निराधार साबित हुई है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

दलित महिला की हत्या और बेटी के अपहरण पर जताई चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र में दलित महिला की हत्या तथा उसकी बेटी के अपहरण की घटना पर दुख और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद, शर्मनाक और चिंताजनक बताया है। बसपा प्रमुख ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रदेश में महिलाओं की इज्जत और सुरक्षा से लगातार खिलवाड़ हो रहा है, जो बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस जघन्य घटना को पूरी गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार के घृणित अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे नर्सिंग कॉलेज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज ही नहीं, सरकारी नर्सिंग कॉलेज व डिप्लोमा प्रशिक्षण केंद्र भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। प्रदेश के 36 एएनएम और 9 जीएनएम के सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों के करीब 50 फीसदी पद रिक्त चल रहे हैं। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

स्वास्थ्य व सौंदर्य पर सम्मेलन 11 को

अमृत विचार, लखनऊ : ऑल इंडिया कॉस्मेटोलॉजिस्ट्स एंड ब्यूटीशियंस एसोसिएशन (एआईसीबीए) उर्फ सौंदर्य मित्र का 24वां वार्षिक सम्मेलन "स्वास्थ्य एवं सौंदर्य" विषय पर 11 जनवरी को गोमती नगर स्थित हयात होटल में आयोजित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि होंगे और सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करेंगे। जीआईएस अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ के निदेशक डॉ. राजन सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी गुरुवार को एसोसिएशन की सेक्रेटरी एवं सम्मेलन की आयोजन सचिव डॉ. रमा श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में हेयर केयर, जननांग पुनर्निर्माण, मोटापा, एवं सौंदर्य जैसे विषयों पर व्याख्यान होंगे।

परिषदीय स्कूलों की परीक्षाएं 24 से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य में परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 की द्वितीय सत्र परीक्षा 24 जनवरी से 31 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। बेसिक शिक्षा निदेशक ने प्रदेश के सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को परीक्षा संचालन के निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, परीक्षा विद्यालय स्तर पर आयोजित होगी।

मिर्जापुर व सीतापुर के चीफ इंजीनियर हटाए

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने विद्युत व्यवस्था में लापरवाही और खराब प्रदर्शन पर सख्त रुख अपनाते हुए मिर्जापुर और सीतापुर के मुख्य अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। शक्तिभवन में गुरुवार को आयोजित सभी विद्युत वितरण कंपनियों की समीक्षा बैठक के दौरान मिर्जापुर के मुख्य अभियंता (वितरण) मनोज सोनकर और सीतापुर के मुख्य अभियंता (वितरण) बृजेश कुमार सिंह को पद से हटाने के आदेश दिए गए। यह कार्रवाई ट्रांसफार्मर क्षति, राजस्व वसूली में कमजोर प्रदर्शन, स्मार्ट मीटर स्थापना में धीमी प्रगति और बिजली बिल राहत योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही के कारण की गई। अध्यक्ष ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व वसूली, बिजनेस प्लान के तहत स्वीकृत ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि और स्मार्ट मीटरों की स्थापना में तेजी लाई जाए।

न्यूजलेटर से ग्राम पंचायतें बनेंगी मजबूत : मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर "पंचायतों की प्रगति गाथा" की शुरुआत की। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित विभागीय वार्षिक कैलेंडर "नारी शक्ति की नई उड़ान, गांव बदल रही महिला प्रधान" मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत और सशक्त इकाई हैं। जब पंचायतें सशक्त होती हैं, तभी गांव और प्रदेश का समग्र विकास संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि यह न्यूजलेटर गांवों में हो रहे सकारात्मक बदलावों, नवाचारों और जनकल्याणकारी कार्यों को एक मंच पर लाकर जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस न्यूजलेटर के माध्यम से प्रदेश की सफल ग्राम पंचायतों की विकास कहानियां सामने आएंगी, जिससे अन्य पंचायतों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा और पंचायत स्तर पर पारदर्शिता व जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूजलेटर के अंतर्गत प्रत्येक माह एक वंदनीय ग्राम पंचायत का चयन कर वहां हुए उत्कृष्ट विकास कार्यों, नवाचारों, पारदर्शी प्रशासन और जनसहभागिता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

इसके साथ ही पंचायती राज विभाग की किसी एक प्रमुख योजना, राज्यभर में संचालित अभियानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभागीय उपलब्धियों की जानकारी भी दी जाएगी।

पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यह मासिक न्यूजलेटर पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार ने इसे सूचना साझा करने और बेहतर कार्यों को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं, निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने कहा कि यह प्रयास पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक मजबूत और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर की शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी व मंत्री ओपी राजभर।

- पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर की शुरुआत

आरक्षी भर्ती में होमगार्ड श्रेणी के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होमगार्ड्स श्रेणी के अभ्यर्थियों को भी आयु सीमा में छूट का लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ ने इस संबंध में सूचना जारी की है। भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है।

उप्र शासन के शासनादेश दिनांक 5 जनवरी के अनुसार, उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के तहत इस भर्ती में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को अपवाद स्वरूप एक बार के लिए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की गई है। इसी क्रम में बोर्ड द्वारा 5 जनवरी को विज्ञप्ति संख्या पीआरपीबी-बी (आरक्षी पीएसी एवं अन्य संवर्ग) 07/2025 प्रकाशित की गई। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यह आयु सीमा में छूट होमगार्ड्स श्रेणी के अभ्यर्थियों पर भी लागू होगी। होमगार्ड्स (पुरुष/महिला) श्रेणी के लिए अधिकतम आयु सीमा अब 25 वर्ष के स्थान पर 28 वर्ष स्वीकार की जाएगी। इस श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 2 जुलाई 1997 से 1 जुलाई 2007 के बीच होना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in का नियमित अवलोकन करते रहें।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा कैशलेस उपचार

आयुष्मान योजना के अस्पताल भी योजना में शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना 2025 (सीटीआरएवी) को व्यापक किया जा रहा है। अब आयुष्मान योजना के अस्पतालों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, ट्रामा सुविधाएं, आर्थोपैडिक, इमरजेंसी मेडिसिन और सर्जरी की सुविधा देने वाले नए अस्पताल भी स्वतः योजना में शामिल माने जाएंगे।

स्टेट एजेंसी फॉर कंप्रीहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) को इन अस्पतालों के कर्मचारियों को कैशलेस उपचार प्रणाली पर प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने सड़क दुर्घटना हॉटस्पॉट के पास के अस्पतालों को विशेष रूप से सीटी आरएवी में सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के माध्यम से हॉटस्पॉट के निकट अस्पतालों की पहचान की जा रही है, ताकि आपातकालीन चिकित्सा सेवा से पीड़ितों की जान बचाई जा सके। साचीज ने जिलों में तैनात आयुष्मान योजना के नोडल अधिकारी और कर्मचारियों को सीटीआरएवी प्रशिक्षण दिया है, जो अब मास्टर ट्रेनर के रूप में नए अस्पतालों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे।

ट्रामा केयर में सुधार को टास्क फोर्स गठित

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में होने वाली मृत्यु दर घटाने के लिए स्टेट ट्रामा केयर नीति बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए नौ सदस्यीय टेक्निकल टास्क फोर्स का गठन किया गया है। टास्क फोर्स प्रत्येक जिले में लेवल-वन, टू और थ्री ट्रामा नेटवर्क के मानक और संचालन नियम तैयार करेगी, साथ ही अंतर जनपदीय और अंतर राज्यीय रेफरल प्रणाली की रूपरेखा बनाएगी। टास्क फोर्स के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं स्टेट नोडल आफिसर प्रो. एलडी मिश्रा, जबकि सचिव पद पर एसजीपीजीआई के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के हेड प्रो. आरके सिंह और केजीएमयू ट्रामा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेम राज सिंह होंगे। यह टीम ट्रामा सेंटर के न्यूनतम मानव संसाधन और आधारभूत संरचना के मानक तय करेगी। साथ ही राज्यव्यापी रेफरल प्रोटोकॉल, 108 एंबुलेंस सेवा का ट्रामा नेटवर्क से जुड़ाव, और राष्ट्रीय व राज्य राजमार्ग के निकट जिला अस्पताल, सीएचसी और पी लएचसी को उच्चीकृत ट्रामा एवं आपातकालीन केंद्र बनाने की योजना तैयार करेगी। टास्क फोर्स को 15 दिन में कार्ययोजना शासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

परियोजनाएं तय समय में पूरी हों : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की प्रमुख विकास परियोजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यह निर्देश मुख्य सचिव एसपी. गोयल ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में अधिकारियों को दिए।

बैठक में उन्होंने पीएम मित्रा पार्क-लखनऊ, पर्यटन विकास, श्रमजीवी महिला छात्रावासों तथा आगरा व कानपुर मेट्रो रेल परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव ने फोटोग्राफ्स और पाई चार्ट के माध्यम से परियोजनाओं की भौतिक प्रगति का आकलन किया और स्पष्ट कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

पीएम मित्रा पार्क-लखनऊ परियोजना के दूसरे चरण में रैथा अंडरपास से पार्क तक प्रस्तावित 14.28 किलोमीटर सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्युत आपूर्ति और जलापूर्ति से जुड़े कार्य तत्काल प्रारंभ करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने आवास विकास विभाग को पार्क के चालू होने पर बढ़ती मांग को देखते हुए उसके आसपास आवासीय योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण में आईआईएम लखनऊ से रैथा अंडरपास तक 8.40 किलोमीटर सड़क के दो लेन चौड़ीकरण का कार्य 77 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य 25 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। बाउंड्री वॉल, गेट कॉम्प्लेक्स और ऑफिस बिल्डिंग के नवीनीकरण का कार्य भी प्रगति पर है, जिसकी संभावित पूर्णता 31 मार्च निर्धारित है। मुख्य सचिव ने श्रावस्ती में बौद्ध विहारों और आगरा के बटेश्वर धाम के समेकित पर्यटन विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

- पीएम मित्रा पार्क, मेट्रो रेल, पर्यटन विकास व महिला छात्रावासों की प्रगति की समीक्षा

चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। शासन की ओर से जारी आदेश के तहत पर्यटन, मानवाधिकार आयोग और राज्य सूचना आयोग से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर नई तैनाती की गई हैं। जारी सूची के अनुसार, राजेश कुमार-2 को महानिदेशक, पर्यटन पद से हटाकर सचिव, उप्र. राज्य मानवाधिकार आयोग नियुक्त किया गया है। वहीं, डॉ. वेदपति मिश्रा, जो अब तक राज्य सूचना आयोग में सचिव थे, को महानिदेशक (पर्यटन) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा प्रतीक्षारत चल रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कुमार प्रशांत को सचिव, उप्र. राज्य सूचना आयोग के पद पर तैनात किया गया है। प्रांजल यादव को सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन, को हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वे अपने मूल पदों पर बने रहेंगे। शासन का कहना है कि यह फेरबदल प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

ईवी फैक्टरी का उद्घाटन आज, मौजूद रहेंगे राजनाथ गडकरी और योगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित औद्योगिक विकास को नई गति मिलने जा रही है। अशोक लेलैंड की इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण इकाई का उद्घाटन शुक्रवार को लखनऊ में होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। कानपुर रोड स्थित सरोजिनी नगर एक्सटेंशन-1 में स्थापित यह फैक्टरी पूरी तरह इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के उत्पादन पर केंद्रित होगी। पहले स्कूटर्स इंडिया साइट के नाम से पहचानी जाने वाली यह इकाई अब स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देगी। यह संयंत्र प्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी विकास के नए अवसर पैदा करेगा। सरकार का मानना है कि यह परियोजना यूपी को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में मजबूत पहचान दिलाने के साथ-साथ वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगी।

राजकीय विद्यालयों में स्थापित होंगी आईसीटी लैब

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के 1044 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित की जाएंगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आईसीटी लैब के माध्यम से छात्रों को कंप्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल शैक्षिक सामग्री की सुविधा मिलेगी। लैब स्थापित होने से पठन-पाठन को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इससे डिजिटल शिक्षा से विद्यार्थियों की तकनीकी समझ विकसित होगी और वे भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे।

ब्राह्मण समाज के लोगों का हो रहा फर्जी एनकाउंटर

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर ब्राह्मण समाज के फर्जी एनकाउंटर कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि बीते दस वर्षों में 1700 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या हुई है।

अजय राय

वे गुरुवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से लखनऊ के ठाकुरगंज घास मंडी चौराहे पर स्थित बाबा गोमती दास स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। अजय राय ने प्रदेश सरकार पर ब्राह्मण समाज की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सत्ता में ब्राह्मण समाज के लोगों को मुख्यमंत्री बनाया जाता था, लेकिन भाजपा सिर्फ समाज का वोट ले रही है। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

एक करोड़ वोट भाजपा के लोगों ने बढ़ा लिए

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि हम लोग पहले दिन से कह रहे हैं कि मतदाता सूची को लेकर जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है, वह एसआईआर नहीं, एनआरसी है। जो एनआरसी गृह मंत्रालय को करवानी थी, उसे सरकार चुनाव आयोग से करा रही है। एसआईआर की जो सूची आई है, उसमें करीब तीन करोड़ वोट कट गये हैं। इसका मतलब एक करोड़ वोट भाजपा के लोगों ने बढ़ा लिये। ये जो वोट बढ़ाये हैं, वो किसके वोट बढ़ाये हैं।

सपा प्रमुख गुरुवार को राजधानी में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर वोट काटने के लिए हो रहा है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी थी कि किसी का वोट नहीं छूटे लेकिन भाजपा के दबाव में चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा वोट कट जाये। जब ज्यादा वोट कटने की बात सामने आयी, तब मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका चार करोड़ वोट कट गया। मुख्यमंत्री को कैसे पता था कि चार करोड़ वोट कटने जा रहे हैं।

डुप्लीकेट मतदाता प्रभावित कर सकते हैं चुनाव की प्रक्रिया : सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में डुप्लीकेट मतदाता पंजीकरण को लेकर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि यह स्थिति आगामी चुनावों को प्रभावित कर सकती है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा बन सकती है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने इस मुद्दे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि कई ऐसे लोग, जिन्होंने बिहार की मतदाता सूची में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अपना नाम दर्ज कराया और वहां मतदान भी किया, वे अब उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान फिर से अपना नाम दर्ज करा रहे हैं।

पार्टी को आशंका है कि ऐसे मतदाता वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान कर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। सपा का कहना है कि अलग-अलग राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया एक साथ और समन्वय के साथ नहीं चलने के कारण एक ही व्यक्ति एक से अधिक राज्यों की मतदाता सूचियों में शामिल हो पा रहा है। सपा ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग से मांग की है कि इस समस्या से निपटने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। पार्टी का सुझाव है कि यदि कोई व्यक्ति किसी राज्य में मतदाता के रूप में पंजीकृत होकर मतदान कर चुका है, तो उसका नाम कम से कम पांच वर्षों तक उसी राज्य की मतदाता सूची में बना रहे और इस अवधि में किसी अन्य राज्य में उसका नया पंजीकरण न हो सके।

- पंजीकरण पर पार्टी ने जताई चिंता मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अप्रेंटिसशिप योजना में 83 हजार युवाओं को प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के लगभग 83,000 युवा उद्योगों एवं एमएसएमई इकाइयों में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि अप्रेंटिसशिप योजना "सीखते हुए कमाएं" की अवधारणा को सशक्त कर रही है, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण के साथ आर्थिक सहायता भी मिल रही है। उन्होंने बताया कि नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) और मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (सीएमएपीएस) के तहत युवाओं एवं प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों को प्रत्यक्ष लाभ दिया जा रहा है। पिछले चार वर्षों में अप्रेंटिसशिप के दायरे को बढ़ाने के उद्देश्य से 795 नए संस्थानों को पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि सीएमएपीएस योजना के अंतर्गत अब तक 6,164 नए अभ्यर्थियों को लाभ मिला है, जिससे रोजगारपरक प्रशिक्षण को गति मिली है।

बढ़ते कदम | इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्यात में 11 गुना से अधिक बढ़ोतरी

आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में उछाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निवेश के साथ डेढ़ गुना बढ़ा सेवाओं का निर्यात

अमृत विचार: आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में योगी सरकार ने तेज उछाल दर्ज की है। जहां इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात में 11 गुना से अधिक बढ़ा है, वहीं निवेश और रोजगार के साथ आईटी आधारित सेवाओं का निर्यात भी डेढ़ गुना बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2030 तक देश के कुल आईटी निर्यात में प्रदेश की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है।

बेहतर होते इन्फ्रास्ट्रक्चर, निवेश-अनुकूल नीतियों और मजबूत कानून व्यवस्था के चलते प्रदेश अब आईटी सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। वर्ष 2017 के बाद से इस सेक्टर में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। आईटी सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त विकास ने उत्तर प्रदेश के निर्यात आधार को व्यापक बनाया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र और लखनऊ जैसे शहर अब आईटी सेवाओं, मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और डेटा आधारित उद्योगों के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। प्रदेश में स्थापित हो रही असेम्बली यूनिट्स, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और आईटी सर्विस कंपनियों ने निर्यात क्षमता को नई मजबूती दी है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2017 में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात लगभग 3,862 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसी तरह आईटी आधारित सेवाओं का निर्यात 55,711 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,055 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

आयुष्मान अस्पतालों को 30 दिन में भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार आयुष्मान भारत योजना से जुड़े अस्पतालों को भी समय पर भुगतान सुनिश्चित कर रही है। उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी, स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) के अनुसार पिछले एक वर्ष में क्लेम निस्तारण व्यवस्था में तेजी आई है। जनवरी 2025 में जहां क्लेम पेंडेंसी 10 लाख 75 हजार तक पहुंच गई थी, वहीं दिसंबर 2025 तक इसे घटाकर मात्र तीन लाख कर दिया गया है। शेष लंबित मामलों का भी शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। प्रदेश में योजना के तहत प्रतिमाह औसतन दो लाख से अधिक क्लेम अस्पतालों से प्राप्त होते हैं, जिनका समयबद्ध निस्तारण करना चुनौती है।

कार्यकर्ताओं की गर्मजोशी जीत का शंखनाद : चौधरी

कहा : 2027 में अधिक सीटें जीतकर नया इतिहास रचेगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में वाराणसी में प्रथम आगमन पर स्वागत से अभिभूत पंकज चौधरी ने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी विजय का शंखनाद है। कहा कि भाजपा 2017 से अधिक सीटें जीतकर नया इतिहास रचेगी।

वाराणसी के रोहनिया स्थित गोकुल धाम रिसोर्ट में काशी क्षेत्र के 16 जिलों के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद पूरे यात्रा मार्ग में कार्यकर्ताओं ने जिस गर्मजोशी से स्वागत किया, वह संगठन की मजबूती और एकजुटता को दर्शाता है। प्रदेश अध्यक्ष ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय मंत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रेरणा बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद वाराणसी के प्रथम आगमन पर पंकज चौधरी का स्वागत करते पार्टी नेता व कार्यकर्ता।

न्यूज ब्रीफ

आरोही ने दूसरा स्थान प्राप्त कर बढ़ाया मान

बाराबंकी, अमृत विचार : मंडलीय प्रतिभा खोज परीक्षा के जिला स्तरीय परिणाम में ब बाबा गुरुकुल अकादमी की छात्रा आरोही श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधक हरपाल सिंह ने माल्यार्पण कर छात्रा का स्वागत किया। प्रधानाचार्य रवि प्रकाश सिंह ने मिठाई खिलाकर बधाई दी।

सदस्य ने गौशाला का किया निरीक्षण

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने गुरुवार को अमोली कीरतपुर स्थित गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने एडीओ पंचायत अभय शुक्ला को गोंवशों के लिए पर्याप्त चारा और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। । निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सक सुरजीत सचान, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विवेक सिंह आदि मौजूद रहे।

ईंट से सिर कूंचकर युवक की हत्या

कल्याणपुर में मंगलवार की शाम से लापता था युवक, घर से 200 मीटर दूर प्लाट में लहूलुहान मिला

दुस्साहस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में मंगलवार शाम से लापता युवक की ईंट से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। आरोपी लहुलूहान अवस्था में उसे घर से 200 मीटर दूर एक प्लाट में फेंककर भाग निकले। पड़ोसियों की नजर पड़ने पर घरवालों को खबर दी। परिजन मरणासन्न अवस्था में उसे हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और हत्यारोपियों की तलाश में जुटी है। युवक के पास ही खून से सनी हुई ईंट भी पड़ी मिली है। नानकारी के प्रधान गेट निवासी रामवीर प्राइवेट काम करते हैं। उनके छह बेटे विनोद, सतीश, अनिल, गांधी, 30 वर्षीय सोनू व मोनू हैं। परिजनों के अनुसार सोनू सीएसजेएमयू स्थित एसीपी कल्याणपुर के कार्यालय में साफ-सफाई का काम करता था, लेकिन छह माह से वह काम पर नहीं गया था। भाई मोनू ने बताया कि मंगलवार शाम करीब छह बजे वह घर से बाहर गया था। उसने कुछ देर में वापस आने की बात कही थी, लेकिन उसके बाद नहीं लौटा।

जब रात हुई तो उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर सोंचा की नशे में कहीं रुक गया होगा। अगले दिन बुधवार सुबह पड़ोस के बच्चे घर से 200 मीटर दूर एक प्लाट के बाहर क्रिकेट मैच खेल रहे थे। तभी उनकी गेंद प्लाट के अंदर चली गई। बाउंड्री फांदकर बच्चे अंदर गेंद लेने गए तो सोनू को लहुलूहान अवस्था में देखकर चींख पड़े। भागकर बाहर आए और मोहल्ले वालों के साथ परिजनों को घटना की जानकारी दी। तत्काल लोग मौके पर पहुंचे और सोनू की सांस चलती देख पुलिस को खबर दी। इसके बाद समीप के अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे हैलट रेफर कर दिया। जहां उसी दिन देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा। थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि परिजनों ने रंजिश या किसी प्रकार के विवाद से मना किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं। जिससे आरोपियों की पहचान हो सके।

प्रेमी ने महिला की हत्या कर जमीन में दफनाया, 10 माह बाद खुला राज

जांच पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

घाटमपुर, कानपुर, अमृत विचार सजेती थाना क्षेत्र के टिकवापुर गांव में 7 बच्चों की मां को उसके प्रेमी ने मारकर जमीन में दफना दिया था। दस महीने तक राज छिपाकर रखे रहा । इसका खुलासा तब हुआ, जब महिला अपने बेटे के बुलाने पर शादी में घर नहीं पहुंची। बेटा प्रेमी के घर पहुंचा, तो मां नहीं मिली तो प्रेमी से पूछा । उसने कहा तुम्हारी मां अब कभी नहीं आएगी। इसके बाद बेटे ने शक के आधार पर आरोपी के खिलाफ पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया पति की मौत के बाद महिला मेरे साथ रहती थी। मैं उसे छोड़ना चाहता था। उसे भाई के साथ रहने को कहता, लेकिन उसने मेरी बात नहीं मानी। इसके बाद मैंने गला दबाकर उसे मार डाला। प्रेमी की निशानदेही पर एसीपी कृष्णकांत यादव फोर्स के साथ उसके गांव पहुंचे। गांव में टावर के पास बुधवार रात 11 बजे जमीन खोदी गई। टार्च की लाइट में 7 फीट गड्ढा खोदने पर महिला का कंकाल बरामद हुआ। फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए। इसके बाद कंकाल को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

संदिग्ध हालात में बेड पर मिला रिटायर्ड जेई का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जाजमऊ के आदर्श नगर की घटना क्षत-विक्षत हालत में था शव
- सूचना पर पुलिस ने की जांच-पड़ताल फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमृत विचार। जाजमऊ में गुरुवार दोपहर को सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त जेई का शव संदिग्ध हालात में कमरे में बेड पर पड़ा मिला। जेई के भाई-बहन घर पहुंचे तो क्षतविक्षत शव की दुर्गंध से घटना का पता चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार जेई अकेले रहते थे, पत्नी व दो बेटियां वाराणसी में रहती हैं।

आदर्शनगर निवासी 62 वर्षीय विजय कुमार घोष सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त थे। परिवार में पत्नी पूर्णिमा और दो बेटियां रुद्राणी व ब्राह्मणी हैं। पूर्णिमा भी इनकम टैक्स विभाग से सेवानिवृत्त हैं। विजय की बहन कल्पना ने बताया कि भाभी अपने मायके में बेटियों के साथ रहती हैं। विजय अकेले रहते थे। दो साल पहले वह सेवानिवृत्त हुए थे।

कल्पना के अनुसार वह 10-15 दिनों में भाई का हालचाल लेने आती थीं। 25 दिसंबर के बाद वह अभी कई दिन पहले भाई का फोन मिलाया तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। इसी बीच गुरुवार को आर्यनगर निवासी बड़े भाई रमाकांत ने बताया कि नववर्ष पर शुभकामनाएं देने के लिए कॉल किया था, लेकिन भाई का नंबर बंद है। संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस पर दोनों लोग उनसे मिलने पहुंच गए और दरवाजे के पास कदम रखते ही दुर्गंध आने लगी। सूचना पर पुलिस ने कमरे में देखा तो बेड पर विजय का क्षतविक्षत शव पड़ा था। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि शव करीब आठ दिन पुरान होने का अनुमान है। परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

जी राम जी अधिनियम बनेगा विकसित भारत की नींव

दावा

- कारागार राज्यमंत्री व बाराबंकी के प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने कहा-नए कानून से यूपी को मिलेगा सर्वाधिक लाभ

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकीः

प्रेसवार्ता में जी राम जी के फायदे गिनाते प्रभारी मंत्री सुरेश राही। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कारागार राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने कहा कि ग्राम्य विकास के जरिए विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में जी राम जी कानून अहम कड़ी साबित होगा।

प्रभारी मंत्री गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में विकसित भारत जी राम जी (गारंटी फार रोजगार एवं आजीविका मिशन, ग्रामीण) को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जहां जी राम जी योजना के फायदे गिनाए वहीं मनरेगा योजना को असफल और भ्रष्ट बताकर कांग्रेस व सपा समेत कई दलों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि इस योजना का उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक लाभ होगा। प्रभारी मंत्री ने बताया कि पुराने मनरेगा में फर्जी जॉब कार्ड, हाजिरी, मजदूरी में देरी और भुगतान कटौती जैसी समस्याएं थीं, जबकि नए अधिनियम के तहत प्रत्येक परिवार को 125 दिन का रोजगार, साप्ताहिक भुगतान और काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। बुआई और कटाई के समय 60 दिन का विराम रहेगा, ताकि किसानों और मजदूरों के हित सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि योजना में रेन वाटर हारवेस्टिंग, चेक डैम, सड़क, जैसे कार्य कराए जाएंगे। डिजिटल भुगतान, बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो टैगिंग और एआई टूल्स का उपयोग किया जाएगा।

डीएम ने बीडीओ का एक वर्ष का वेतन रोका

कमलापुर, सीतापुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. अचानक कसमण्डा ब्लॉक पहुंचे तो यहां अनगिनत अनियमितताएं मिलीं। ऐसे में उन्होंने सख्ती बरतते हुए खण्ड विकास अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि और एक वर्ष का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जेई को भी प्रतिकूल प्रविष्टि देकर लेखाकार को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करने का आदेश भी दिया गया। डीएम डॉ. राजा गणपति आर. ने सर्विस बुक आदि का अवलोकन कर जनसुनवाई का रजिस्टर देखा तो पता चला कि कई शिकायतें रजिस्टर पर ही नहीं है, कुछ में तो फोन नंबर नहीं थे। ऐसे में बीडीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर 12 माह का वेतन रोकने के आदेश दिए। शिकायतों का रजिस्टर देख एडीओ पंचायत संजय कुमार सिंह पर नाराजगी व्यक्त की। खड़ंजा संबंधी पत्रावलिया देखी तो फोटो आदि अपूर्ण मिलीं।

नहर में मिला आठ दिन से लापता विवाहिता का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक महिला का शव नहर में मिला। महिला कोटवाधाम मेला से आठ दिन पूर्व लापता हो गयी थी। दरियाबाद के कोड़ा की रहने वाली मोहिनी पत्नी स्व. केशवराम ने एक दिन पूर्व पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री सुनीता को पति असंद्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे छविनाथ शुक्ल मजरे सूर्यपुर निवासी मनोज कुमार 30 दिसंबर को कोटवाधाम मेला दिखाने के बहाने ले गया था, जहां उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर सुनीता को गायब कर दिया। गुरुवार को बदोसरांय के सरांय रज्जन के पास नहर में एक महिला का शव मिला। इस दौरान आरोपी मनोज भी पुलिस के साथ मौजूद रहा। पुलिस के बुलावे पर पहुंचे सुनीता के जेठ ने शव की पहचान कर ली। सुनीता की मां को भी शिनाख्त के लिए बुलाया गया है।

उद्घाटन मैच में लखनऊ ने अंबेडकरनगर को हराया

जलालपुर, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। बाबू प्रदीप सिंह स्मृति में आयोजित प्राइज मनी चैंपियन ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन उद्घाटन मैच का शुभारंभ सीओ अनूप कुमार सिंह द्वारा किया गया।

उद्घाटन मुकाबला अंबेडकरनगर एसपीजी और लखनऊ की टीमों के बीच खेला गया। टॉस अंबेडकरनगर एसपीजी टीम ने जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की टीम ने और निर्धारित 25 ओवरों में 205 रन बनाए। लखनऊ की ओर से बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए अंबेडकरनगर के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अंबेडकरनगर एसपीजी टीम ने संघर्षपूर्ण शुरुआत की, लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। पूरी टीम 25 ओवरों में 8 विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। इस प्रकार लखनऊ की टीम ने उद्घाटन मैच में शानदार जीत दर्ज की।

व्यवसायी से 35 हजार की लूट

संग्रामपुर, अमेठी, अमृत विचार। बदमाशों ने अमेठी कस्बे के निकट बाईपास पर किराना व्यवसायी से चाकू की नोंक पर 35 हजार रुपये की नकदी लूट ली। संग्रामपुर थाना क्षेत्र के जरौटा निवासी दूधनाथ मिश्र किराना की दुकान गांव में चलाते हैं। बृहस्पतिवार को वह अपनी दुकान के लिए किराना का सामान खरीदने अमेठी जा रहे थे। बाईपास के समीप बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। उन्हें चाकू दिखाकर डराया-धमकाया और उनकी जेब में रखे 35 हजार रुपये छीन लिए।

अदालत ने नगर पंचायत अध्यक्ष को तीन साल की सुनाई सजा

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद में विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी कोर्ट ने नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के चेयरमैन ओमकार गुप्ता को तीन साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला सभासद विनोद कुमार के साथ मारपीट के एक मामले में सुनाया गया है। अदालत ने चेयरमैन को दोषी मानते हुए सजा के साथ जुर्माना भी लगाया है।

बता दें कि एससी-एसटी एक्ट के तहत सभासद विनोद कुमार के साथ मारपीट के मामले में किछौछा नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता को एससी एसटी न्यायालय ने तीन वर्ष की सजा सुनाया है। हालांकि सजा के बाद कोर्ट ने उन्हें तत्काल जमानत भी दे दी, जिससे उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा। वहीं विनोद कुमार को भी कोर्ट ने मारपीट के मामले में दोषी मानते हुए सदाचार परिवीक्षा पर रिहा कर दिया है। मामला 28 दिसंबर 2023 का है, जब सभासद विनोद कुमार ने बसखारी थाने में नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष ने भी विनोद कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था।

450 किमी. स्केटिंग कर वंशिका ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या, कार्यालय

शिकोहाबाद से अयोध्या पहुंची वंशिका का स्वागत करते हुए ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा।

अमृत विचार: राममंदिर में पांच वर्षीय रामलला के दर्शन करने शिकोहाबाद से स्केटिंग करते हुए नौ वर्षीय वंशिका यादव बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंची। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा वंशिका का स्वागत किया गया। और मंदिर में रामलला और राम दरबार का भी दर्शन पूजन किया। वह शिकोहाबाद बाद से स्केटिंग करते हुए 3 जनवरी को निकली थी। जो लगभग 450 किलोमीटर की दूरी तय की है। फिरोजाबाद की रहने वाली वंशिका के आगे पीछे उसके पिता शिव शंकर यादव व चाचा कार से चल रहे थे। ट्रस्टी डॉ.अनिल मिश्र ने कहा कि शिकोहाबाद से आई वंशिका की यह भक्ती भगवान स्वयं देख रहे हैं। 450 किलोमीटर लंबे सफर को तय कर इस बालिका ने देशभर की महिलाओं को बड़ा संदेश दिया है कि कोई भी कार्य यदि ठान लिया जाए तो वह जरूर पूरा होता है।

ओडिशा के भक्त समर्पित करेंगे 286 किलो का धनुष

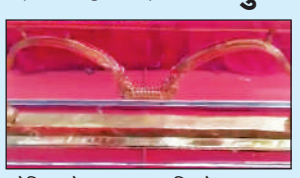

ओडिशा से आ रहा 286 किलो का धनुष।

अयोध्या, अमृत विचार : ओडिशा के राउरकेला से पंच धातु से बने 286 किलो के धनुष रामलला को समर्पित करने के लिए अयोध्या लाया जा रहा है। उड़ीसा से 3 जनवरी को शोभा यात्रा के रूप में धनुष को लेकर भक्तों का जत्था रवाना हो चुका है। सनातन जागरण मंच राउरकेला द्वारा निकाली गयी शोभायात्रा ओडिशा के सभी 30 जिलों से होकर 19 जनवरी को भगवान जगन्नाथ की पुरी पहुंचेगी।वहां से चलकर 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी।

परफॉर्मेंस एनॉलिस्ट के रूप में राहुल ने बनायी पहचान

लखनऊ, अमृत विचार : जब लोग पेशेवर क्रिकेट के बारे में सोचते हैं तो उनकी आंखों के सामने मैदान पर खेलते खिलाड़ी और फ्लडलाइट्स के नीचे यादगार पल आते हैं। लेकिन बहुत कम लोग उस काम को देख पाते हैं जो पर्दे के पीछे होता है जहां आंकड़े, तकनीक नतीजों को आकार देती है। ऐसे ही एक नाम हैं प्रयागराज में पले-बढ़े राहुल चौबे, जिन्होंने शीर्षस्तरीय क्रिकेट परिवेश में एक परफॉर्मेंस एनालिस्ट के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है।

गोदाम में गेहूं भिगोकर बढ़ा रहे वजन

टुल्लू पंप का पाइप लगाकर गोदाम में भिगोई जा रहीं गेहूं की बोरियां। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार: जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब और जरूरतमंदों तक पहुंचने वाले गेहूं की आपूर्ति पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सदर विकास खंड के खुटेहना स्थित उत्तर प्रदेश राज्य भंडार गृह (गोदाम) में गेहूं के बोरे पानी से भिगोकर वजन बढ़ाने का आरोप सामने आया है। टुल्लू पंप से बोरे भिगोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है।

जानकारी के अनुसार, जनपद में हर माह 15 लाख 96 हजार 130 लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति दो किलो गेहूं वितरित किया जाता है। इस प्रकार हर महीने लगभग 31 हजार क्विंटल गेहूं सरकारी राशन दुकानों तक पहुंचता है। इतनी बड़ी मात्रा में होने वाले वितरण में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी का सीधा असर लाभार्थियों के साथ-साथ कोटेदारों पर पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य स्थिति में गोदाम में रखे गेहूं में नमी की मात्रा 8 से 12 प्रतिशत तक होती है, लेकिन जब बोरे में पानी डाला जाता है तो नमी बढ़कर करीब 20 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। इससे एक बोरे का वजन औसतन तीन से चार किलो तक बढ़ जाता है। आरोप है कि ऐसे ही नमी युक्त बोरे ट्रकों में लादकर राशन दुकानों तक भेज दिए जाते हैं। कोटेदारों का कहना है कि जब यह गेहूं दुकानों पर पहुंचकर सूखता है तो उसका वजन घटकर फिर से वास्तविक स्थिति में आ जाता है।

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
ई-टेण्डर पोर्टल : https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू.सं.: D-815/मु.अ./अ.अ./25–26 दिनांक : 08.01.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना (द्वितीय बार)

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा संचालित विद्यालय/डिग्री कालेज में अवस्थापना निधि से 02 कार्य हेतु ई-निविदा, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर.टी.जी.एस/एन.ई.एफ.टी./इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 18.01.2026 को अपरान्ह 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हे दिनांक 18.01.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य अभियन्ता (सि.)

कार्यालय अधिषासी अभियन्ता,
अनुरक्षण खण्ड नं0–2 (सिविल),
लो0नि0वि0, लखनऊ

पत्रांकः– 03/ई–टेन्डर/2025–26 दिनांक : 01.01.2026

ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस (विज्ञप्ति)

अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड–2, (सिविल) लो0नि0वि0, लखनऊ महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेष की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के श्रेणी–ए, बी, सी एवं डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत निविदा दाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्य जिनकी निर्माण लागत सम्मुख अंकित है, प्रतिषत दर पर निविदा आमंत्रित करते है।

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा लागत (लाख में)	बिड सिक्योरिटी रू0	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में) जी. एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (दिनो में)
1	2	3	4	5	6	7
1	लखनऊ	गोमतीनगर फेज–2 मंत्री आवास स्थित आवास सं0–ए–204, टाईप–5 में अध्यासन परिवर्तन के कारण क्षतिग्रस्त किचेन की मरम्मत एवं दो कमरों की क्षतिग्रस्त व जगह–जगह से टूटी हुई विट्रीफाईड टाइल्स बदलने का कार्य, क्षतिग्रस्त वार्डरोब बदलने का कार्य एवं अन्य आवष्यक मरम्मती कार्य।	2.27	22700.00	770.00	30 दिन
2	लखनऊ	गोमतीनगर फेज–2 मंत्री आवास स्थित आवास सं0–2, टाईप–5 में आगन्तुकों के बैठने के लिए एक अस्थाई टीन शेड का कार्य।	2.37	23700.00	770.00	30 दिन
3	लखनऊ	गोमतीनगर फेज–2 मंत्री आवास स्थित आवास सं0–एफ–407, टाईप–4 में अध्यासन परिवर्तन के कारण क्षतिग्रस्त किचेन की मरम्मत, फर्ष टाइल्स, किचेन प्लेटफार्म का कार्य एवं किचेन कैबिनेट का कार्य।	1.91	19100.00	680.00	30 दिन
4	लखनऊ	राजकीय कालोनी माल एवेन्यू स्थित बंगला सं0–1 में तीन चौखट, सात दरावाजे बदलने, दरवाजों पर वुड पाइलिंग करने का कार्य, दो वार्डरोब बनाने, काऊ शेड की मरम्मत, करने आवास में दीमक रोधी उपचार करने एवं आवास के मेन गेट के बाहर केटर केचर बनाने का कार्य।	6.17	61700.00	860.00	30 दिन
5	लखनऊ	राजभवन कालोनी स्थित आवास सं0–37 टाइप–5 में एक अलमारी बनाने का कार्य, आवास में एक यू0पी0वी0सी0 की खिड़की लगाने का कार्य।	0.97	41600.00	770.00	30 दिन
6	लखनऊ	राजकीय कालोनी माल एवेन्यू स्थित बंगला सं0–5ए में क्षतिग्रस्त मेन गेट की मरम्मत व दो शेड की क्षतिग्रस्त शीट को बदलने एवं बाहरी सतह की रंगाई पुताई का कार्य।	3.25	32500.00	770.00	30 दिन
7	लखनऊ	विधायक निवास–2 (नया) स्थत आवास सं0–106बी में 02 बाथरूमों के पूर्ण नवीनीकरण करने, क्षतिग्रस्त फिटिंग्स एवं फिक्चर्स बदलने, किचन टॉप बदलने, दीमक द्वारा क्षतिग्रस्त दरवाजों को बदलने व अन्य आवष्यक विभिन्न सिविल सम्बन्धी मरम्मती कार्य।	2.52	25200.00	770.00	30 दिन
8	लखनऊ	गौतमपल्ली कालोनी स्थित आवास सं0–6 में अध्यासन परिवर्तन के फलस्वरूप विभिन्न सिविल सम्बन्धी अति आवष्यक मरम्मती कार्य। (मास्टर बेडरूम, अटैच रूम व ड्रेसिंग रूम पुरानी टाइल्स पर नई वुडेन फ्लोरिंग लगाने का कार्य, मास्टर बेड रूम की क्षतिग्रस्त लकड़ी की खिड़कियों को यू0पी0वी0सी0 में परिवर्तित करने का कार्य, चार बाथरूमों की क्षतिग्रस्त टायलेट शीट/वॉस बेसिन, एक्सेसरीज बदलने का कार्य, आवास के पीछे शेड व सम्बन्धित सामग्री रखने हेतु स्टोर बनाने का कार्य, आवास के वाहय भाग में सतह मरम्मत करने का कार्य एवं आवास के वाहय भाग की रंगाई पुताई व अन्य अति आवष्यक कार्य)	7.55	75500.00	860.00	30 दिन
9	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलषफा स्थित आवास सं0–503 में क्षतिग्रस्त वार्डरोब को बदलने, क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट व कपबोर्ड को बदलने का कार्य, आवास में दीमक रोधी उपचार, आवास के क्षतिग्रस्त चौखट व पल्ले बदलने का कार्य, आवास में बाथरूम की जंगयुक्त फिटिंग्स को बदलने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धी कार्य हेतु।	3.43	34300.000	770.00	30 दिन
10	लखनऊ	दारूलषफा कम्पाउण्ड स्थित विधायक निवास–2 से बंगला नं0–7बी तक क्षतिग्रस्त वाटर सप्लाई पाइप लाइन को बदलने का कार्य, आवास को जोड़ने वाले क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को बदलने का कार्य एवं अन्य आवष्यक कार्य।	3.51	35100.00	770.00	30 दिन
11	लखनऊ	राजभवन कालोनी में टाइप–5 एवं टाइप–6 के आवासों में सिविल अनुरक्षण कार्य।	4.90	49000.00	770.00	30 दिन
12	लखनऊ	राजभवन कालोनी मे टाइप–5 के आवास सं0–2, 5 एवं 6 में आन्तरिक रंगाई पुताई का कार्य।	1.50	15000.00	680.00	30 दिन
13	लखनऊ	विकमादित्य मार्ग स्थित आवास सं0–3 में मुख्य भवन की छत से आ रही सीलन को रोकने हेतु छत पर वाटर प्रूफिंग करना, मुख्य भवन के सभी दरवाजों/खिड़कियों में पालिष करना, क्षतिग्रस्त कोटा स्टोन की मरम्मत व पालिष करना/मुख्य भवन में दीमक रोधी उपचार करना व अन्य आवष्यक विभिन्न मरम्मती कार्य।	7.90	79000.00	860.00	30 दिन
		(द्वितीय बार निविदा आमंत्रण हेतु कार्य।)				
14	लखनऊ	राजभवन कालोनी स्थित आवास सं0–7 टाइप–6 में क्षतिग्रस्त इन्डुरा टाइल्स के स्थान पर कोटा स्टोन लगाने का कार्य, आवास के बाहरी सतह का सुधारीकरण कर रंगाई–पुताई का कार्य व छत पर लोहे सीढ़ी लगाने का कार्य स्टाफ रूम की छत पर वाटर प्रूफिंग करने का कार्य एवं अन्य आवष्यक मरम्मती कार्य।	7.59	75900.00	860.00	30 दिन

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 10.01.2026 से 15.01.2026 तक उपलब्ध है जो दिनांक 15.01.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक निविदादाता द्वारा सबमिट/अपलोड किये जा सकते है। इसकी निविदा दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी दिनांक 10.01.2026 से वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 243641 दिनांक: 07/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिषासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड–2 (सिविल),
लो0नि0वि0, लखनऊ
ई–मेल : maintenancedivision2pwd@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

भारतीय रेल विद्या फेलोशिप के लिए हुआ अंकिता का चयन

कुशीनगर, अमृत विचार : कुशीनगर जनपद के हाटा नगरपालिका के वार्ड नं 11, पटनी अरुण बरनवाल की पुत्री अंकिता बरनवाल का चयन भारत रेल विद्या फेलोशिप के लिए हुआ है। वर्तमान में अंकिता बरनवाल इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। उनके इस चयन से परिजनों सहित क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। भारत रेल विद्या फेलोशिप का संचालन रैग ड्रीम वीवर्स असोसिएशन द्वारा किया जा रहा है जो शिक्षा और बाल विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्देश्य रेलवे ट्रैक से जुड़े जोखिम भरे वातावरण में रहने वाले बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। यह फेलोशिप देश के कई प्रमुख शहरों में संचालित की जा रही है। प्रयागराज से अंकिता बरनवाल का चयन होना हटा नगर पालिका क्षेत्र सहित जिले के लिए गर्व की बात है इस उपलब्धि पर अंकित के भाई विश्व हिंदू महासंघ के जिला उपाध्यक्ष प्रतीक बरनवाल ने कहा कि यह चयन समाजसेवा और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंकिता बरनवाल।

कारी अकबर अली बने पीस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष

संतकबीरनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय एकता भवन धौरहरा में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में पीस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अय्यूब सर्जन ने कारी अकबर अली को संतकबीरनगर जनपद का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया।

मुठभेड़ में दो गो-तस्कर गिरफ्तार

दोनों के पैर में लगी गोली, तीन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

जिला संवाददाता,संतकबीरनगर

अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के रक्सा कलां गांव के बाग में मौजूद दो गो-तस्करों को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जबकि तीन आरोपी तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से दो तमंचा, कारतूस, 100 किलोग्राम गोमांस, तराजू और बाट आदि बरामद किया। देर शाम दोनों आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। एसपी संदीप कुमार मीना ने जिला अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

दुधारा पुलिस को बीती देर रात रक्सा कलां गांव के पास बगीचे में कुछ लोगों द्वारा प्रतिबंधित मांस के काटने की सूचना मिली। प्रभारी निरीक्षक दुधारा अरविंद शर्मा, एसओजी प्रभारी अजय कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक धनघटा जयप्रकाश दुबे के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम ने अलसुबह करीब 4:30 बजे घेराबंदी शुरू किया। इसी बीच आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एकलाख (50) निवासी कथकपुरवा थाना रुदौली जनपद बस्ती व अलाउद्दीन उर्फ कोईल (28) निवासी रक्साकला थाना दुधारा के पैर में गोली लगी है। दोनों अभियुक्त को सेमरियावां अस्पताल ले गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों के पास एक-एक 315 बोर का अवैध तमंचा, एक-एक जिंदा कारतूस, एक-एक खोखा, एक-एक नाजायज चाकू बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 100 किलो प्रतिबंधित मांस, मांस को रख कर काटने वाला ठेहा, तराजू बाट और रस्सी बरामद हुआ है। मुठभेड़ के दौरान तीन गो-तस्कर रात के अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गए। वहीं, फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किया। जबकि, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, सीओ सदर अमित कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया।

> फरार तीनों गो-तस्करों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दिया गया है। जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों शाम को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।
> -संदीप कुमार मीना, एसपी

आवासीय विद्यालय में प्रवेश को मांगे आवेदन

कुशीनगर, अमृत विचार : उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय, पिपरा सहजनवा, जनपद गोरखपुर में शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए कक्षा 6 एवं कक्षा 9 में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाना है प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बालक/बालिकाओं तथा कोविड अवधि में अनाथ हुए बालक/बालिकाओं से 01 जनवरी से 31 जनवरी तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट अथवा अटल आवासीय विद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र के साथ समस्त आवश्यक अभिलेख संलग्न कर जिला श्रम कार्यालय, कुशीनगर में जमा करना अनिवार्य होगा।

किशोरी के साथ युवक ने किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुलासा

- दो माह पूर्व छठ पर्व के दौरान दो नाबालिग बेटियों को घर पर छोड़ बहन के घर गई थी महिला
- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर शुरू की जांच-पड़ताल

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र की 15 वर्षीय किशोरी को फुसलाकर युवक ने दुष्कर्म किया। किशोरी के गर्भवती होने पर परिजनों को जानकारी हुई। पूछताछ में पीड़िता ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। पीड़ित मां की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पीड़िता की मां के अनुसार वह थाना खलीलाबाद क्षेत्र की निवासी है और लगभग दो माह पूर्व छठ पर्व के दौरान अपनी बहन के घर रामगढ़ गई थी। घर पर उसकी दो बेटियां मौजूद थीं, जिनमें से एक की उम्र करीब 15 वर्ष है। आरोप है कि इसी दौरान कस्बा मगहर के मोहल्ला मोहनलालपुर निवासी आलोक साहनी ने बेटी को फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तबीयत 26 दिसंबर को अचानक खराब हो गई और उसे उल्टियां होने लगीं। पूछताछ करने पर बेटी ने पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों ने उसका इलाज कराया और अल्ट्रासाउंड भी कराया गया। जांच रिपोर्ट के बाद उसके गर्भवती होने की जानकारी मिली। कोतवाल पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द आरोपियों गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

वसूली व मारपीट के आरोपी को दबोचा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर मीरा चौहान मय टीम द्वारा गुरुवार को थाना स्थानीय पर पंजीकृत एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अभियुक्त को जोगिया चौराहा से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त राममोहन उर्फ मोहन यादव पुत्र ओम प्रकाश निवासी जोगिया थाना जोगिया उदयपुर जनपद है।

बच्चों की उपस्थिति ड्रेस, जूता मोजा में सुनिश्चित कराई जाए

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि जूता मोजा ड्रेस की धनराशि डीबीटी के माध्यम से भुगतान हो गया है अभिभावकों के साथ बैठक कर ड्रेस, जूता मोजा आदि खरीदने हेतु प्रेरित करें। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति ड्रेस, जूता मोजा में सुनिश्चित करायें। निपुण लक्ष्य के लिए जारी गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित करायें। प्रथम चरण में स्वीकृत मुख्यमंत्री मॉडल एवं अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्य में प्रगति लायें। 83 विद्यालयों के पुनर्निमाण के सापेक्ष 79 पूर्ण हो गये हैं कार्यदायी संस्था को शेष 04 विद्यालयों के निर्माण कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पुर्ननिर्माण दिव्यांग शौचलय के निर्माण कार्य की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जो कार्य शुरू नही हुआ है उसे शीघ्र शुरू कराकर पूर्ण करायें तथा जो कार्य पूर्ण हो गये हैं उसे हैण्ड ओवर करायें।

समय से उपलब्ध कराएं पोषाहार : डीएम

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

बैठक में निर्देश देते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेंस समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने डीपीओ एवं डीसी एनआरएलएम को संयुक्त रूप से टीएचआर प्लान्ट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। टीएचआर प्लांट द्वारा जो पोषाहार का उत्पादन किया गया है उसको सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर समय से उपलब्ध करायें जिससे लाभार्थियों को समय से पोषाहार का वितरण हो सके। लाभार्थियों का फेस वेरीफिकेशन शतप्रतिशत पूर्ण करायें तथा सभी लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण करायें। डीएम ने टेक होम राशन वितरण में 50 प्रतिशत प्रगति वाले सीडीपीओ का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त सीडीपीओ को आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के साथ जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की प्रगति कम हैं उनकी मानीटरिंग करने तथा निरीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बच्चों का वजन कराने तथा पोषण ट्रैकर पर अपलोड कराने का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं एवं बच्चों में पुष्टाहार का वितरण कराने का निर्देश दिया। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सुपरवाइजर/आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला स्वच्छता समिति की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित स्वच्छता अभियानों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त अभियान तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कूड़ा निस्तारण, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों के निर्माण, रखरखाव तथा उनकी नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा जनआंदोलन है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अनिवार्य है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं सामुदायिक स्थलों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपेक्षा की कि अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत को आदर्श स्वच्छ ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु निरंतर प्रयास करें।

जिलाध्यक्ष पद पर विजय की चौथी बार जीत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) जिला इकाई के द्विवार्षिक अधिवेशन एवं जिला कार्यकारिणी के चुनाव में सर्वसम्मति से नई जिला कमेटी का गठन किया गया। इस मौके पर सभी ने चौथी बार पुनः जिलाध्यक्ष पद पर विजय पासवान पर विश्वास जताया। जबकि जिला मंत्री पद पर रणजीत कुमार को निर्विरोध चुना गया। कार्यकारिणी गठन के बाद सभी ने अपने-अपने दायित्वों, कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहित में कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया गया।

सीएमओ कार्यालय के एएनएम प्रशिक्षण हाल में चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) जिला इकाई के द्विवार्षिक अधिवेशन एवं जिला कार्यकारिणी के चुनाव में सीएमओ की ओर से नामित चुनाव पर्यवेक्षक डॉ. आशीष अग्रहिर समेत विभिन्न कर्मचारी संगठनों के जिला स्तरीय पदाधिकारी वाईके द्विवेदी, डॉ. वाईपी यादव, डॉ. गोविंद ओझा, मुरार सिंह, सुरेंद्र जाटव, भगौती प्रसाद, पृथ्वीराज यादव, चंद्र प्रकाश, हरेराम लाल श्रीवास्तव, तनवीर अहमद की उपस्थिति में चुनाव प्रक्रिया पूरी करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया गया।

मानदेय संबंधी बिल समय से बीएसए दफ्तर में न पहुंचने पर आक्रोश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षा मित्रों के मानदेय संबंधी बिल समय से बीएसए दफ्तर में न पहुंचने को लेकर आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन की जिला इकाई के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया है। सभी बीईओ पर पूर्व बीएसए के समय से बिल प्रस्तुत करने संबंधी निर्देश को भी हवा-हवाई में लेने का आरोप लगाया है। मानदेय प्रपत्र समय से न पहुंचने पर संबंधित बीआरसी पर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार शुक्ला ने बताया कि बजट की उपलब्धता के बाद भी शिक्षा मित्रों का मानदेय भुगतान समय से नहीं मिल पा रहा है।

माघ मेला विशेष गाड़ियां रहेंगी निरस्त

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से माघ मेला के अवसर पर चलने वाली कुछ मेला विशेष गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। इन गाड़ियों में 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी मेला विशेष गाड़ी, 05109 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, 05110 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी, 05112 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, 05111 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, 05113 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, 05114 प्रयागराज रामबाग-छपरा मेला विशेष गाड़ी, 05005 छपरा-झूसी मेला विशेष गाड़ी, 05006 झूसी-छपरा मेला विशेष गाड़ी, 05002 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, 05001 झूसी- गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, 05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान- भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। 05104 झूसी- बनारस मेला विशेष गाड़ी, 05103 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत ग्राम भैसहिया टोला भड़रिया में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया। मिशन शक्ति व बहू/बेटी सम्मेलन के सम्बन्ध में सार्वजनिक स्थानों पर सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। मिशन शक्ति फेज 5 .0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एन्टीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जानकारी दी गई।

मंडल रेल प्रबन्धक लखनऊ ने किया औचक निरीक्षण, परखी सतर्कता

गोरखपुर, अमृत विचार। भारतीय रेल पर संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। शीतकाल के दौरान रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन निरन्तर सतर्क और सक्रिय है। अधिकारियों द्वारा औचक संरक्षा जांच किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंडल रेल प्रबन्धक लखनऊ गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिये 7/8 जनवरी की मध्य रात्रि में गोरखपुर-आनन्दनगर रेल खण्ड पर समपार संख्या 11-सी एवं 13-सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन के सतर्कता की जांच की तथा कर्मचारियों से सुरक्षित टेन परिचालन के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। जांच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाये गये। श्री अग्रवाल ने कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये तथा विशेष रूप से शीतकाल में कोहरे की स्थिति में अधिक सतर्कता बरतने पर बल दिया। इस दौरान अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन श्रीमती नीतू एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय श्री गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे।

रेल कर्मियों से जानकारी लेते मंडल रेल प्रबन्धक लखनऊ गौरव अग्रवाल।

निरीक्षण | महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 12555 का किया ऑन बोर्ड निरीक्षण

लिनेन की अच्छे ढंग हो साफ-सफाई व रखरखाव

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने गुरुवार को को 12555 गोरखपुर-बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान ट्रेन का ऑन बोर्ड निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों को दी जा रही लिनेन का अवलोकन कर साफ-सफाई तथा रख-रखाव का निरीक्षण किया। कोच अटेंडेंट को लिनेन के बेहतर रख-रखाव को निर्देशित किया।

महाप्रबंधक ने ट्रेन टिकट परीक्षकों से हैण्ड हेल्ड मशीन की कार्य प्रणाली तथा इससे इनके कार्यों में आये बदलाव के बारे में चर्चा की। प्रसाधनों का गहन निरीक्षण कर जलापूर्ति तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओबीएचएस) के कर्मचारियों की आईडी चेक की। उन्हें कोचों सहित प्रसाधनों एवं स्नैक्स टेबल को नियमित अन्तराल पर साफ करने के लिए निर्देशित किया। महाप्रबंधक ने फायर एवं स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का भी निरीक्षण किया तथा इसके लिए ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस.) के कर्मचारियों को प्रशिक्षि करने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होने यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

गोरखधाम एक्सप्रेस का ऑन बोर्ड निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक।

70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार वितरण आज

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेलवे संगठन में उनके अनुकरणीय सेवा और उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए 100 समर्पित कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने जा रहा है। पुरस्कार समारोह 9 जनवरी को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव चयनित रेलकर्मियों को पुरस्कार प्रदान करेंगे। समारोह में रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना भी मौजूद रहेंगे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र पंकज वर्मा व उसकी पत्नी सोनम वर्मा को उनके खराब आचरण व लड़ाई झगड़ा करने के कारण समाज में मेरी छवि धूमिल हो रही है जिस कारण मैं उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करते हुए उन दोनों को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य व लेन देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। रामधनी पुत्र स्व0 रामशरण वर्मा निवासी- सूरामऊ, फरीदी नगर, सीमैप, लखनऊ- 226015

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम 'आर्यांश सिंह' (ARYANSH SINGH) पुत्र-जनार्दन सिंह है, जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0 957106056773 में उसका नाम 'अंश सिंह' (ANSH SINGH) अंकित हो गया है, जो कि उसका घरेलू नाम है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम आर्यांश सिंह (ARYANSH SINGH) पुत्र-जनार्दन सिंह के नाम से जाना पहचाना जाए। एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है, कि उपरोक्त सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं। (जनार्दन सिंह) पता - H.NO.-D-143/7 इंदिरा नगर कालोनी (सेक्टर-7) डी. ब्लॉक लखनऊ उ0प्र0- 226016

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। क्र.स. 1:- निविदा सं0: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-186, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में विभिन्न इंजीनियरिंग सीटीआर, टीबीआर, टीआरआर, टीएफआर, एफएससीएमएस-टीडब्ल्यूएस-एसईजेल्यूड ज्वाइंट नवीकरण और/को (ओ एंड आर) डीएफसब्ल्यू हटाने के लखनऊ मंडल में बांड का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 1,60,66,166.99, बयाना राशि: ₹ 2,30,300.00, निविदा मूल्य-0.00, कार्य सम्पादन की अवधि-12 माह। ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समय: 10.02.2026 व 15.00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि व समय: 10.02.2026 व 15.30 बजे।
नोट- 1. इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। 2. विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की बेवसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें।
वरि0मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, मुजाधि/विद्युत-243 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

सूचना
मैने अपना नाम MOHD FIRDAUS से बदलकर MOHAMMAD FIRDAUS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MOHAMMAD IKBAL ADD-MAJHIYAWAN, USMANPUR, SIDDHAUR, POST-USMANPUR DIST-BARABANKI-225120(U.P.)

सूचना
मेरी हाईस्कूल वर्ष 1999 अनुक्रमांक 0814960 की अंक तालिका व प्रमाण पत्र वास्तव में खो गए हैं। कुमारी सोनी पुत्री मुहम्मद यासीन खान कबीर नगर रसूलाबाद कानपुर देहात

सूचना
मैं कन्हैया लाल वर्मा पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम बक्सया खेड़ा मजरा थरी पोस्ट नवीपनाह परगना व तहसील मलिहाबाद, जनपद लखनऊ, मेरे पुत्र विनय मौर्या का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा नहीं है पुत्र के गलत आचरण व चाल-चलन से मैं अत्यधिक शारीरिक व मानसिक तौर पर पीड़ित रहता हूं उपरोक्त के गलत व्यवहार एवं आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं तथा आज से मेरा मेरे पुत्र से कोई वास्ता सरोकार, रिश्ता, लेन-देन आदि नहीं रहा। उक्त पुत्र के समस्त क्रिया कलापों एवं खराब आचरण, लेन-देन कर्ज आदि के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरा उससे कोई लेना-देना न है न भविष्य में रहेगा।

सूचना
मैं, फरहान मिर्जा पुत्र मो0 इशहाक मिर्जा निवासी-56 डी, डिफेन्स कालोनी, जाजमऊ, शिवान टेनरी जाजमऊ, कानपुर नगर, 208010 उ0प्र0 का निवासी हूँ तथा मैने अपना नाम बदल लिया है, तथा आज से भविष्य में मो0 फरहान मिर्जा पुत्र मो0 इशहाक मिर्जा के नाम से जाना व पहचाना जाऊंगा।

सूचना
मैने अपना नाम SYED AZIZUL HASAN RIZVI उर्फ AZEEZ व SYED AZIZUL HASAN RIZVI से बदलकर AZIZUL HASAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-BAHADUR HASAN R/0-392/8 CHHOTE SAHAB ALAM ROAD SAADATGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम (NIJAMUDADIN) से बदलकर (NIZAMUDDIN) कर लिया है। भविष्य में मुझे NIZAMUDDIN S/o ASHRAF ALI के नाम से जाना व पहचाना जाए। पता ग्राम व पोस्ट मुस्तफाबाद जरवल कस्बा बहराइच उत्तर प्रदेश।

सूचना
मेरे हाई स्कूल वर्ष 2020 रोल नंबर 1202923 और इंटर वर्ष 2022 रोल नंबर 22 589 7640 दोनों के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गए हैं। फैजान अहमद पुत्र अब्दुल खलील निवासी कृष्णा नगर लालगंज रायबरेली।

सूचना
मैने अपना नाम JUNAID से बदलकर MOHAMMAD JUNAID MANSOORI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MOHAMMAD JABIR ADD-190/516/44, AMAN VIHAR 10 NUMBER GALI CAMPWELL ROAD, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना
मैं राम गोपाल गुप्ता पुत्र रघुवीर प्रसाद गुप्ता, निवासी- 810, नागमती गली बिन्दकी, फतेहपुर उ0प्र0, मेरा वास्तविक एलाटमेन्ट लेटर जिसका (प्लाट नं0 – A-013) है स्थित –साउथ सिटी रतनाकर खण्ड, शारदा नगर योजना रायबरेली रोड लखनऊ जो वास्तव में कहीं खो गया है। जिसका प्रयोग अवैध होगा।

सूचना
पहले मेरा नाम SARWAR HUSAIN था अब मैने बदलकर अपना नाम ZAFAR MEHDI रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- AKHTAR HUSAIN R/O- 109, MOHALLA GADAYAN AKBARPUR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना
मेरा नाम आधार कार्ड पर त्रुटिवश संतोषी बिष्ट व जन्म तिथि 21/05/1967 अंकित हो गयी है जबकि मेरे पेन्शन बुक संख्या– SCORR /073587/2003 में मेरा नाम संतोषी देवी व जन्म तिथि–14/04/1964 अंकित है जो सत्य एवं सही है। मेरा सही नाम संतोषी देवी व सही जन्म तिथि 14/04/1964 सभी दस्तावेजों में दर्ज किया जाये– **संतोषी देवी पत्नी स्व0 धरमदेव सिंह बिष्ट नि0– सी–13 रिंग रोड़, कल्याणपुर वेस्ट, लखनऊ– 226022**

सूचना
मेरी रिलायंस पालिसी स0–9399751 में त्रुटिवश मेरा नाम मुहम्मद शरीफ अंसारी (MOHAMD SARIF ANSARI) व जन्म तिथि 01–01–1974 दर्ज हो गयी है। जबकि मेरा सही नाम मुहम्मद शरीफ अंसारी (MOHD SHARIF ANSARI) एवं सही जन्म तिथि 08/06/1978 है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड आदि में दर्ज है। अतः मेरी उक्त पालिसी में संशोधन कर मेरा सही नाम व सही जन्म तिथि लिखी व पढ़ी जाये। **पिता-अली जान पता-ग्राम-सरया पोस्ट-सरया पडरौना जिला-कुशीनगर (उ0प्र0) पिन-274304**

मैं नाज बानो पत्नी श्री सैय्यद अहमद रज़ा रिज़वी नि0 450/ 147/ 1 मुफ्ती गंज–3, काले की गली थाना ठाकुरगंज, लखनऊ। कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम सैय्यद नाज़ बानो है तथा अन्य दस्तावेजों में नाज़ बानो अंकित है। सूचित हो कि सैय्यद नाज बानो व नाज़ बानो एक ही सदस्य के नाम है। तथा मुझे भविष्य में नाज़ बानो के नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपनी पुत्री आन्या मिश्रा (Aanya Mishra) के नाम से बर्थ सर्टिफिकेट बनवाया था। जबकि स्कूल में मेरी पुत्री का नया नाम धार्वी मिश्रा (Dharvi Mishra) है। अतः मेरी पुत्री के उसके पुराने नाम आन्या मिश्रा (Aanya Mishra) के स्थान पर बर्थ सर्टिफिकेट में नया नाम धार्वी मिश्रा (Dharvi Mishra) अंकित किया जाये साथ ही अन्य सरकारी दस्तावेजों में भी संशोधित किया जाए। **आदित्य नाथ मिश्रा निवासी–85/011, (85/004), विश्वकर्मा मन्दिर लेन, कटरा मकबूलगंज, लखनऊ, उ0प्र0–226018**

सूचना
मैं **रामू यादव पुत्र शिवदत्त यादव निवासी ग्राम नारायनपुर मजरे मोन परगना सेमरौता ब्लाक, तहसील महराजगंज जिला रायबरेली** का निवासी हूं। वर्तमान में ए–36 अम्बेडकर नगर बस्ती आर के पुरम सेक्टर 1 दक्षिण पश्चिमी दिल्ली में रह रहा हूं। मेरा भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा रायबरेली में पालिसी संख्या 217209274 में नाम राम समुझ अंकित है। मुझे रामू यादव और राम समुझ यादव दोनों नामों से जाना जाता है। दोनों नाम मेरे ही हैं।

सूचना
मै **सूफिया आयु 60 वर्ष पत्नी स्व0 सिफात अली निवासिनी–वार्ड नं0–02, नगर पंचायत, महोना / कटरा, अहमदपुर खेड़ा, इटौंजा, जनपद–लखनऊ,** मैने अपने पुत्र रेहान हाशमी से जिसका चाल–चलन ठीक नहीं है। यदि रेहान हाशमी द्वारा भी कोई गैर–कानूनी कार्य किया जाता है या किसी भी प्रकार की लेनदारी देनदारी की जाती है, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं रेहान हाशमी की होगी, जिसका मेरा व मेरे परिवार से उससे कोई लेना–देना नहीं होगा। मै अपने पुत्र रेहान हाशमी से अपने सारे सम्बंध विच्छेद करती हूं, तथा सम्पूर्ण चल एवं अचल सम्पत्ति से पूर्ण से बेदखल करती हूं।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
खुली निविदा नोटिस का प्रथम संशोधन
खुली निविदा सूचना सं. टीआरडी–20 सीनि०डी०ई०ई०– लखनऊ –25 दिनांकः 31.12.2025 में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:

1.	ई निविदा सूचना संख्या	टीआरडी–20–सीनि० डी०ई०ई०– लखनऊ–25
2.	कार्य का नाम	फाफामऊ स्टेशन पर लाइन संख्या 4 और 5 के दोनों सिरों पर ट्रैक और टर्न आउट में गड़बड़ी को ठीक करने के कारण ओएचई का संशोधन कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रू. 47,13,101.91
4.	बयाना राशि	रू. 94,300.00/-
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
6.	निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 30.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7.	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9.	पत्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: निविदाकर्ता अपने ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के **वैध** लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोटः इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।
सं०: टीआरडी–20–सीनि०डी०ई०ई०–लखनऊ–25 दिनाँक 31.12.2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 79/26

ममता ने संविधान को तार-तार कर दिया : भाजपा | दस्तावेज ले जा रहे थे, मैं वापस ले आई : ममता

कहा- ईडी की जांच को रोकना भ्रष्टाचार के तार उनसे जुड़े होने का प्रमाण

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोयला तस्करी मामले में ईडी की जांच में बाधा डाली और ऐसे सबूतों को अपने साथ ले गईं जो जांचकर्ताओं को उनकी दहलीज तक पहुंचा सकते थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ममता बनर्जी के आचरण को एक मुख्यमंत्री के लिए अति अशोभनीय करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता ने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए संविधान को तार-तार कर दिया है।

ईडी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन मामले में छापेमारी के दौरान कोलकाता में आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में दाखिल हुईं और दस्तावेजों तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित अहम सबूत साथ ले गईं। पूनावाला ने पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने छापे के दौरान बाधा उत्पन्न की और कुछ महत्वपूर्ण सबूत, जिनमें कुछ फाइलें भी शामिल थीं, चुरा लिए। उन्होंने आरोप लगाया, यह दर्शाता है कि इस कोयला घोटाले का पूरा संबंध सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी से है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, तृणमूल घोर भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई है। इसकी सरकार बलात्कारियों, भ्रष्टाचारियों और घुसपैठियों को संरक्षण देती है। भाजपा में पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि इस घटना पर ईडी का बयान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के लिए एक गंभीर आरोप है। उन्होंने आरोप लगाया, यह बेहद शर्मनाक है कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री कानून का पालन करने के बजाय कोयला तस्करी और धनशोधन में संलिप्त एक एजेंसी को बचाने के लिए इस तरह हस्तक्षेप करे। यह सत्ता का दुरुपयोग है।

मुख्यमंत्री ने कहा- प्रधानमंत्री को अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखना चाहिए

कोलकाता। ईडी के छापे के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेज, हार्ड डिस्क और चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डेटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। ममता ने कहा, उन्होंने इन दस्तावेजों को वापस ले लिया है।

ममता ने कहा कि मेरे आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रतीक जैन के आवास और कार्यालयों पर छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। ममता ने पत्रकारों से कहा, ईडी ने मेरे आईटी सेल के आवास और कार्यालयों पर छापा मारा और मेरे आईटी सेल के प्रभारी के आवास की तलाशी ली। वे मेरी पार्टी के दस्तावेज और हार्ड डिस्क जब्त कर रहे थे, जिनमें विधानसभा चुनाव के लिए हमारी पार्टी के उम्मीदवारों का विवरण था। मैंने इन्हें वापस ले लिया है। उन्होंने पूछा, क्या राजनीतिक दलों का डेटा एकत्र करना ईडी का काम है। तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक परामर्श के अलावा आई-पैक पार्टी के आईटी और मीडिया प्रकोष्ठ का भी कामकाज संभालती है। भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए बनर्जी ने इन तलाश अभियानों को बदले की राजनीति' बताया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ममता ने कहा, यह कानून का पालन नहीं है। उन्होंने सवाल किया, यही तरीका है उन सबसे सख्त गृह मंत्री के काम करने का, जिन पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खेद है, अमित शाह जी, प्रधानमंत्री को अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखना चाहिए। आरोप लगाया कि छापेमारी सुबह लगभग छह बजे तब शुरू हुई जब कार्यालय में कोई मौजूद नहीं था।

वर्ल्ड ब्रीफ

दागी अभ्यर्थियों की विवरण वाली सूची दे एसएससी : अदालत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को निर्देश दिया है कि वह 1,806 दागी अभ्यर्थियों से संबंधित अतिरिक्त विवरणों के साथ नई रिपोर्ट दे। दागी उम्मीदवार उन 25,753 स्कूल नियुक्तियों में हैं, जिनकी नौकरियां उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद रद्द कर दी गई थीं। एसएससी की रिपोर्ट पर न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि सूची में उम्मीदवारों का रोल नंबर, नाम, विषय, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि तो है, लेकिन उस श्रेणी का खुलासा नहीं है जिसके लिए उनको दागी पाया गया है। उस स्कूल और जिले का विवरण भी सार्वजनिक नहीं किया गया जहां उम्मीदवार को 2016 की पहली स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा में नियुक्त किया गया था।

कर्नाटक के कारोबारी को ठाणे में बंधक बनाकर दो करोड़ लूटे

ठाणे। कर्नाटक के एक व्यवसायी की फर्म में निवेश का वादा करके उन्हें महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुलाने और उन्हें कई होटलों में बंधक बनाकर बंदूक दिखाकर दो करोड़ रुपये से अधिक लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 15 से 18 दिसंबर, 2025 के बीच हुई थी और मामले के मुख्य आरोपी, ठाणे के मानपाड़ा निवासी अंकित बापू थोम्बे (40) को छह जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। एसीपी (अपराध) मदन बल्लाल ने कहा कि पीड़ित की पहचान शामंतकुमार शादक शारप्पा कार्दर (31) के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के शिमोगा के एक व्यवसायी हैं।

बंगाल के राज्यपाल को जान से मारने की धमकी, पुलिस अलर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को बृहस्पतिवार रात एक ईमेल के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लोक भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को उड़ा देने की धमकी दी। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी दिया है। हमने डीजीपी को सूचित कर दिया है और उनसे उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट का भ्रष्टाचार मामलों में प्राथमिकी खारिज करने का फैसला रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने बताया न्याय का उपहास, इन मामलों में हाईकोर्ट में सुनवाई पर रोक भी लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें भ्रष्टाचार के मामलों में दर्ज कुछ प्राथमिकियां अमान्य घोषित कर दी गई थीं। शीर्ष अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने प्राथमिकी रद्द कराने की अनावश्यक जहमत उठाई। हाईकोर्ट के दृष्टिकोण को न्याय का उपहास करार देते हुए न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट इन मामलों में दर्ज प्राथमिकी या लंबित जांच को चुनौती देने वाली किसी भी नई याचिका पर अब सुनवाई नहीं करेगा।

राज्य की एसीबी और अन्य की अपील पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह कदम केवल प्राथमिकी दर्ज करने वाले थाने के क्षेत्राधिकार के मुद्दे पर उठाया। अपीलकर्ताओं ने हाईकोर्ट के अगस्त 2025 के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि वह ऐसे मामलों से निपट रही है जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए दर्ज प्राथमिकियों को रद्द कर दिया गया था, फलस्वरूप कुछ मामलों में जांच शुरू होने से पहले ही रुक गई, जबकि अन्य में, आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो गई। पीठ ने कहा, हमारे सुविचारित मत में हाईकोर्ट का दृष्टिकोण न्याय का उपहास मात्र है। यदि अत्यधिक तकनीकी आधार पर प्राथमिकी को रद्द किया जाता है तो हाईकोर्ट का

दायित्व है कि वह उस अधिकार क्षेत्र के संबंध में कानून स्पष्ट करे, जो अन्यथा अस्तित्व में है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दंडनीय अपराधों के लिए 2016 एवं 2020 के बीच एसीबी के विजयवाड़ा थाने में कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं। इन प्राथमिकियों को आरोपियों द्वारा मुख्य रूप से इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि एसीबी, केंद्रीय जांच इकाई, आंध्र प्रदेश, विजयवाड़ा थाने को सीआरपीसी की धारा दो के तहत पुलिस थाने के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया था और इसलिए प्राथमिकी दर्ज करने का अधिकार क्षेत्र उसके पास नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट का यह तर्क कि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 2(एस) के उचित अनुपालन के लिए अधिसूचना के माध्यम से घोषणा को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया जाना आवश्यक है, कम से कम अस्वीकार्य है। हमें इसके सार और भावना के अनुरूप उचित अनुपालन को देखना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में चलाया गया सोनम वांगचुक के भाषण का वीडियो, अब सोमवार को होगी आगे की सुनवाई

नई दिल्ली। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उनके पति के भाषण का मकसद हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि उसे खत्म कराना था। उन्हें अपराधी दिखाने के लिए तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। गीतांजलि ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया कि वांगचुक को उनकी हिरासत के पूरे आधार नहीं बताए गए और उन्हें हिरासत के खिलाफ संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का सही मौका नहीं दिया गया। हालांकि मामले में सुनवाई पूरी नहीं हो पाई और 12 जनवरी को जारी रहेगी।

- पत्नी ने कहा- भाषण हिंसा फैलाने के लिए नहीं, खत्म करने लिए था

गीतांजलि की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ के समक्ष वांगचुक के भाषण का वीडियो चलाते हुए कहा कि वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त करते समय यह भाषण दिया था। उन्होंने कहा, मैंने कहा कि मैं इस हिंसा को स्वीकार नहीं कर सकता, और हमें इस हिंसा को रोकना चाहिए, और मैं आपसे इस हिंसा को रोकने की अपील कर रहा हूं। यही वह वीडियो था जो मैं आपके सामने चलाना चाहता था। आपको याद होगा कि चौरी-चौरा घटना के बाद जब हिंसा हुई थी तो गांधीजी ने भी ऐसा ही किया था। सिब्बल ने कहा कि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है ताकि वांगचुक को अपराधी दिखाया जा सके।

एसआईआर पर 13 को सुनवाई करेगी अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एसआईआर संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी। पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी।

जेकेसीए चुनाव पर रोक : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के चल रहे चुनावों पर बीसीसीआई की एक उप-समिति के सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी, आदेशों की बैक-डेटिंग और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर के आरोपों के परिप्रेक्ष्य में रोक लगा दी।

जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली जस्टिस वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा तथा संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान, रोहतगी और लूथरा ने संसदीय समिति के गठन में अपनाई गई प्रक्रिया पर सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ही किसी न्यायाधीश को पद से हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने के हकदार हैं। मेहता ने संसदीय समिति के गठन का बचाव करते हुए कहा कि यदि प्रस्ताव दोनों सदनों में स्वीकार कर लिया गया है, तो जांच समिति का संयुक्त रूप से गठन लोकसभा अध्यक्ष और सभापति द्वारा किया जाएगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है।

'चैंपियन ऑफ द अर्थ' से सम्मानित पर्यावरणविद् डॉ. गाडगिल नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

- कई दिन से थे बीमार, 83 की उम्र में पुणे के अस्पताल में ली अंतिम सांस

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के तहत सेंटर फॉर इकोलॉजिकल साइंसेज की स्थापना करने वाले जाने-माने पर्यावरणविद डॉ. माधव धनंजय गाडगिल का बुधवार रात पुणे के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। वह कुछ समय से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे जहां उन्होंने कल रात अंतिम सांस ली।

गाडगिल को 2024 में प्रतिष्ठित 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1981 में पद्मश्री और 2006 में पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने पश्चिमी घाट की जैव विविधता पर लंबे समय तक शोध किया। वह भारत के प्रधानमंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य और 2010 के पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल (डब्ल्यूजीईईपी) के प्रमुख थे, जिसे गाडगिल आयोग के नाम से जाना जाता है। उनकी पश्चिमी घाट पर गाडगिल आयोग के नाम से रिपोर्ट मशहूर है। गाडगिल ने विकास परियोजनाओं से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर गहन अध्ययन किया और कई किताबें लिखीं। दुनियाभर की पत्रिकाओं में सैकड़ों शोध आलेख भी लिखे।

दुनिया भर में जमाई अपने ज्ञान की धाक

पुणे में 24 मई, 1942 को जन्मे गाडगिल ने 1963 में पुणे विश्वविद्यालय के फर्ग्यूसन कॉलेज से जीव विज्ञान में स्नातक किया और 1965 में मुंबई विश्वविद्यालय से प्राणी विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की। गाडगिल को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में शामिल होने के लिए जाइल्स मीड ने प्रोत्साहित किया था, जो उस समय हार्वर्ड म्यूजियम ऑफ कम्पैरेटिव जूलॉजी में मछलियों के क्यूरेटर थे। गाडगिल ने विलियम बॉसरट के मार्गदर्शन में मैथमेटिकल इकोलॉजी और मछली के व्यवहार पर अपना डॉक्टरेट रिसर्च किया और 1969 में पीएचडी की डिग्री हासिल की। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (1991) और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले (1995) में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर भी काम किया। गाडगिल को 1998 में ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी के साइंस एंड टेक्नोलॉजी एडवाइजरी पैनल का चेयरमैन नियुक्त किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र के तहत एक एजेंसी है और वे 2002 तक इस पद पर रहे।

प्रोफेसर को थप्पड़ मारने वाली डूसू पदाधिकारी के 'अच्छे आचरण' पर रद्द किया निलंबन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने छात्र संघ की संयुक्त सचिव दीपिका झा का निलंबन रद्द कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दीपिका झा के अच्छे आचरण को कारण बताते हुए बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी दीपिका झा को डॉ. बीआर आंबेडकर कॉलेज परिसर में एक प्रोफेसर को थप्पड़ मारने के लिए दो महीने के लिए पद से निलंबित कर दिया गया था। यह निलंबन कुछ शर्तों के साथ एक समिति की सिफारिशों पर 14 नवंबर, 2025 को लगाया गया था। विश्वविद्यालय ने दीपिका झा के आचरण और व्यवहार को देखते हुए एक सप्ताह पहले निलंबन समाप्त कर दिया। आदेश में कहा गया, उनका निलंबन सात जनवरी से रद्द किया जाता है।

नौकरी घोटाले में ईडी का 6 राज्यों में छापे

नई दिल्ली। ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाला मामले में धनशोधन की जांच के तहत गुरुवार को छह राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि संगठित गिरोह पर एजेंसी की नजर है। ईडी का पटना कार्यालय बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान चला रहा है। शुरू में तो इस घोटाले का पता रेलवे के नाम पर चला, लेकिन जांच में मालूम हुआ कि इसमें वन विभाग, रेलवे भर्ती बोर्ड, इंडिया पोस्ट, आयकर विभाग, कुछ उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राजस्थान सचिवालय और अन्य समेत 40 से अधिक सरकारी संगठन और विभाग शामिल हैं।

आतिशी के वीडियो की फोरेंसिक जांच कराने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को विपक्ष की नेता आतिशी के गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान वाले वीडियो की फॉरेंसिक जांच के निर्देश दिए।

भाजपा ने आरोप लगाया कि मंगलवार को आतिशी ने गत वर्ष नवंबर में गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस पर हुए विशेष चर्चा के बाद उनके खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी की थी। गुप्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी आप दोनों की मांग के बाद वीडियो को फॉरेंसिक जांच को भेजा जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट 15 दिनों में पेश करने का आदेश दिया।

आतिशी ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदूषण पर

दिल्ली विधानसभा में हुआ हंगामा।

चर्चा से भाजपा के भागने और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विधानसभा में उनके विरोध पर बात कर रही थीं। उन्होंने भाजपा नेताओं के साझा किए वीडियो पर कहा था कि भाजपा ने गलत उपशीर्षक जोड़ा और उसमें गुरु तेग बहादुर का नाम डाल दिया। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक, विपक्ष के नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पोस्टर लेकर सदन के बीचोबीच आ गए, जिससे व्यवधान उत्पन्न हो गया।

साइबर ठगों को दिए 21,000 सिम वोडाफोन का अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों का गिरोह कर रहा था इस्तेमाल, सीबीआई जांच में खुला मामला

सीबीआई ने वोडाफोन के एक क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक को फर्जी तरीके से 21,000 से ज्यादा सिम कार्ड जारी करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इन सिम कार्ड इस्तेमाल साइबर अपराधियों का एक गिरोह बड़े पैमाने पर साइबर ठगी में करता था।

सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली में वोडाफोन के क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक बिनु विद्याधरन की भूमिका पिछले साल दिसंबर में दिल्ली-एनसीआर और चंडीगढ़ से सक्रिय एक साइबर अपराधी गिरोह की जांच के दौरान सामने आई थी। यह गिरोह भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों को बड़ी संख्या में एसएमएस सेवाएं प्रदान कर रहा था। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, आरोपी ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) के नियमों का उल्लंघन करते हुए लगभग 21,000 सिम कार्ड प्राप्त किए थे, जिनका उपयोग साइबर अपराध के सिलसिले में ठगी संदेश भेजने के लिए भेजने में किया जाता था।

इन सिम कार्डों को एक ऑनलाइन मंच से नियंत्रित किया जाता था और ऐसा करके समूह में संदेश भेजा जाता था। इन संदेशों में फर्जी ऋण, निवेश के अवसर और अन्य वित्तीय लाभों की पेशकश की जाती थी, जिसका उद्देश्य लोगों की व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी चुराना था। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि दूरसंचार सेवा प्रदाता के एक चैनल पार्टनर समेत तीन लोगों को दिसंबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। जांच के दौरान यह सामने आया कि विद्याधरन फर्जी व्यक्तियों को लॉर्ड महावीर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों के रूप में पेश करके और उनके दस्तावेजों को केवाईसी औपचारिकताओं के लिए जमा कराकर, बड़ी संख्या में फर्जी सिम कार्ड जारी करने में सक्रिय रूप से शामिल था।

गर्भावस्था जारी रखने के लिए पत्नी को मजबूर नहीं कर सकते: कोर्ट

कहा- ये अपने शरीर पर हक का उल्लंघन, मानसिक आघात बढ़ाने वाला

नयी दिल्ली, एजेंसी

14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराये मामले में महिला को बरी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने को मजबूर करना उसके अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम है। महिला अपने पति से अलग रह रही है।

वैवाहिक कलह की स्थिति में गर्भपात कराने के महिला के स्वायत्त अधिकार पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस मामले यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता पत्नी ने भादंसं की धारा 312 (गर्भपात कराना) के तहत अपराध किया है। न्यायाधीश ने कहा कि चयन की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वायत्तता का पहलू है और प्रजनन पर नियंत्रण सभी महिलाओं की बुनियादी आवश्यकता और अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि चिकित्सा गर्भपात अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के लिए गर्भपात वास्ते पति की

- 14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराए मामले में महिला को किया बरी

अनुमति लेना जरूरी नहीं है तथा इस कानून के मूल में महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाली गंभीर क्षति के प्रति सरोकार है। हाईकोर्ट ने छह जनवरी को अपने फैसले में कहा कि यदि कोई महिला गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती है, तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर करना अपने शरीर पर उसके अपने हक का उल्लंघन है और यह उसके मानसिक आघात को बढ़ाता है, जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। याचिकाकर्ता महिला ने सत्र अदालत के उस आदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उसे भादंसं की धारा 312 के तहत मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेशी के लिए तलब किये जाने पर मुहर लगाई गई थी।

उसने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रजनन स्वायत्तता की उसे जो गारंटी दी गई है उसे अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया है तथा निजता, शरीर पर खुद का अधिकार और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के उसके वैध इस्तेमाल की अनदेखी की गई है। पति ने तर्क दिया कि चूंकि गर्भपात की तारीख पर दंपति साथ रह रहे थे और उनके बीच कोई कलह नहीं थी, इसलिए एमटीपी अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक कलह को इस तरह से परिभाषित नहीं किया जा सकता कि यह केवल पक्षों के अलग होने और मुकदमेबाजी में जाने के बाद ही मौजूद हो। उसने कहा कि इस मामले में ओपीडी संबंधी कागजात में महिला ने जो कारण बताया है, वह दर्शाता है कि वह पहले से ही शादी के दबाव से गुजर रही थी और उसने पति से अलग होने का निर्णय ले लिया था।

मूल्यांकन | एडीआर ने 2014 से 2024 के बीच दोबारा चुने गए 102 सांसदों के बारे में जारी की रिपोर्ट

दस साल में दो से पांच गुना तक बढ़ गई सांसदों की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2014 और 2024 के बीच लोकसभा के लिए दोबारा चुने गए 102 सांसदों की संपत्ति में औसतन 100 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। किसी सांसद की संपत्ति दोगुना तो किसी की पांच गुना तक बढ़ी है।

जिन दस सांसदों की संपत्ति में सबसे ज़्यादा बढ़ोतरी हुई है, उनमें भाजपा के उदयनराजे भोंसले, पूनमबेन मादम, हेमा मालिनी और निशिकांत दुबे, वाईएसआरसीपी के पीवी मिधुन रेड्डी, शिरोमणि अकाली

दल की हरसिमरत कौर बादल, तृणमूल कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच दोबारा निर्वाचित हुए 102 सांसदों की संपत्ति में औसतन 17.36 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग 110 प्रतिशत की वृद्धि है।

भोंसले की संपत्ति में 268 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वह 2014 और 2019 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सांसद थे और 2024 में महाराष्ट्र के सतारा से भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुने गए। साल 2014 में उनके पास 60 करोड़ रुपये की संपत्ति थी जो 2019 में बढ़कर 199 करोड़ रुपये हो गई और 2024 में बढ़कर 223 करोड़ रुपये हो गई। यानी कुल 160 करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। गुजरात के जामनगर से भाजपा सांसद मादम की संपत्ति में 130 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और 2024 में उनकी संपत्ति 147 करोड़ रुपये हो गई जो 2014 से 747 प्रतिशत ज़्यादा है, जब उन्होंने 17 करोड़ रुपये की संपत्ति की घोषणा की थी।

राजमपेट सीट से वाईएसआरसीपी के पी वी मिधुन रेड्डी की संपत्ति 2014 में 22.59 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 124.25 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि अभिनेत्री सांसद हेमा मालिनी की संपत्ति 2014 में 178 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा वृद्धि के साथ 278 करोड़ रुपये हो गई है। गुरुग्राम से भाजपा के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की संपत्ति 2014 में 25 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 96 करोड़ रुपये वृद्धि के साथ 121 करोड़ रुपये हो गई जो 385 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। शत्रुघ्न सिन्हा की संपत्ति में 78 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई जो 2014 में 131 करोड़ रुपये थी और 2024 में बढ़कर 210 करोड़ रुपये हो गई।

हरसिमरत कौर बादल की संपत्ति 2014 में 108 करोड़ रुपये से बढ़कर 2019 में 217 करोड़ रुपये हो गई और 2024 में थोड़ी कम होकर 198 करोड़ रुपये हो गई, जिसमें कुल 90 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस बीच, गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे की संपत्ति 2014 में 15 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 74 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बारामती सांसद सुप्रिया सुले की संपत्ति 113 करोड़ रुपये से बढ़कर 166 करोड़ रुपये हो गई।

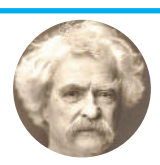

आगे बढ़ने का रहस्य शुरुआत करना है।
मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

श्वान संकट का समाधान

श्वान और इंसान का संबंध हजारों वर्षों पुराना है। सुरक्षा, सहचर्य, प्रेम और वफादारी का यह रिश्ता आज एक विद्रूप सामाजिक संकट बनकर अदालत के कठघरे तक पहुंच गया है। सवाल यह है कि इस स्थिति का दोषी कौन है- आम आदमी, व्यवस्था या कुत्ता? तो जवाब होगा कि वह सभी जिसने इस संकट को यहां तक आने दिया। कुत्ता स्वभाव से आक्रामक नहीं होता; उसे ऐसा बनाता है अव्यवस्थित शहरीकरण, लापरवाह पालतू-पालन, कमजोर नगर प्रशासन और नीति-क्रियान्वयन की लगातार विफलता। सुप्रीम कोर्ट की चिंता पूरी तरह जायज है। पालक के नियंत्रण से बाहर कुत्ते केवल रेबीज का खतरा ही नहीं बढ़ा रहे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, बच्चों-बुजुर्गों पर हमलों, स्थायी अपंगता और मौत का कारण भी बन रहे हैंस लेकिन करोड़ों आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान न तो क्रूर हो सकता है, न ही भावुक, इसके लिए वैज्ञानिक, मानवीय और दीर्घकालिक नीति चाहिए।

उत्तर प्रदेश ने आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाने, दोबारा काटने पर आजीवन शेल्टर में भेजने जैसे कई नियम बनाए, लेकिन डॉग-बाइट और रेबीज से होने वाली मौतें अभी भी बहुत हैं। यूपी की पहल ठीक है, लेकिन अधिकांश राज्यों की गंभीरता सवालों के घेरे में है। नवंबर में जब सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया, तो कोई उपस्थित नहीं हुआ। हलफनामा मांगा गया- मात्र 10 राज्यों ने दिया। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब जैसे बड़े राज्यों की चुप्पी प्रशासनिक उदासीनता को ही दर्शाती है। केंद्र और राज्यों ने पिछले दो दशकों में एनीमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज कार्यक्रमों के नियम तो बनाए, पर क्रियान्वयन बेहद कमजोर रहा। देशभर में महज 66 एबीसी केंद्र प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं, जबकि कुत्तों की आबादी बेकाबू है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु में पांच-पांच लाख, गुजरात और कर्नाटक में लगभग चार-चार लाख लोगों को कुत्तों ने काटा। इसके बावजूद इसके लिए बजट, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का उचित प्रबंध नहीं हुआ। संस्थानों को 'कुत्ता-मुक्त' रखने के लिए फेंसिंग का आदेश व्यावहारिक नहीं। रेलवे स्टेशन बहु-दिशात्मक खुले परिसर हैं, तो 16 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में से अनेक के पास बिजली-पानी तक का बजट नहीं— वे बाड़बंदी कैसे करें? कुत्तों को शेल्टर होम में रखना भी अव्यावहारिक है। अनुमानित एक लाख शेल्टर होम पर लगभग 30,000 करोड़ की पूंजी, चिकित्सा-खानपान पर सालाना भारी खर्च और बीमारियों का जोखिम। सीएसवीआर मॉडल यानी पकड़ो, नसबंदी करो, वैक्सीन लगाओ और जहां से लाए वहीं छोड़ो— वैज्ञानिक रूप उचित लगता है, बशर्ते इसे बड़े पैमाने, पर्याप्त बजट, सटीक डेटा और कड़ी निगरानी के साथ लागू किया जाए। इसके साथ पालतू कुत्तों के अनिवार्य पंजीकरण, लापरवाही पर जुर्माना, उचित कचरा निस्तारण और समुदाय-स्तरीय जागरूकता अनिवार्य है।

दुनिया के कई देशों— जैसे जापान, नीदरलैंड्स और सिंगापुर ने कड़े पंजीकरण, व्यापक नसबंदी, जिम्मेदार पालतू-पालन और सख्त नगर प्रबंधन से इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। भारत, जहां रेबीज से सबसे अधिक मौतें होती हैं, इन अनुभवों से सीख लेनी होगी।

प्रसंगवश

2030 तक रैबीज खत्म करने का लक्ष्य

भारत में रेबीज वायरस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है। हर साल लाखों एनिमल बाइट्स (ज्यादातर कुत्तों के काटने) के मामले दर्ज होते हैं और इससे हजारों मौतें होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हुईं, लेकिन पिछले दशकों की तुलना में यह संख्या कम रही है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

भारत में रेबीज मुख्य रूप से आवारा कुत्तों के काटने या खरोंचने से फैलती है। वायरस संक्रमित जानवर की लार या थूक के माध्यम से मनुष्य में प्रवेश करता है। भारत में रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से ही जुड़े होते हैं, हालांकि रेबीज वायरस कुत्ते के अलावा बिल्ली, बंदर और अन्य जानवरों से भी फैल सकता है। जागरूकता की कमी ने भारत में आवारा कुत्तों के प्रति नफरत और डर को

अंबिका अंबी
लेखिका

काफी बढ़ा दिया है, खासकर 2025-2026 के दौरान जब कुत्तों के काटने के मामले और रेबीज से मौतों की खबरें तेजी से फैलीं। सभी आवारा कुत्ते भी रेबीज से संक्रमित नहीं होते। ज्यादातर काटने की घटना भूख, डर, या क्षेत्र की रक्षा के कारण होते हैं। देश में कुत्तों की छह करोड़ से अधिक संख्या, अपर्याप्त नसबंदी एवं टीकाकरण साथ ही नियमित भोजन न मिलने से भी आक्रामकता बढ़ती है।

रेबीज वायरस किसी भी कुत्ते के शरीर में जन्मजात पैदा नहीं होता या मां से बच्चे में जन्म से नहीं मिलता। रेबीज एक संक्रामक वायरस है, जो संक्रमित जानवर से दूसरे में फैलता है। प्रकृति में रेबीज वायरस का सबसे पुराना और मूल रिजर्वायर चमगादड़ हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लगभग सभी लिसावायरस चमगादड़ों से शुरू हुए और समय के साथ यह वायरस अन्य जानवरों में फैला। भारत में आवारा कुत्ते ही सबसे बड़ा स्रोत हैं। ज्यादातर कुत्ते दूसरे संक्रमित कुत्तों के काटने से रेबीज ग्रस्त होते हैं और फिर वे और कुत्तों या मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। वायरस कुत्तों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) को प्रभावित करती है।

इंसानों में भी वायरस संक्रमण मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। यह मुख्य रूप से संक्रमित जानवर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या लार के संपर्क से फैलता है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग शत्-प्रतिशत जानलेवा होता है, लेकिन संपर्क के तुरंत बाद घाव की सफाई, एंटी-रेबीज वैक्सीन और पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रेबीज वायरस को रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, यदि समय पर सही कदम उठाए जाए तो वायरस को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। आवारा कुत्तों में अधिक से अधिक टीकाकरण कवरेज से रेबीज का चेन टूट सकता है। भारत में पशु जन्म नियंत्रण अधिनियम 2023 के तहत कैप्चर-स्टेरिलाइज़- वैक्सिनेट- रिलीज़ मॉडल अपनाया जा रहा है। पेट डॉग्स (पालतू कुत्ते) को सालाना रेबीज वैक्सीन और रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए। नगर निगम वैक्सीन लगाने की सरकारी नीतियों का पालन अनिवार्यता से करे। चूंकि भारत में रेबीज का मुख्य स्रोत आवारा कुत्ते हैं और पिछले कुछ वर्षों में सरकार, विश्व स्वास्थ संगठन और विभिन्न संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। 2030 तक भारत को डॉग-मीडिएटेड ह्यूमन रेबीज से मुक्त करने का लक्ष्य है। अपवाहों और मिथकों से डरने के बजाय, उन्हें समझकर और जिम्मेदारी से संभालकर हम रेबीज को खत्म कर सकते हैं।

क्या धरती को निगल सकता है ब्लैक होल!

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत को देखकर पृथ्वी वासियों में एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए? क्या एक ब्लैक होल हमारे सौर मंडल में प्रवेश कर सकता है? ब्लैक होल तब बनता है, जब हमारे सूर्य के द्रव्यमान से कहीं अधिक द्रव्यमान वाले तारे का सारा हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाए और अत्यधिक गुरुत्व बल उत्पन्न होने से वह एक ब्लैक होल बन जाए। चूंकि सूर्य का द्रव्यमान उस तारे की अपेक्षा 20 गुणा छोटा है, जो एक ब्लैक होल बन सकता है, इसलिए इसके एक ब्लैक होल बनकर धरती को निगलने की संभावना न्यूनतम है।

सूरज लगभग पांच अरब साल बाद अपना हाइड्रोजन फ्यूल खत्म कर देगा और एक रेड जायंट बन जाएगा और शायद बुध और शुक्र को निगल लेगा। रेड जायंट फेज लगभग 10 करोड़ साल तक चलेगा, जिसके बाद सूरज अपनी बाहरी परतें हटा देगा और एक व्हाइट ड्वार्फ बन जाएगा। फिर भी एक विशाल ब्लैक होल से पृथ्वी के लिए न्यूनतम सुरक्षित दूरी घटना क्षितिज अर्थात इवेंट होराइजन से लगभग 70 लाख किलोमीटर होनी चाहिए। इससे कम दूरी होने पर चुंबकीय-ज्वारीय बल मानव शरीर के लिए खतरा पैदा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो जाते हैं। एक ब्लैक होल की ताकत का प्रभाव बहुत होता है। इससे बचने के लिए एक वस्तु को इससे दूरी बनाए रखने के लिए पलायन वेग या एस्केप विलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर तो होनी ही चाहिए।

निकटतम ब्लैक होल गेया-1 हमसे 1560 प्रकाश वर्ष और गेया-2 पृथ्वी से 3800 प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। वे हमारे दरवाजे पर नहीं खड़े हैं। अंतरिक्ष में पिंडों के वजूद में आने की प्रक्रिया के समय एक दूसरे से सुरक्षित दूरी बना कर रखने का गुण गति, गुरुत्व बल और चुंबकत्व जैसी खगोलीय शक्तियों से तय हुआ होगा। ब्लैक होल के बॉर्डर एरिया को अस्थिर माना जाता है। इस ज़ोन में फ्लेयर्स, जेट्स और विकिरण के उफान का खतरा रहता है। इन डायनामिक घटनाओं का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि टेढ़े-मेढ़े अथवा कर्व्ड स्पेस और ब्लैक होल के आस-पास की अंतरिक्ष भौतिकी के बारे में सटीक गणितीय ब्योरा जुटाना चुनौती है।

मसलन, एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मामले में, इवेंट होराइजन एक ऐसी सीमा है, जिसके इस पार की घटनाएं दूसरी ओर मौजूद ऑब्ज़र्वर को प्रभावित नहीं कर सकतीं। यह वह पॉइंट है, जहां ब्लैक होल का ग्रेविटेशनल असर इतना मज़बूत होता है कि रोशनी भी उससे बच नहीं सकती। यह सीमा कोई फिजिकल सतह नहीं है, बल्कि एक मैथमेटिकल निशान है, जो उस पॉइंट को मार्क करता है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। एक बार जब कोई चीज़ इवेंट होराइजन को पार करके ब्लैक होल की तरफ खिंचती चली जाती है, तो वह हर हाल में ब्लैक होल के सेंटर की ओर जाती है। होराइजन के अंदर पैदा होने वाला कोई भी रेडिएशन कभी भी उससे बाहर नहीं निकल सकता। इवेंट होराइजन शांत, अदृश्य और बेरहम होता है। पकड़ में आने के बाद वस्तु का इससे बचना नामुमकिन है। ब्लैक होल का इवेंट होराइजन स्पेसटाइम की ज्योमेट्री में एक ऐसे पॉइंट को परिभाषित करता है, जहां एस्केप वेलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर होती है।

अमरीका में फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की एक रिसर्च टीम द्वारा प्रस्तुत एक नई मॉडलिंग स्टडी सामने आई है, जिसमें अब तक के सबसे डिटेल्ड सिमुलेशन करके, अर्थात ब्लैक होल के निकट की असल स्थितियों के डाटा को सुपरकंप्यूटर में फीड करके देखा गया कि एकल तारे से बने ब्लैक होल अलग-अलग रेट पर मैटर को कैसे निगलते और उगलते हैं। ब्लैक होल को कल्पना में काले भंवर जैसा दिखाया जाता है, लेकिन उसके पार क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है और क्यों होता है, इसके बारे में सिर्फ कच्चे अनुमान ही मौजूद हैं।

खास बात यह है कि फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की स्टडी पहले के मॉडल्स में इस्तेमाल किए गए सिंपलिफिकेशन पर निर्भर नहीं थी। पहले के प्रयासों के अंतर्गत की जाने वाली कैलकुलेशन से निष्कर्षों को मुमकिन बनाने के लिए शॉर्टकट्स की ज़रूरत होती थी, लेकिन इस नवीनतम सिमुलेशन के लिए बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स डेटा को आधार बनाया गया। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो के सर्वे ऑब्ज़र्वेशन को उनके स्पिन और मैग्नेटिक फील्ड के मेज़र के साथ मिलाकर, दो पावरफुल सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल करके, टीम ने जो नया मॉडल पेश किया, उससे सूर्य से थोड़े बड़े द्रव्यमान वाले तारे से बने हुए ब्लैक होल के चारों ओर गैस, लाइट और मैग्नेटिज़्म की मूवमेंट के बारे में पता चला है।

मैग्नेटिक फील्ड में मेजर से अर्थ है, मैग्नेटिक फील्ड की प्रॉपर्टीज़, इलेक्ट्रिक करंट के साथ इनका इंटरेक्शन और अलग-अलग फील्ड में इनके एप्लीकेशन्स आदि। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो वह प्रोसेस है, जिससे गैस, धूल और दूसरे तरह के पदार्थ जो ब्लैक होल के बहुत ज़्यादा ग्रेविटेशनल खिंचाव से उसकी तरफ खिंचे चले जाते हैं। इस प्रोसेस से एक्रीशन डिस्क बनती है और अंदर आने वाली धारा भी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में देखी जाने वाली हाई-एनर्जी उत्सर्जन पैदा करने के लिए यह बहुत ज़रूरी स्टेप्स हैं। जिस एफिशिएंसी से गर्म गैस अपनी थर्मल एनर्जी रेडिएट करती हैं, वह एक्रीशन फ्लो की ज्योमेट्री और डायनामिक्स पर बहुत ज़्यादा असर डालती है, जिससे रेडिएटिव रूप से एफिशिएंट पतली डिस्क और रेडिएटिव रूप से इनएफिशिएंट मोटी डिस्क, दोनों देखी जाती हैं। एक्रीशन प्रोसेस ब्लैक होल फिजिक्स का एक बेसिक पहलू है और गैलेक्टिक इवोल्यूशन और फीडबैक मैकेनिज्म में अहम भूमिका निभाता है।

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत देखकर एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए?

आमने

कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। नए वीबी-जी-राम जी कानून में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

-भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

'वीबी-जी-राम जी' योजना ग्रामीण लोकतंत्र और मनरेगा के खिलाफ है। जिस पंचायती राज व्यवस्था से मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, आज उसी को कमजोर करने के लिए वे केंद्र सरकार के ब्रांड एंबेसडर बने हुए हैं। योजना को नई व्यवस्था से खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

दूसरे देशों में जबरन घुसपैठ अमेरिकी फितरत

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

अमेरिकी हितों, प्राथमिकताओं और स्वार्थों को समझे बिना न तो इतिहास की सही व्याख्या संभव है और न ही वर्तमान वैश्विक राजनीति की। वस्तुतः, 1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक, वैचारिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है। इन उद्देश्यों को सामने लाने से ही यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी विदेश नीति आदर्शों से अधिक हितों द्वारा संचालित रही है।

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन और ग्रीस में अमेरिकी हस्तक्षेप इसी सोच की उपज थे। चीन के गृहयुद्ध में अमेरिका की चिंता लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि यह थी कि कहीं एशिया का एक विशाल भूभाग सोवियत प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। ग्रीस में भी अमेरिकी सहायता का लक्ष्य किसी आंतरिक राजनीतिक समाधान को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि भूमध्यसागर क्षेत्र में साम्यवादी प्रभाव न फैले। यहीं से यह मानसिकता विकसित हुई, जिसे बाद में 'डोमिनो थ्योरी' कहा गया। यह आशंका कि यदि एक देश हाथ से निकल गया तो पूरा क्षेत्र क्रमशः अमेरिका के प्रभाव से बाहर हो जाएगा।

1950 का दशक इस नीति का औपचारिक विस्तार था। कोरियाई युद्ध में अमेरिका का हित केवल दक्षिण कोरिया की सुरक्षा तक सीमित नहीं था। एशिया में अपनी सैन्य विश्वसनीयता स्थापित करना और यह संदेश देना कि अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए युद्ध करने को तैयार है, इस हस्तक्षेप का केंद्रीय उद्देश्य था। इसी दशक में ईरान और ग्वाटेमाला में हुए तख्तापलट अमेरिकी हितों की और भी स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं।

1960 का दशक आते-आते अमेरिकी हस्तक्षेप और अधिक आक्रामक हो गए। क्यूबा में बे ऑफ पिग्स का असफल अभियान इस बात का प्रमाण था कि अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी समाजवादी सरकार के अस्तित्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। इसके बाद वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में हुआ हस्तक्षेप केवल युद्ध नहीं था, बल्कि एक पूरे क्षेत्र को वैचारिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बना देना था। उद्देश्य स्पष्ट था- दक्षिण-पूर्व एशिया को सोवियत और चीनी प्रभाव से बचाना, चाहे इसकी कीमत तमाम नागरिकों की जान ही क्यों न हो। डोमिनिकन रिपब्लिक में प्रत्यक्ष आक्रमण और कंबोडिया में व्यापक बमबारी इस भय से प्रेरित थीं कि कहीं क्षेत्रीय सत्ता-संतुलन अमेरिका के नियंत्रण से बाहर न चला जाए। इन हस्तक्षेपों ने यह दिखा दिया कि अमेरिका के लिए क्षेत्रीय प्रभुत्व, मानवीय लागत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

1970 के दशक में अमेरिकी स्वार्थों का स्वरूप कुछ बदला, लेकिन मूल तर्क वही रहा। चिली में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का पतन इस कारण हुआ कि वह अमेरिकी आर्थिक और वैचारिक ढांचे को चुनौती दे रही थी। अंगोला में प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी हस्तक्षेप अपनाया गया, ताकि अफ्रीका में सोवियत प्रभाव को सीमित किया जा सके, बिना अमेरिकी सैनिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी के। अमेरिका ने यह सीख ली थी कि परोक्ष हस्तक्षेप न केवल सस्ता पड़ता है, बल्कि घरेलू राजनीतिक असहमति भी कम पैदा करता है।

1980 का दशक मध्य अमेरिका और पश्चिम एशिया में अमेरिकी रणनीतिक हितों का दशक था। एल साल्वाडोर और निकारागुआ में हस्तक्षेप 'कम्युनिज़्म विरोध' के नाम पर किया गया, लेकिन इसके पीछे पनामा नहर जैसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक हितों की सुरक्षा और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बनाए रखना प्रमुख कारण थे। लेबनान, ग्रेनेडा और पनामा में सैन्य कार्रवाइयों का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अमेरिका अपने निकट और रणनीतिक क्षेत्रों में किसी भी चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। लीबिया पर हवाई हमले भी केवल तत्काल प्रतिक्रिया नहीं थे, बल्कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी दबदबे का प्रदर्शन थे।

शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिकी हस्तक्षेपों का दौर समाप्त होगा, लेकिन 1990 का दशक इस भ्रम को तोड़ता है। खाड़ी युद्ध में ईराक के खिलाफ कार्रवाई का केंद्रीय कारण था— तेल आपूर्ति की सुरक्षा और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना। सोमालिया, बोस्निया और कोसोवो में किए गए हस्तक्षेपों को मानवीय कहा गया, लेकिन इनके पीछे नाटो की प्रासंगिकता बनाए रखना और यूरोप में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

इक्कीसवीं सदी में आतंकवाद अमेरिकी हस्तक्षेपों का प्रमुख औचित्य बन गया। अफगानिस्तान में युद्ध का उद्देश्य केवल अल-कायदा को खत्म करना नहीं था, बल्कि मध्य एशिया में दीर्घकालिक सैन्य उपस्थिति स्थापित करना और क्षेत्रीय भू-राजनीति को प्रभावित करना भी था। 2003 में ईराक पर किया गया आक्रमण कथित विनाशकारी हथियारों के नाम पर हुआ, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में सत्ता-संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने और ऊर्जा संसाधनों पर प्रभाव बनाए रखने की इच्छा भी स्पष्ट थी।

1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है।

सोशल फोरम

गोवा में भारतीय कार्रवाई पर खामोश रहा था नाटो

आज जब अमरीका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए जो भारत से जुड़ी है

प्रवीण झा
लेखक

1961 में जब भारत ने गोवा, दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर, उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है।

सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद 5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था, औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज़ किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

महिला सशक्तिकरण की राह खोलेगी पीरियड लीव

हाल ही में कर्नाटक ने महिला कर्मचारियों को पीरियड लीव देने का फैसला किया है। इसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है कि महिलाओं को पीरियड लीव मिलनी चाहिए या नहीं? असल में आधुनिक भारत में जहां महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर सीमा सुरक्षा तक हर मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं, लेकिन वे अपने 'उन दिनों' की परेशानी को लेकर मौन हैं। उनकी एक जैविक प्रक्रिया होती है मासिक धर्म। इसे लेकर आज भी देश और प्रदेश में महिला कर्मचारी कार्यस्थलों पर मौन रहती हैं और अपने इस मौन के कारण पीड़ा को झेलती रहती हैं।

भले ही भारत के केंदीय कानून में इसे जगह नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के वर्षों में महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की मांग जोर पकड़ गई है। इस पर बहस भी प्रारंभ हो गई है कि यह अवकाश महिलाओं का अधिकार है। यह केवल एक अवकाश

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

की मांग नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण कार्य परिवेश की दिशा में एक बड़ा कदम है। कर्नाटक से पहले बिहार और केरल जैसे राज्यों और कई निजी कंपनियों ने इसे लागू कर रखा है।

चिकित्सकों के अनुसार, मासिक धर्म केवल रक्तस्राव की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाले तीव्र हार्मोनल बदलावों का समय होता है। एक कामकाजी महिला को इस दौरान कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें गर्भाशय में संकुचन के कारण पेट के निचले हिस्से और पीठ में असहनीय दर्द होता है। कई महिलाओं के लिए यह दर्द इतना तीव्र होता है कि सामान्य रूप से खड़ा होना या बैठना भी मुश्किल हो जाता है। भारी रक्तस्राव के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर में अस्थायी गिरावट होती है। इससे महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। कई महिलाएं प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का शिकार रहती हैं। ऐसी महिलाओं में चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, और डिप्रेशन जैसी स्थिति पैदा होती है।

वहीं काम के भारी दबाव के बीच मासिक धर्म का दर्द उनकी एकाग्रता में कमी लाता है, जो उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। इसके अलावा जी मिचलाना, उल्टी, सिर दर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। सरकारी कार्यालयों में अक्सर काम का निश्चित समय होता है, इसलिए पीरियड लीव एक जरूरत है। इसके पीछे कई ठोस वजह हैं। जब एक महिला कर्मचारी शारीरिक पीड़ा में होती है, तो उसकी उत्पादकता स्वतः कम हो जाती है। एक या दो दिन का विश्राम उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से पुनर्जीवित करता है, जिससे वे बाद में अधिक ऊर्जा के साथ काम कर पाती हैं।

दरअसल कार्यस्थल को महिलाओं के अनुकूल बनाने का अर्थ है, उनकी जैविक वास्तविकताओं को स्वीकार करना। पीरियड लीव देना भेदभाव नहीं, बल्कि समान अवसर प्रदान करने का एक हिस्सा है। कई पुराने सरकारी कार्यालयों में आज भी महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय और सैनिटरी पैड डिस्पोजल की उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में दर्द के साथ काम करना उनके संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है। इस दौरान महिला कर्मचारी अपनी आकस्मिक छुट्टी (सीएल) या मेडिकल लीव (एमएल) का उपयोग करती हैं, जो कि काफी नहीं है।

भारत में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर कोई केंद्रीय कानून नहीं है, लेकिन 'पेड पीरियड लीव' और 'मुफ्त सैनिटरी उत्पाद' के लिए एक विधेयक साल 2022 में पेश किया गया था जो कानून नहीं बन सका। इस पर कर्नाटक और बिहार जैसे कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों ने अपनी नीतियां बनाई हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

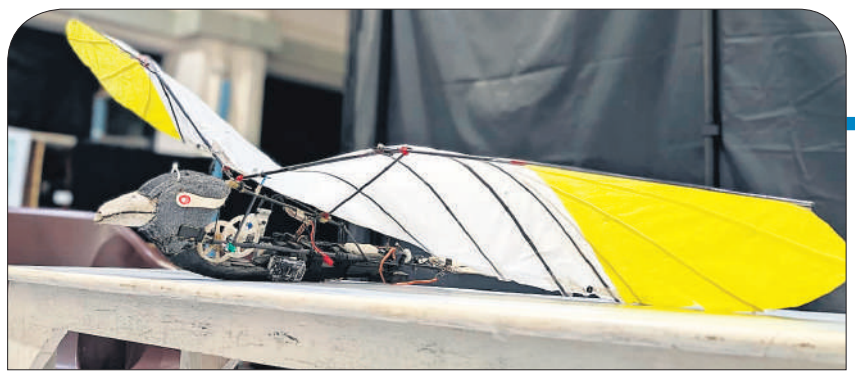

सूक्ष्म निगरानी के साथ सीक्रेट मिशन तक

बर्ड ड्रोन का सबसे बड़ा मॉडल 1.6 मीटर आकार का है, जबकि सबसे छोटा मॉडल केवल 5 इंच का है। छोटे मॉडल का इस्तेमाल माइक्रो निगरानी और सीक्रेट मिशनों में किया जा सकता है, जबकि बड़े मॉडल को लंबी रेंज के लिए डिजाइन किया गया है। बड़ा मॉडल 800 ग्राम से 1 किलो तक पेलोड उठा सकता है। छोटा मॉडल 100 से 200 ग्राम तक पेलोड उठाने में सक्षम है। स्वायत्त संचालन जीपीएस आधारित प्रणाली के साथ, ये बिना पायलट के उड़ सकते हैं।

चिड़िया-चमगादड़ जैसा ड्रोन
रडार के लिए अननोन

बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, फिर भी पंख फड़फड़ाकर उड़ता

भारत की रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में संस्थान की अनस्टेडी एयरोडायनेमिक्स लैब द्वारा प्रो. देवोपम दास, पूर्व छात्र जयदीप भौमिक और शरमन दास के नेतृत्व में एक ऐसा अनोखा ड्रोन तैयार किया गया है, जो दुश्मन को बिना पता चले उसकी निगरानी कर सकता है। इस बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, बल्कि पंख लगे हैं। पक्षियों या चमगादड़ों की तरह पंख फड़फड़ाकर उड़ने के कारण ये ड्रोन बहुत शांत और रडार अभेद्य हैं। सेंसर व कैमरों से लैस इन ड्रोन को खासतौर पर निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

आईआईटी कानपुर ने चिड़िया जैसे दिखने वाले और पंख फड़फड़ाकर उड़ने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन विकसित किए हैं। धातु का उपयोग काफी कम होने के कारण ये ड्रोन आसानी से दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इन ड्रोन को एक किलोमीटर की ऊंचाई पर 400 मीटर की दूरी में लगातार उड़ाया जा सकता है। इसके संचालन के लिए न तो किसी मानवीय कंट्रोल की जरूरत होती है, न ही उड़ान के दौरान किसी लगातार मिलने वाले सिग्नल की। सिग्नल कटने पर भी यह ड्रोन अपना मिशन पूरा करके वापस लौटने की तकनीक से लैस है। इस ड्रोन को भविष्य के युद्ध के लिए नया हथियार माना जा रहा है। इस तरह के ड्रोन सेना के लिए सीमा सुरक्षा, निगरानी और अन्य मिशनों जैसे बचाव अभियान, पर्यावरणीय डेटा संग्रह के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकते हैं।

– राजीव त्रिवेदी, कानपुर

आवाज नहीं करता, एनर्जी सेव करने से उड़ता है लंबे समय तक

साधारण ड्रोन जहां चार मोटरों और प्रोपेलरों के सहारे उड़ान भरते हैं। वहीं आईआईटी कानपुर का यह ऑर्निथॉप्टर बिल्कुल अलग तरह से काम करता है। इसमें न तो प्रोपेलर लगाए गए हैं और न ही चार मोटरों की जरूरत पड़ती है। इसके पंख एक ही मोटर से उड़ सकते हैं, जो लिफ्ट और थ्रस्ट दोनों प्रोड्यूस करते हैं। इस कारण इसमें एनर्जी बहुत ज्यादा सेव होती है। सामान्य ड्रोन उड़ान के दौरान काफी आवाज करते हैं और उनकी बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है, लेकिन बर्ड जैसा दिखने वाला ड्रोन बेहद कम आवाज के साथ लंबी दूरी तय कर सकता है। एनर्जी की बचत और वजन में हल्का होने के कारण यह करीब 1 घंटे 20 मिनट तक लगातार उड़ान भर सकता है। इसके मुकाबले सामान्य ड्रोन अधिकतम आधा घंटा तक ही उड़ पाते हैं।

दुनिया में अभी तक डच कंपनी बर्ड ड्रोन के विकास में अग्रणी

डच प्रौद्योगिकी कंपनी ड्रोन बर्ड कंपनी पक्षी के आकार के ड्रोन के विकास में विश्व में अग्रणी मानी जाती है। उसका फाल्कन ड्रोन बर्ड रिमोट कंट्रोल रोबोटिक शिकारी पक्षी जैसा है। यह दिखने और वजन में बिल्कुल असली पक्षी जैसा लगता है। ड्रोन बर्ड कंपनी का बनाया हुआ स्थिर पंखों वाले पेरेग्रीन फाल्कन का उपयोग हवाई अड्डों और तेल एवं गैस तथा ड्रेजिंग क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से किया जा रहा है ताकि पक्षियों की संख्या और विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाओं को कम किया जा सके।

सिग्नल जाम या कनेक्शन टूटने पर भी काम अंजाम देने में सक्षम

इसे उड़ाने के लिए ह्यूमन कंट्रोल की जरूरत नहीं पड़ती है। उड़ान से पहले इसका पूरा आवश्यक डेटा इसके ऑनबोर्ड सिस्टम में फीड किया जाता है। इससे अगर मिशन के बीच दुश्मन सिग्नल जाम कर दें या ग्राउंड स्टेशन से कनेक्शन टूट जाए, तो भी यह खुद रास्ता पहचानकर स्वतंत्र रूप से ऑपरेट करने में सक्षम है। मिशन पूरा होने के बाद यह अपने आप वापस बेस पर लौट आ सकता है।

सेना ने दिखाई रुचि

इस ड्रोन की क्षमता को देखते हुए भारतीय सेना की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है। दुश्मन के क्षेत्र में यह एक सामान्य बर्ड जैसा दिखाई देने के कारण जासूसी, बॉर्डर पेट्रोलिंग और सेंसिटिव मिलिट्री एरिया में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

चीन के ऑर्निथॉप्टर ड्रोन से बेहतर इसका ऑटोनोमस मोड

चीन पहले ही पक्षी जैसे दिखने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन बना चुका है। ये ड्रोन पक्षियों की तरह उड़ने की नकल करते हैं और सैन्य निगरानी और टोही अभियानों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके मुकाबले आईआईटी में तैयार ड्रोन को ऑटोनोमस मोड में डिजाइन किया गया है। इसके ऑटोनोमस कंट्रोलर को जीपीएस, आईएमयू (इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट) और एडवांस कैमरा डेटा के आधार पर बनाया गया है। इसके चलते सेना में जब कई बार जीपीएस बंद कर दिया जाता है, तब भी इसका कैमरा और सेव किया हुआ डेटा इसे सही डायरेक्शन और लोकेशन में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। यही खासियत इसे दूसरे इस तरह के सभी ड्रोन से अलग बनाती है।

खोज

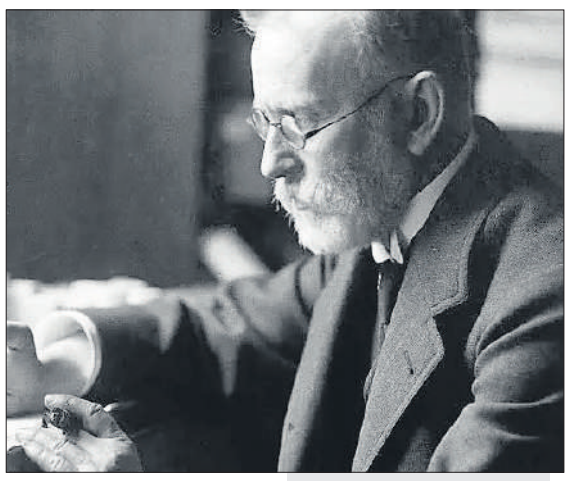

एंटीबायोटिक्स का खोज

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी के अनुसार , मनुष्य हजारों वर्षों से किसी न किसी रूप में एंटीबायोटिक्स का उपयोग करते आ रहे हैं। हाल के इतिहास में ही मनुष्यों को यह एहसास हुआ कि बैक्टीरिया कुछ संक्रमणों का कारण बनते हैं और अब हम आसानी से उपलब्ध उपचार प्रदान कर सकते हैं। 1909 में, जर्मन चिकित्सक पॉल एर्लिच ने देखा कि कुछ रासायनिक रंग कुछ जीवाणु कोशिकाओं को वैसे रंग नहीं देते जैसे वे अन्य को देते हैं। इसी कारण, उन्हें विश्वास हुआ कि आसपास की अन्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कुछ जीवाणुओं को मारना संभव होगा। एर्लिच ने आगे चलकर सिफलिस का इलाज खोजा, जिसे वैज्ञानिक समुदाय में कई लोग पहला एंटीबायोटिक मानते हैं। हालांकि एर्लिच ने अपनी खोज को कीमोथेरेपी कहा, क्योंकि इसमें एक बीमारी के इलाज के लिए रसायनों का उपयोग किया गया था। अपनी खोजों के लिए एर्लिच को 'प्रतिरक्षा विज्ञान का जनक' कहा जाता है।

वैज्ञानिक परिचय

पॉल एर्लिच का जन्म 14 मार्च, 1854 को ब्रेस्लाउ (उस समय जर्मनी का हिस्सा, लेकिन अब पोलैंड का हिस्सा) के पास स्ट्रेहलेन में हुआ था। वे एक यहूदी शराब निर्माता और शाही लॉटरी विजेता के पुत्र थे। उन्होंने ब्रेस्लाउ, स्ट्रासबर्ग (फ्रांस), फ्रीबर्ग और लिपजिंग (दोनों जर्मनी) में चिकित्सा का अध्ययन किया। 1878 में, 24 वर्ष की आयु में, उन्होंने जर्मनी के लिपजिंग विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में 'Beitrge fr Theorie und Praxis der histologischen Frbung'/'हिस्टोलॉजिकल स्टेनिंग के सिद्धांत और अभ्यास में योगदान' शीर्षक से अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

वैज्ञानिक फैक्ट

आसमानी बिजली: प्रकृति की भीषण शक्ति और उसका वैज्ञानिक रहस्य

हमारी धरती के वायुमंडल में जब तीव्र विद्युत आवेश का अचानक डिस्चार्ज होता है, तो उससे उत्पन्न प्रकाश और गड़गड़ाहट को गाज या आसमानी बिजली कहा जाता है। यह एक शक्तिशाली प्राकृतिक घटना है, जो बादलों के भीतर, एक बादल से दूसरे बादल के बीच या बादल और धरती के बीच घटित होती है। विश्व में हर वर्ष लगभग 140 करोड़ बार आसमानी बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिससे इसकी व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आसमानी बिजली की वैज्ञानिक व्याख्या सबसे पहले वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने अठारहवीं शताब्दी में की थी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिजली चमकना कोई दैवीय चमत्कार नहीं, बल्कि विद्युत ऊर्जा का परिणाम है। जब आकाश में घने बादल बनते हैं, तो उनमें मौजूद पानी की सूक्ष्म बूंदें और बर्फ के कण आपस में टकराते हैं। इस टकराव और हवा की रगड़ से बादलों में विद्युत आवेश उत्पन्न हो जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ बादलों या उनके हिस्सों में पॉजिटिव चार्ज और कुछ में निगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब विपरीत चार्ज के बीच का अंतर बहुत बढ़ जाता है, तो संतुलन बनाने के लिए अचानक विद्युत प्रवाह होता है, जिसे हम बिजली के रूप में देखते हैं। एक सामान्य आसमानी बिजली में लाखों वोल्ट का वोल्टेज और हजारों एम्पियर का करंट प्रवाहित हो सकता है। इस दौरान उत्पन्न तापमान लगभग 54 हजार डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच जाता है, जो सूर्य की सतह से भी कई गुना अधिक होता है। बिजली की गति अत्यंत तीव्र होती है और यह एक क्षण में ही धरती तक पहुंच जाती है। प्रतिदिन औसतन 30 लाख बार बिजली गिरने की घटनाएं इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि आसमानी बिजली प्रकृति की अद्भुत शक्ति होने के साथ-साथ मानव जीवन के लिए एक गंभीर खतरा भी है।

रोचक किस्सा

हजार असफलताएं, एक महान आविष्कार

विज्ञान के इतिहास में थॉमस अल्वा एडिसन का नाम केवल आविष्कारों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी जिद, मेहनत और असफलताओं से सीखने की क्षमता के लिए भी याद किया जाता है। एडिसन का सबसे मशहूर किस्सा विद्युत बल्ब के आविष्कार से जुड़ा है, जो आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्नीसवीं सदी के अंत में जब दुनिया अंधकार में डूबी रहती थी और रोशनी के साधन सीमित थे, तब एडिसन ने एक ऐसा बल्ब बनाने का सपना देखा, जो सुरक्षित हो, सस्ता हो और लंबे समय तक जल सके।

यह सपना साकार करना आसान नहीं था। बल्ब के भीतर जलने वाले फिलामेंट के लिए सही सामग्री ढूंढना सबसे बड़ी चुनौती थी। एडिसन ने अपने प्रयोगशाला में दिन-रात मेहनत करते हुए हजारों प्रयोग किए। उन्होंने कपास, बांस, लकड़ी, रेशम, घोड़े के बाल और कई अन्य पदार्थों को फिलामेंट के रूप में आजमाया, लेकिन हर बार परिणाम असफल रहा। प्रयोग असफल होते गए, लेकिन एडिसन का हौसला कम नहीं हुआ। एक बार एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि इतनी बार असफल होने के बाद भी वे निराश क्यों नहीं होते? इस पर एडिसन ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "मैं असफल नहीं हुआ हूं, मैंने बस यह खोजा है कि बल्ब बनाने के हजारों तरीके काम नहीं करते।" यह कथन उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच को दर्शाता है।

आखिरकार वर्ष 1879 में एडिसन ने कार्बन फिलामेंट का उपयोग कर ऐसा विद्युत बल्ब तैयार किया, जो कई घंटों तक लगातार जल सका। इस आविष्कार ने न केवल रातों को रोशन किया, बल्कि उद्योग, शिक्षा और समाज के विकास को भी नई दिशा दी। एडिसन का यह किस्सा हमें सिखाता है कि विज्ञान केवल बुद्धि का नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर प्रयास और असफलताओं को सफलता की सीढ़ी मानने का नाम है। यही सोच किसी भी बड़े आविष्कार की नींव होती है।

जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए कार्बन उत्सर्जन पर लगाम जरूरी

वैश्विक जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की एक ज्वलंत समस्या है। जलवायु में हो रहे तेजी से परिवर्तन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बने हुए हैं। विश्व के भू-विज्ञानी एवं भूगोलवेत्ता जलवायु में हो रहे इन परिवर्तनों से बहुत चिंतित हैं। असमय बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि, तेजाबी वर्षा तथा ऋतुओं के बदलते चक्र से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। भू-विज्ञानी इन सबको वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देख रहे हैं।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक बहुत बड़ा कारण है कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में हो रही लगातार भारी वृद्धि। वायुमंडल में सभी गैसें एक निश्चित अनुपात में विद्यमान हैं। परंतु अंधाधुंध परमाणु परीक्षणों, बढ़ता औद्योगीकरण तथा वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या के कारण वायुमंडल में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में भारी वृद्धि हो रही है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में 26 लाख टन की वृद्धि हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 24 लाख टन की कमी आई है। यह स्थिति संपूर्ण मानवता के लिए बहुत चिंताजनक है।

कार्बन उत्सर्जन में चीन सबसे आगे

कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन सबसे आगे है। विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 24 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले चीन करता है। चीन के बाद दूसरा स्थान अमेरिका का है। अमेरिका विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 15.1 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। यूरोपीय संघ विश्व के कार्बन उत्सर्जन का 10.5 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में भारत का विश्व में चौथा स्थान है। भारत कुल कार्बन उत्सर्जन का 6.4 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। अगर दुनिया के देशों ने कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नहीं किया, तो निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन की समस्या भयावह रूप धारण कर लेगी।

ओजोन परत का क्षरण

वाहनों, हवाई जहाजों, कल-कारखानों से निकलने वाले धुएं तथा विद्युत सयंत्रों से होने वाले उत्सर्जन से ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरुप धरती का तापमान बढ़ रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनों-दिन गहरा होता जा रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है ओजोन परत के आकार का निरंतर कम होना। ओजोन परत वायुमंडल की एक महत्वपूर्ण परत है। यह परत पृथ्वी के सुरक्षा कवच का काम करती है। इसे धरती की छतरी भी कहा जाता है। ओजोन परत में ओजोन गैस की प्रधानता होती है। यह 32 किमी से 80 किमी की ऊंचाई तक फैली हुई है। यह परत पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा को सोख लेती है और पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा से मानव की रक्षा करती है। यदि ओजोन परत नहीं होती, तो पृथ्वी भी अन्य ग्रहों की तरह प्राणीविहीन और वीरान होती। मानव की अपनी नादानी के कारण ओजोन परत का आकार निरंतर घट रही है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

विश्व मौसम संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार अंटार्टिका महाद्वीप के ऊपर ओजोन परत में छेद है। इस छेद का आकार इतना बढ़ गया है कि पृथ्वी का एक करोड़ किलोमीटर का क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया है। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। सन् 1995 में ओजोन परत को नष्ट करने वाले रसायनों का प्रयोग कम करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, परंतु निहित स्वार्थों और परमाणु हथियारों की होड़ के कारण दुनिया के देश इस समझौते का पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे ओजोन परत का आकार निरंतर घट रहा है। इसके परिणामस्वरुप हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का एक प्रमुख कारण पृथ्वी पर घटती हरियाली भी है। कहते हैं कि खुशहाली का रास्ता हरियाली से होकर गुजरता है। वृक्ष पर्यावरण के सजग प्रहरी होते हैं। वे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु मानव की धन की बढ़ती हवस के कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। जिस प्रकार शरीर के अस्तित्व के लिए कम से कम एक तिहाई त्वचा का सुरक्षित होना जरूरी है ठीक उसी प्रकार पृथ्वी के अस्तित्व के लिए उसके कम से कम एक तिहाई भाग पर हरियाली होना आवश्यक है। वर्तमान समय में धरती के केवल 22 प्रतिशत भू-भाग पर वृक्ष हैं, जिसके परिणामस्वरुप पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या हमारे सामने मुंह बाए खड़ी है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि कार्बन का अधिक उत्सर्जन और धरती का बढ़ता तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पिछले दस वर्षों में पृथ्वी के औसत तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आने वाले वर्षों में धरती के तापमान में और वृद्धि होगी, जिसके कारण ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमीं बर्फ पिघलने लगेगी और समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। पेरिस वैश्विक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह आशंका व्यक्त की गई कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण दुनिया के 9 देश और 705 छोटे-बड़े नगर समुद्र में समा जाएंगे। एक आकलन के अनुसार भूमंडल का 2.5 प्रतिशत जल बर्फ के रूप में विद्यमान है। यदि ग्लेशियरों और धुरवों पर जमीं सारी बर्फ पिघल गई, तो समुद्र का जल स्तर इतना बढ़ जाएगा कि पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो जाएगी और पृथ्वी पर महाप्रलय आ जाएगी। इसलिए हम महाप्रलय की आहट को सुनें और धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए कारगर कदम उठाएं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा है। इसलिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर इसको नियंत्रित करने के लिए कारगर उपाय करने चाहिए।

जंगल की दुनिया

एलियन जैसी शक्ल वाला मासूम प्राइमेट

टार्सियर ऐसा जीव है, जो 'आंखें पेट से बड़ी' वाली कहावत को सचमुच जीवंत कर देता है। आकार में बेहद छोटे टार्सियर उछल-कूद करने वाले प्राइमेट्स की आंखें असाधारण रूप से विशाल होती हैं, उंगलियां लंबी और पतली होती हैं तथा चेहरा किसी काल्पनिक एलियन जैसा प्रतीत होता है। इनकी सबसे अनोखी विशेषता यह है कि ये अपना सिर लगभग 180 डिग्री तक घुमा सकते हैं, जिससे इनकी आकृति कई बार डरावनी, लेकिन रोचक लगती है। दुर्भाग्यवश, यही अनोखापन टार्सियर के लिए अभिशाप बन गया है। उनकी मासूम शक्ल और बड़ी आंखों के कारण उन्हें वर्षों से पालतू जानवरों की तरह रखने या पर्यटकों के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। तेज रोशनी, शोर और मानव संपर्क से ये अत्यधिक तनाव में आ जाते हैं, जिससे उनकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ता है।

प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया- विशेष रूप से फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में टार्सियर की एक दर्जन से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कई प्रजातियां आज लुप्तप्राय: या गंभीर रूप से लुप्तप्राय: की श्रेणी में आ चुकी हैं। जंगलों की कटाई, पर्यटन और अवैध पकड़ ने इनके अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। टार्सियर केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,180.96	25,876.85
गिरावट	780.18	263.90
प्रतिशत में	0.92	1.01

सोना 1,40,500
प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,500
प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

हरटेक पावर को मिला 353.77 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी हरटेक पावर ने कर्नाटक में 353.77 करोड़ का नवीकरणीय ऊर्जा अनुबंध हासिल है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे चल्लाकेरे में 80 मेगावाट/ 320 एमब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 280 मेगावाट एसी/ 410 एमडब्ल्यूपी डीसी सोलर पीवी परियोजना के लिए ईपीसी अनुबंध मिला है। हरटेक पावर ने कहा कि कार्य के दायरे में परियोजना की डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना और उसे चालू करना शामिल है। साथ ही एक वर्ष का संचालन और रखरखाव भी शामिल है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना के लिए जो काम तय किए गए हैं और जिन पर दोनों पक्षों ने सहमति दी है, उनका कुल अनुबंध मूल्य लगभग 353.77 करोड़ रुपये है।

अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ 13 को

नई दिल्ली। क्लाउड-आधारित एसएएएस कंपनी अमागी मीडिया लैब्स ने 1,788 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 343-361 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने गुरुवार बताया कि आईपीओ अभिदान के लिए 13 जनवरी को खुलेगा और 16 जनवरी को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 12 जनवरी को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ में 816 करोड़ के नए शेयर और 972.6 करोड़ रुपये के 2.7 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल शेयर की राशि 1,788.6 करोड़ रुपये बैठती है। अमागी मीडिया लैब्स, राजस्व के हिसाब से भारत की शीर्ष 50 सूचीबद्ध मीडिया एवं मनोरंजन कंपनियों में से 45 प्रतिशत से अधिक कंपनियों के साथ काम करती है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के सामान की आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि ट्रेन की असेंबल प्रक्रिया को अंतिम रूप देने को ट्रैक्शन कन्वर्टर कोलकाता भेजे जा रहे हैं। अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर एक प्रकार का उपकरण है जिसका उपयोग रेलवे इंजनों या इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन में कर्षण प्रणाली का हिस्सा है।

अमेरिकी शुल्क की चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 780 व निफ्टी 264 अंक टूटा, निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ डूबे

- धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में बिकवाली, एफआईआई की निरंतर निकासी ने बढ़ाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली और अमेरिकी शुल्क बढ़ाने की आशंका के बीच गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट आई। सेंसेक्स 780 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 264 अंक टूटकर 26,000 के नीचे आ गया। चौतरफा बिकवाली जारी रहने से घरेलू निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में भारी बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा।

बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 780.18 अंक यानी 0.92 प्रतिशत लुढ़ककर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 851.04 अंक तक गिरकर 84,110.10 के स्तर तक आ गया था। बीएसई पर कुल 3,158 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,039 शेयरों में बढ़त हुई और 170 शेयर अपरिवर्तित रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 263.90 अंक यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे ज्यादा नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले चार दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,581.05 अंक यानी 1.84 प्रतिशत टूटा जबकि और निफ्टी 451.7 अंक यानी 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा। विभिन्न शेयर बाजारों में कारोबार करने वाली कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 7,71,816 करोड़ रुपये (1.61 प्रतिशत) कम होकर 4,72,95,304 करोड़ रुपये रह गया। बीएसई के अनुसार, शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घटा है।

अमेरिका के 500% शुल्क के विधेयक से बढ़ी चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ऐसे प्रतिबंधात्मक विधेयक का समर्थन किए जाने से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में जुटे सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि इससे अमेरिका को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों पर सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद करने का दबाव बनाने के लिए जबर्दस्त ताकत मिलेगी। अमेरिकी प्रशासन पिछले साल अगस्त में ही भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुका है। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूसी तेल खरीद जारी रखने के जुर्माने के तौर पर लगाया गया था।

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई का मिडकैप में 1.99 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के सूचकांक बीएसई स्मॉलकैप में 1.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर कमजोर रहे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,527.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,889.32 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार कमजोर होने से जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि बढ़ते भौगोलिक तनावों और वैश्विक व्यापार संबंधी चिंताओं के बीच बाजार का रुख कमजोर हुआ, जिससे जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित हुई। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय बाजारों के चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और चार महीने बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से नई चिंताओं और एफआईआई की बिकवाली से घरेलू बाजारों में सतर्कता का माहौल बना रहा।

चांदी 12,500 रुपये टूटकर रिकॉर्ड स्तर से फिसली

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के बीच गुरुवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत अपने रिकॉर्ड स्तर से 12,500 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि सोने की कीमतों में 900 रुपये की गिरावट देखी गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी 5,000 रुपये बढ़कर 2,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई, जबकि पिछला बंद भाव 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग कम होने की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदे कम किए।

किआ इंडिया ने एसयूवी सेल्टॉस की सेकेंड जेनरेशन को किया लॉन्च

- रामपुर रोड पर शोरूम में ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित किआ शोरूम पर बुधवार को किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टॉस के सेकेंड जेनरेशन मॉडल को भारतीय बाजार में विधिवत लॉन्च किया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण किया।

शोरूम के डायरेक्टर आनंद प्रकाश, नवनीत अग्रवाल और अनमोल अग्रवाल ने बताया कि नई किआ सेल्टॉस अब किआ के ग्लोबल श्री प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करता है। इससे वाहन की स्टेबिलिटी और सेफ्टी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी पहले से बेहतर हुआ है।

कंपनी के अनुसार, नई किआ सेल्टॉस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.99 लाख रुपये रखी गई है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से यह एसयूवी पहले से अधिक प्रीमियम और आरामदायक बनाई गई है। इसकी लंबाई 4460 मिमी है, जो पिछले मॉडल से 95 मिमी अधिक है। वहीं बेहतर केबिन स्पेस और लेगरूम के लिए व्हीलबेस को 80 मिमी तक बढ़ाया गया है।

इस दौरान अरविंद अग्रवाल, पूर्व विधायक विजयपाल, शिवशंकर शर्मा, डॉ. पंकज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. एसपी सिंह, विमल खंडेलवाल, प्रखर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देगा एपीडा

नई दिल्ली, एजेंसी

- नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना उद्देश्य

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है।

एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने गुरुवार को बताया कि ''कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र'' यानी भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के तीन-दिवसीय इंडसफूड 2026 प्रदर्शनी में कहा कि हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था।

उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। चीन, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिलीपीन, नेपाल और लेबनान सहित कई देशों के खरीदार और प्रदर्शक भारत आए हैं। हम 30 देशों के 2,200 से अधिक प्रदर्शकों को एक मंच पर ला रहे हैं। 15,000 से ज्यादा खरीदार और व्यापारिक आगंतुक इसमें शामिल हो रहे हैं।

वस्त्र उद्योग की मजबूत को केंद्र ने किया 15 राज्यों से समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को वस्त्र-केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्टअप (टेक्स-आरएएमपी) योजना के तहत डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए सुदृढ़ परिचालन ढांचा तैयार करने के लिए 15 राज्यों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार करना है। ये समझौते गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में किए गए।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि ये समझौते राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र से जुड़ी डेटा प्रणाली को मजबूत बनाएंगे। टेक्स-आरएएमपी योजना के तहत इस पहल का लक्ष्य मुख्य क्षेत्रों जैसे हथकरघा, हस्तशिल्प, कपड़े और तकनीकी वस्त्र को बेहतर तरीके से योजना बनाकर विकसित करना है। इसके लिए काम सीधे जिला और संकुल स्तर पर किया जाएगा, ताकि जरूरत वाले स्थानों पर असर तुरंत दिखाई दे। इन सुधारों को लागू करने के लिए मंत्रालय हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को हर साल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगा। वस्त्र मंत्रालय ने कहा कि ये समझौते केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और साझेदारी की भावना को दर्शाते हैं।

हेड एंड शोल्डर: विश्लेषण का भरोसेमंद रिवर्सल पैटर्न

हेड एंड शोल्डर पैटर्न तकनीकी विश्लेषण में सबसे भरोसेमंद रिवर्सल पैटर्न में से एक माना जाता है। यह पैटर्न आमतौर पर तब बनता है, जब किसी शेयर या इंडेक्स में लंबी तेजी के बाद कमजोरी आने लगती है। इसका मुख्य संकेत यह होता है कि बाजार का ट्रेंड अब ऊपर से नीचे की ओर बदल सकता है। इस पैटर्न का नाम इसके आकार के कारण पड़ा है, जिसमें तीन शिखर बनते हैं- बीच वाला शिखर सबसे ऊंचा होता है, जिसे हेड कहा जाता है, जबकि उसके दोनों ओर बने छोटे शिखर शोल्डर कहलाते हैं। निवेशक और ट्रेडर इसे संभावित गिरावट का मजबूत संकेत मानते हैं।

क्या है ये पैटर्न

हेड एंड शोल्डर एक चार्ट पैटर्न है, जो यह बताता है कि बाजार में खरीदारी की ताकत धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। यह पैटर्न अपट्रेंड के अंत में बनता है और डाउनट्रेंड की शुरुआत का संकेत देता है। इसमें तीन प्रमुख हिस्से होते हैं- लेफ्ट शोल्डर, हेड और राइट शोल्डर।

पैटर्न की संरचना

- **लेफ्ट शोल्डर :** कीमत पहले ऊपर जाती है और फिर थोड़ी गिरती है।
- **हेड :** कीमत फिर ऊपर जाती है और लेफ्ट शोल्डर से ऊंचा स्तर बनाती है, फिर गिरावट आती है।
- **राइट शोल्डर :** अंत में कीमत एक बार फिर ऊपर जाती है, लेकिन इस बार हेड से नीचे रह जाती है और फिर गिरने लगती है। इन तीनों के बीच जो सपोर्ट लाइन बनती है, वह नेकलाइन होता है।

नेकलाइन का महत्व

नेकलाइन इस पैटर्न का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। जब कीमत नेकलाइन के नीचे बंद होती है, तो पैटर्न पूरा माना जाता है। यही वह बिंदु होता है, जहां से गिरावट की पुष्टि होती है।

ट्रेडिंग में उपयोग

एंट्री : नेकलाइन के नीचे ब्रेकडाउन के बाद शॉर्ट पोजिशन ली जाती है।

स्टॉप लॉस : राइट शोल्डर के ऊपर लगाया जाता है।

टारगेट : हेड से नेकलाइन तक की दूरी को नीचे की ओर मापकर लक्ष्य तय किया जाता है।

वॉल्यूम की भूमिका : हेड एंड शोल्डर पैटर्न में वॉल्यूम का विशेष महत्व होता है। लेफ्ट शोल्डर और हेड के समय वॉल्यूम ज्यादा होता है, जबकि राइट शोल्डर बनते समय वॉल्यूम घटने लगता है। यह बाजार की कमजोरी को दर्शाता है।

निवेशकों के लिए महत्व : यह पैटर्न निवेशकों को समय रहते मुनाफा बुक करने या नुकसान से बचने में मदद करता है। हालांकि, केवल इसी पैटर्न पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसे अन्य तकनीकी संकेतकों जैसे आरएसआई, मूविंग एवरेज या सपोर्ट-रेजिस्टेंस के साथ मिलाकर देखना बेहतर होता है।

एटर्नल को 27.56 करोड़ की जीएसटी मांग के दो नोटिस जारी

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी एटर्नल को गुरुवार को ब्याज और जुर्माने सहित 27.56 करोड़ से अधिक के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग को लेकर दो आदेश प्राप्त हुए। ये आदेश पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा उत्पादन कर के कम भुगतान के संबंध में पारित हुए हैं।

एटर्नल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 8 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा अप्रैल 2020 से मार्च 2022 की अवधि के लिए पारित दो आदेश प्राप्त हुए हैं। इनमें 16,72,34,030 रुपये की जीएसटी की कुल मांग, 9,16,48,814 रुपये के ब्याज और 1,67,23,404 रुपये के जुर्माने की मांग की गई है।" कंपनी ने कहा कि उसके पास इस मामले में मजबूत पक्ष है, बाहरी कानूनी और कर सलाहकारों की राय भी उसकी दलीलों का समर्थन करती है। कंपनी इस आदेश के खिलाफ उचित प्राधिकरण के सामने अपील दायर करेगी।

खाद्य प्रसंस्करण की वृद्धि पर केंद्र सरकार का ध्यान : चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडसफूड 2026 का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और उम्मीद है कि आने वाले बजट में और कदम उठाए जाएंगे। पासवान ने ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडसफूड 2026 का उद्घाटन किया। इंडसफूड एशिया का सबसे बड़ा खाद्य और पेय व्यापार प्रदर्शनी है।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले साल के बजट में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के बजट में एक नए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) की घोषणा की गई थी जो बिहार में बनेगा। पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित किया है। इस क्षेत्र का मंत्री होने के नाते, मुझे इस साल के बजट से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगा। मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में व्यवसाय के बहुत बड़े मौके हैं और सरकार इस क्षेत्र में आने वाले उद्यमियों का समर्थन कर रही है।

पासवान ने कहा कि भारत सरकार के पास खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय है, यह इस क्षेत्र को दी जाने वाली अहमियत को दिखाता है। हम सरकार और उद्योग के बीच एक पुल बनने की कोशिश कर रहे हैं। भारत एक अधिशेष खाद्य उत्पादक देश है और अब 'इस मात्रा को मूल्य में बदलने' की जरूरत है। मंत्रालय इस क्षेत्र में आने के लिए ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों का समर्थन कर रही है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) जैसी योजनाएं किसानों और उद्योग दोनों की मदद कर रही हैं। पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान के दायरे में और राज्यों को लाने के लिए कदम उठाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के साथ के साथ है और व्यापार को सुगम बनाने के लिए हर कदम उठाएगी। पासवान ने कहा कि उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर वस्तु एवं सेवा (जीएसटी) कर का मुद्दा जीएसटी परिषद के सामने उठाया था, जिसे हाल के सुधारों के जरिए सुलझाया गया और कर को घटाकर पांच प्रतिशत या शून्य कर दिया गया। मंत्री ने वैश्विक कंपनियों से भारत में अपने शोध एवं विकास केन्द्र खोलने की अपील की।

स्लीपर कोच बसों का विनिर्माण मान्यता प्राप्त कारखानों में होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- आग लगने की घटनाओं पर रोक के लिए लिया गया फैसला

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि आग लगने की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने फैसला किया कि स्लीपर कोच बसों का विनिर्माण केवल वाहन कंपनियों और केंद्र से मान्यता प्राप्त कारखानों में ही किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहले से चल रही स्लीपर कोच बसों में आग का पता लगाने वाली प्रणाली, हथौड़े के साथ आपातकालीन निकास, आपातकालीन रोशनी और चालक थकान संकेतक लगाने होंगे। पिछले छह महीनों में स्लीपर कोचों से जुड़ी आग लगने की छह दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 145 लोगों की जान चली गई। गडकरी ने कहा कि उन्होंने राजस्थान सरकार को पत्र लिखा है, ताकि उन राज्य परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिन्होंने बस विनिर्माण करने वालों को खुद से सुरक्षा प्रमाण देने की अनुमति दी थी।

बदलाव अनुपालन को सरल बनाने और कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए बाजार नियामक ने उठाया कदम

शेयर बाजार के ब्रोकरों के लिए सेबी ने नए नियम किए अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने तीन दशक से अधिक पुराने शेयर ब्रोकरों से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव करते हुए नए नियम अधिसूचित किए हैं, जिसके तहत अब शेयर ब्रोकर अन्य वित्तीय नियामकों के दायरे में आने वाली गतिविधियां भी कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और कारोबारी सुगमता को बढ़ाना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को अधिसूचना जारी कर सेबी (शेयर ब्रोकर) विनियम, 1992 की जगह सेबी (शेयर ब्रोकर) विनियम, 2026 को लागू कर दिया है। नए नियमों में नियामकीय भाषा को सरल बनाया गया है, पुराने एवं अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाया गया है तथा परिभाषाओं को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। नए नियमों के तहत कोई भी शेयर ब्रोकर अन्य वित्तीय क्षेत्रों के नियामक या किसी निर्दिष्ट प्राधिकरण के नियामकीय ढांचे के अंतर्गत आने वाली गतिविधियां कर सकता है। ऐसी गतिविधियां संबंधित नियामक या प्राधिकरण के दायरे में आएंगी।

सेबी ने बताया कि नए विनियमों को 11 अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें शेयर ब्रोकरों से जुड़े नियामकीय ढांचे के सभी प्रमुख पहलुओं को समग्र रूप से शामिल किया गया है। इसके तहत अब गैर-जरूरी अनुसूचियों को हटा दिया गया है और आवश्यक प्रावधानों को सीधे अध्यायों में शामिल किया गया है, ताकि नियमों को पढ़ना और समझना आसान हो। अंडरराइटिंग, आचार संहिता और स्टॉकब्रोकर्स को अनुमति प्राप्त अन्य गतिविधियों से जुड़े दोहराव वाले प्रावधानों को हटाकर संरचना को सुव्यवस्थित किया गया है। नए नियमों में अनुपालन को आसान बनाने के लिए संयुक्त निरीक्षण की अनुमति दी गई है और बही खातों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखने का प्रावधान किया गया है। सेबी ने कहा कि वह मान्यताप्राप्त शेयर बाजारों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन या डिपॉजिटरी के साथ मिलकर संयुक्त निरीक्षण कर सकता है।

विशेषीकृत निवेश कोषों के लिए एकसमान अनुपालन रिपोर्टिंग का प्रारूप जारी

नई दिल्ली। सेबी ने म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) द्वारा विशेषीकृत निवेश फंडों (एसआईएफ) की रिपोर्टिंग के तरीके में एकरूपता लाने के मकसद से गुरुवार को अनुपालन रिपोर्टिंग का प्रारूप जारी किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने परिपत्र में कहा कि अनुपालन परीक्षण रिपोर्ट (सीटीआर) के प्रारूप को संशोधित किया गया है और इसमें विशेष रूप से एसआईएफ के लिए एक नया भाग शामिल किया गया है। नए प्रारूप के तहत एसआईएफ का प्रबंधन करने वाली एएमसी को अब अतिरिक्त अनुपालन विवरण देने होंगे। इसमें न्यूनतम निवेश सीमा का पालन, एसआईएफ फंड प्रबंधकों के लिए प्रमाणन आवश्यकताएं (अधिसूचित होने पर), नियामक विशेषताओं के साथ निवेश रणनीतियों का अनुपालन, शुल्क और व्यय पर सीमाएं और निवेश प्रतिबंध शामिल हैं। इस नए नियम के तहत कंपनियों को अब डेरिवेटिव्स, रीट (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट)/इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट), ब्रांड और विज्ञापन के नियम, प्रस्ताव दस्तावेजों में जानकारी, पोर्टफोलियो की जानकारी, निवेश और निकासी के नियम (जैसे नोटिस अवधि), इकाइयों की सूचीकरण, बेंचमार्किंग, जोखिम स्तर और परिदृश्य विश्लेषण जैसी चीजों पर भी रिपोर्ट देनी होगी। अर्धवार्षिक ट्रस्टी रिपोर्ट के प्रारूप में भी एक नया प्रावधान जोड़ा गया है। सेबी ने कहा कि ट्रस्टी को ये पुष्टि करनी होगी कि क्या एएमसी के पास एसआईएफ का प्रबंधन करने को पर्याप्त विशेषज्ञता और प्रणाली है, न्यूनतम निवेश सीमा, शुल्क और व्यय के नियम, निवेश रणनीतियों, निवेश प्रतिबंध और ब्रांडिंग के नियमों का पालन किया जा रहा है।

बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवा निलंबित की

- अमेरिका से किया वीजा बॉन्ड में छूट देने का अनुरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका की ओर से हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा, मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी।

जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हुसैन ने पत्रकारों से यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा।

पाकिस्तान के लिए 14 साल बाद सीधी उड़ानें

ढाका/इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बांग्लादेश सुधरते रिश्तों का संदेश देते हुए लगभग 14 साल के लंबे अंतराल के बाद 29 जनवरी को सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने जा रहे हैं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के साथ ढाका से कराची के लिए उड़ानें आधिकारिक तौर पर शुरू होंगी। ढाका से पहली सीधी उड़ान रात 11 बजे कराची पहुंचेगी और भारतीय हवाई क्षेत्र से होकर यात्रा करेगी। इससे दोनों देशों के लिए यात्रा बहुत आसान हो जाएगी।

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती

सोशल मीडिया पर अश्लीलता का प्रसार एक गंभीर वैश्विक और राष्ट्रीय चुनौती बन चुका है। नवीनतम रिपोर्टों और शोध के अनुसार, एआई के जरिए डीपफेक और अश्लील सामग्री का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जो महिलाओं और बच्चों की गरिमा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम अक्सर एंगेजमेंट बढ़ाने के लिए आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट को प्रमोट करते हैं, इस वजह से यह सामग्री किशोरों के फॉर यू पेजों तक आसानी से पहुंचती है। कई शोधों में कहा गया है कि इन मंचों का उपयोग करने वाले 11-12 वर्ष के बच्चे भी अश्लील सामग्री के संपर्क में आ रहे हैं। कई देशों में सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता के खतरों को महसूस किया गया है और इस पर रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की पहल की है। भारत भी इन देशों में से एक है।

'अन'सोशल... मीडिया

बच्चों से बड़ों तक दुष्प्रभाव

- युवाओं में विकृत मानसिकता, अवसाद और वास्तविक संबंधों के प्रति अरुचि पैदा होने जैसे दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं।
- शोधों के मुताबिक समाज में यौन अपराधों और महिलाओं के प्रति संवेदनहीनता बढ़ने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।
- बच्चों के समय से पहले वयस्क सामग्री के संपर्क में आने से पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को भी भारी क्षति पहुंच रही है।
- ऐसी सामग्री देखने को लोग अक्सर असुरक्षित वेबसाइटों का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी निजता खतरे में पड़ती है।

वैश्विक शोध

- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के संपर्क में आने से किशोरों में अवसाद बढ़ रहा है।
- पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक अमेरिका के लगभग आधे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

कई देशों में कड़े कानून

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बना जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।
- मलेशिया ने भी 1 जनवरी 2026 से 16 साल से उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू किया है। आयु सत्यापन अनिवार्य किया है।
- फ्रांस, डेनमार्क और पोलैंड जैसे देश 2026 के शैक्षणिक सत्र से 15-16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कानून बनाने पर काम कर रहे हैं।
- पूरे यूरोपीय संघ में 2026 तक एक डिजिटल आयु सत्यापन प्रणाली शुरू की जाएगी ताकि नाबालिग अश्लील सामग्री तक न पहुंच सकें।

भारत ने उठाए कदम

- 'आईटी नियम 2021' और बीएनएस के तहत अश्लील सामग्री फैलाने वाले मंचों और व्यक्तियों पर कड़ी सजा का प्रावधान है।
- भारत सरकार ने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों को अश्लीलता को लेकर सख्त चेतावनी दी है।
- बड़े सोशल मीडिया मंचों के लिए अश्लील सामग्री को पहचानकर हटाने के लिए तकनीक का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

इसलिए अश्लीलता को बढ़ावा

- सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उस कंटेंट को प्रमोट करते हैं जिस पर लोग ज्यादा समय बिताते हैं। अश्लील कंटेंट क्लिकबेट के रूप में काम करता है।
- कई प्लेटफॉर्म व्यूज के आधार पर पैसे देते हैं। अधिक व्यूज पाने के चक्कर में कंटेंट क्रिएटर्स सनसनीखेज और अश्लील सामग्री का सहारा लेते हैं।
- करोड़ों यूजर्स द्वारा हर सेकंड पोस्ट किए जाने वाले कंटेंट की सटीक निगरानी करना कठिन होता है, जिससे ऐसी सामग्री फिल्टर से बच जाती है।
- सोशल मीडिया कंपनियां, पोर्नोग्राफी से जुड़े लोग, कंटेंट क्रिएटर और साइबर अपराधी अपने स्वार्थों के लिए अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : बॉन्डी बीच हमले की जांच के लिए बनेगा न्यायिक आयोग

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी भावनाओं की तह तक जाने और सामाजिक एकता पर एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। अल्बानीज ने घोषणा की कि उनकी सरकार एक न्यायिक आयोग गठित करेगी, जो ऑस्ट्रेलिया में जांच का सबसे बड़ा रूप है। इसका नेतृत्व पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश वर्जीनिया बेल करेंगी। वह दिसंबर के मध्य तक एक रिपोर्ट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, मैंने यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलने के लिए समय लिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उस भयानक हमले के पीड़ितों और बचे हुए लोगों के कई परिवारों से मिला हूं।

बीएनपी नेता अजीजुर रहमान की ढाका में गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वॉलंटियर विंग स्वेच्छा सेबक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की बुधवार रात ढाका के कारवां बाजार इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव सुफियान व्यापारी मसूद को घायल कर दिया। यह घटना देश में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (तेजगांव जोन) के एसीपी फजलुल करीम के मुताबिक मुसब्बिर को पंथपथ के बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च के बाहर गोलीबारी, दो की मौत

साल्ट लेक सिटी। अमेरिका के यूटा राज्य की राजधानी साल्ट लेक सिटी में बुधवार को एक गिरजाघर के बाहर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह गोलीबारी 'द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स' के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। इसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च कहा जाता है। उन्होंने बताया कि घटना के समय गिरजाघर के अंदर दर्जनों लोग एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। सभी पीड़ित वयस्क बताए जा रहे हैं। सॉल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी चीज के खिलाफ लक्षित हमला था।

अमेरिका ने छोड़ीं 60 से ज्यादा वैश्विक संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र के निकायों और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी खुद को किया अलग

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन, एजेंसी

- सभी संस्थाओं को गैरजरूरी और अमेरिकी हितों के खिलाफ बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है। ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया।

ट्रंप ने बुधवार को 'संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना' शीर्षक वाले एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि 66 संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों का सदस्य बने रहना, उनमें भागीदारी करना या किसी भी रूप में उन्हें समर्थन देना अमेरिका के हितों के विपरीत है। व्हाइट हाउस की ओर से बुधवार को जारी एक पत्र के अनुसार, इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करते हैं। ट्रंप ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इन संगठनों से अमेरिका की वापसी को यथाशीघ्र लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों के मामले में, कानून द्वारा अनुमेय सीमा तक, इन संस्थाओं में भागीदारी या वित्तपोषण समाप्त करना ही वापसी माना जाएगा।

जिन संगठनों से अमेरिका अलग हो रहा है, उनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है। वर्तमान में आईएसए के 100 से अधिक देश हस्ताक्षरकर्ता हैं और 90 से अधिक देशों ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा जिन संगठनों से अमेरिका को बाहर निकाला जा रहा है, उनकी सूची उन्हें प्राप्त हो गई है, इस पर बृहस्पतिवार को टिप्पणी की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को न तो वित्तपोषित करेगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करते या कई मामलों में उनके विरुद्ध हैं।

पहले से ट्रंप के निशाने पर रहा है संयुक्त राष्ट्र

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के तीखे आलोचक रहे हैं। पिछले वर्ष 20 जनवरी को शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालने का कार्यकारी आदेश जारी किया था, जो उनके पहले कार्यकाल के फैसले की पुनरावृत्ति थी। दूसरे कार्यकाल के शुरुआती हफ्तों में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका की भागीदारी समाप्त करने, यूनेस्को की सदस्यता की समीक्षा करने और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी को दी जाने वाली मदद रोकने का आदेश दिया था। पिछले वर्ष सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर तीखा हमला किया था। कहा था, संयुक्त राष्ट्र अधिकतर मामलों में केवल कड़े शब्दों वाला पत्र लिखता है और फिर कोई कार्रवाई नहीं करता। खोखले शब्द युद्ध का समाधान नहीं करते।

इन संगठनों और निकायों से अमेरिका ने किया किनारा

जिन 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों और 31 संयुक्त राष्ट्र निकायों से अमेरिका बाहर निकल रहा है, उनमें अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, यूक्रेन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के तहत अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र, एशिया-प्रशांत तथा पश्चिम एशिया के आर्थिक आयोग, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, संघर्ष में यौन हिंसा पर विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, शांति निर्माण आयोग और कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष भी सूची में शामिल हैं।

तेल की आय से सिर्फ अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा वेनेजुएला: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में और झुका वेनेजुएला, चीन को अलग-थलग रखने का मकसद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला तेल बेचने से होने वाली आय का उपयोग सिर्फ अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं को खरीदने के लिए करेगा। ट्रंप ने इसे एक बुद्धिमानी भरे विकल्प के साथ वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के लिए बहुत अच्छा फैसला बताया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि नए तेल समझौते से प्राप्त धन से वेनेजुएला केवल अमेरिका निर्मित उत्पाद ही खरीदेगा। राष्ट्रपति ने बताया कि इस खरीद में कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण और ऊर्जा आपूर्ति वाले उपकरण शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम वेनेजुएला के मुख्य आर्थिक भागीदार के रूप में अमेरिका की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह घोषणा ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला तीन से पांच करोड़ बैरल तेल अमेरिका को देगा जिसकी बिक्री से मिला पैसे का प्रबंधन अमेरिकी निगरानी में होगा।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल निर्यात की निगरानी करेगा और मौजूदा प्रतिबंधित आपूर्ति के साथ भविष्य के उत्पादन को अमेरिकी रिफाइनरियों और अन्य बाजारों में बेचेगा। दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के तहत लगभग दो अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल अमेरिका भेजा जा सकता है। यह सौदा तेल की आपूर्ति को चीन को दूर रखने और उत्पादन में कटौती से पैदा हुए दबाव को कम करने में मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों को अधिक मौका देने की उनकी मांगों को मान रहा है। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि ऊर्जा क्षेत्र को नहीं खोला गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मादुरो और सिलिया से गिरफ्तारी के दौरान की गई थी मारपीट

काराकास। वेनेजुएला के गृहमंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने दावा किया है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनकी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी थी। कैबेलो ने बुधवार को कहा, सिल्विया को सिर में चोट लगी और उनके शरीर पर मुक्के मारे गए, जबकि मादुरो के पैर में चोट लगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना की सिलिया फ्लोरेस को ले जाने की योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, जब वे मादुरो को ले जा रहे थे तो उनका पत्नी सिलिया को ले जाने का कोई इरादा नहीं था, मगर सिलिया ने उनसे कहा, अगर तुम मेरे पति को ले जाओगे, तो तुम्हें मुझे भी ले जाना होगा।

सऊदी अरब का आरोप, यूएई ने यमन के अलगाववादी नेता को देश के बाहर भेजा

दुबई, एजेंसी

- अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच बढ़ा तनाव, यमन में जारी युद्ध में साझेदारी टूटी

सऊदी अरब ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने देशद्रोह के आरोप में वांछित यमन के अलगाववादी नेता को तस्करी कर देश से बाहर भेजा और विमान से अबू धाबी पहुंचाया। इस दावे पर यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस घटना के बाद अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है क्योंकि यमन में वर्षों से जारी युद्ध में उनकी साझेदारी टूट गई है।

सऊदी अरब की सेना के एक बयान में दावा किया गया है कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के नेता ऐदारौस अल-जुबैदी यमन से नौका के जरिए सोमालिया भाग गए। बयान में कहा गया है कि इसके बाद यूएई के अधिकारी अल-जुबैदी को यूएई की राजधानी अबू धाबी ले गए। संयुक्त अरब अमीरात एसटीसी के नाम से जानी जाने वाली परिषद का प्रमुख समर्थक रहा है, जिसने हाल के दिनों में सऊदी अरब और यूएई के बीच टकराव को जन्म दिया है। यह तनाव तब बढ़ा जब एसटीसी के लड़ाकों ने दो प्रांतों में बढ़त हासिल कर ली और यमन से अलग होने की तैयारी करते दिखाई दिए। सऊदी अरब के मेजर जनरल तुर्की अल-मलकी ने अपने बयान में यूएई के एक मेजर जनरल पर अल-जुबैदी को भागने में मदद करने का आरोप लगाया है। साथ ही, उनका कोड नाम (नोम-दे-गुएर) भी उजागर किया गया, जो खाड़ी अरब देशों के सौहार्दपूर्ण संबंधों के माहौल में बेहद असामान्य बात है।

बयान में यह भी संकेत दिया गया कि अभियान में इस्तेमाल किया गया इल्युशिन इल-76 विमान इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे 'संघर्षग्रस्त क्षेत्रों' में इस्तेमाल किया गया था। ये वही मार्ग हैं जिनके माध्यम से, पूर्व में अमीराती सेना पर हथियारों की तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। यूएई ने उन क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के आरोपों से इन्कार किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एसटीसी ने भी इस आरोप को तुरंत स्वीकार नहीं किया और बुधवार को कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन करने वाली सेनाएं यमन की राजधानी सना पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से वर्षों से एकत्रित हैं।

यमन में सऊदी के राजदूत मोहम्मद अल-जाबेर ने बताया कि उन्होंने एसटीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जो एक दिन पहले रियाद पहुंचा था। उन्होंने अल-जुबैदी की हालिया कार्रवाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने भविष्य में इस तरह से काम करने के तरीकों पर भी विचार किया है।

वेनेजुएला से पूर्ववत रहेंगे आर्थिक संबंध : चीन

बीजिंग। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद चीन के उसके साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध पूर्ववत रहेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे याडोंग ने गुरुवार को यह घोषणा की। याडोंग ने कहा कि अमेरिका की वर्चस्ववादी कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करती हैं, वेनेजुएला की संप्रभुता का उल्लंघन करती हैं और लैटिन अमेरिका में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। चीन इसका कड़ा विरोध करता है। याडोंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और वेनेजुएला के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग संप्रभु देशों के बीच एक सहयोग है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ-साथ दोनों देशों के कानूनों द्वारा संरक्षित है और किसी अन्य देश का इसमें हस्तक्षेप देने का कोई अधिकार नहीं बनता है।

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा

ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने शुरू किया 'आईबी409' नामक दवा का परीक्षण

सिडनी, एजेंसी

- ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत रोकने में मददगार साबित होगी ये दवा

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने दुनिया की सबसे खतरनाक मकड़ियों में से एक के जहर से तैयार दवा का दिल के दौरे और स्ट्रोक मरीजों पर नैदानिक परीक्षण शुरू किया है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड (यूक्यू) के अनुसार, 'फेज 1 क्लीनिकल ट्रायल' के दौरान 'आईबी409' नामक दवा की सुरक्षा, सहनशीलता और इसकी सही खुराक का परीक्षण किया जाएगा।

यह एक नई दवा है, जिसे बायोटेक्नोलॉजी कंपनी 'इन्फेंसा बायोसाइंस' ने ऑस्ट्रेलियाई 'फनल-वेब' मकड़ी के जहर में पाए जाने वाले अणु से विकसित किया है। यूक्यू के इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर बायोसाइंस के प्रोफेसर ग्लेन किंग ने कहा कि उनकी टीम ने 'एचआई1ए' के साथ 'बेदह आशाजनक' प्री-क्लीनिकल परिणाम प्रकाशित किए हैं। 'एचआई1ए' क्वींसलैंड राज्य के फ्रेजर द्वीप पर पाई जाने वाली फनल-वेब मकड़ी के जहर से प्राप्त प्रोटीन है। किंग ने कहा, हमारा मानना है कि ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत को रोककर 'एचआई1ए' दिल के दौरे और स्ट्रोक के दौरान हृदय और मस्तिष्क को होने वाले नुकसान को कम कर सकता है। उनकी टीम ने यह साबित कर किया है कि 'एचआई1ए' प्रभावी ढंग से दिल की रक्षा करता है।

इसके बाद एक अन्य अध्ययन में इसका 'प्री-क्लीनिकल' परीक्षण किया गया, जिसमें इलाज के उन वास्तविक हालातों को दोहराया गया, जो असल जिंदगी में मरीजों के सामने आते हैं। इन्फेंसा के सीईओ और यूक्यू के शोधकर्ता प्रोफेसर मार्क स्मिथ ने कहा, यदि 'आईबी409' के पहले चरण और बाद के नैदानिक परीक्षण सुरक्षित और प्रभावी साबित होते हैं तो हम दुनिया भर में हृदय रोग से पीड़ित लाखों लोगों का जीवन सुधार सकते हैं।इन्फेंसा की टीम ने 'एचआई1ए' को 'आईबी409' में बदल दिया है। यह एक सूक्ष्म पेप्टाइड है, जिसे दवा के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 07 .05 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

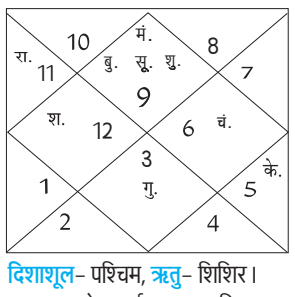

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 13 .40 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष आज विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विदेशी क्लाइंट्स से आपको शानदार फीडबैक मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

वृष आज अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें सफलता जल्द ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा।

मिथुन आज आपका मन नहीं लगेगा। घर में कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें।

कर्क आज अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

सिंह आज किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या आध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं। आपके द्वारा बोला गया झूठ पकड़ा जा सकता है।

कन्या आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। इंश्योरेंस और कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

तुला आज मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी।

वृश्चिक आज समाज में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

धनु आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। किसी से ज्यादा अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं।

मकर आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिन काम सौंपे जा सकते हैं। यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है।

कुंभ आज अस्पष्ट बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

सुडोकू-27

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2	5	6		1		7		
9	8	1	3	6				5
		4		2				
3					6			
		2				1		
			7					9
				4		9		
1				7	9	3	6	4
		7		3		5	8	2

सुडोकू - 26 का हल

9	8	6	5	3	2	7	4	1
2	3	4	6	1	7	9	5	8
1	7	5	4	9	8	6	3	2
3	9	1	8	2	6	4	7	5
5	2	8	3	7	4	1	6	9
6	4	7	9	5	1	2	8	3
8	1	2	7	4	5	3	9	6
4	5	3	1	6	9	8	2	7
7	6	9	2	8	3	5	1	4

मुझे नहीं लगता कि आप एसए20 को आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।
–जेपी डुमिनी

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

हाईलाइट

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैच से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा की 'ग्रोइन' की चोट की सर्जरी हुई है जिसके कारण उन्हें 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी टी-20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला के पहले तीन मैच से बाहर कर दिया गया है। इस चोट के कारण अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में उनकी भागीदारी पर भी सवालिया निशान लग गया है। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को राजकोट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। वह विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय चैंपियनशिप के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज रविवार को शुरू हो रहे तीन वनडे के बाद नागपुर में शुरू होगी।

पूनम ने साक्षी को हराकर किया उलटफेर

ग्रेटर नोएडा। युवा विश्व चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पूनम पूनिया ने बृहस्पतिवार को यहां 54 किग्रा वर्ग में गत चैंपियन साक्षी चौधरी को शिकस्त दी जिससे राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहला बड़ा उलटफेर हुआ। रेलवे की 23 वर्षीय मुक्केबाज और अंडर-22 एशियाई चैंपियन पूनम ने आक्रमकता दिखाते हुए साक्षी पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने आराम से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने मणिपुर की लांचेनबी चानू को हराया।

बीसीबी ने आईसीसी को एक और पत्र लिखा

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को आईसीसी को दूसरा पत्र लिखकर टी20 विश्व कप के लिये भारत आने को लेकर सुरक्षा चिंतायें जताई और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई। विश्व कप सात फरवरी से शुरू हो रहा है और बांग्लादेश को कोलकाता में तीन तथा मुंबई में एक मैच खेलना है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से बाहर रखने के फैसले के बाद बांग्लादेश ने विश्व कप खेलने भारत आने से इनकार कर दिया। क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ से मशविरे के बाद बीसीबी ने आईसीसी को फिर पत्र लिखा है।

छह दौर के बाद आनंद और निहाल बढ़त पर

कोलकाता। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शुरुआती झटके से उबरते हुए बृहस्पतिवार को यहां दो जीत दर्ज की और टाटा स्टील शतरंज भारत रैपिड के छह दौर के बाद निहाल सारिन के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। दोनों के 4.5 अंक हैं। चौथे से छठे दौर के दौरान ओपन और महिला, दोनों वर्गों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और लीडरबोर्ड में बार-बार बदलाव हुए। चौथे दौर में 56 वर्षीय आनंद ने अपनी चूक से अर्जुन एरिगेसी को मुकाबला पलटने का मौका दे दिया।

एशेज ट्रॉफी के साथ पोज देती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज 4-1 से जीती

सिडनी, एजेंसी

सिडनी टेस्ट

- **पांचवें व अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया**
- **जैकब बेथेल की 154 रनों की जुझारू पारी काम न आई**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	342/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	161/5

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज शृंखला 4-1 से अपने नाम की।

पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई। इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला।

लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस शृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार किए। चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी शृंखला के दौरान अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली प्रमुख दावेदार

पहले मैच में शाम 7:30 बजे टकराएंगी मुंबई इंडियंस व रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें

नवी मुंबई, एजेंसी

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रॉफी के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना व मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर।

अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी।

टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी।

11 मैचों में से केवल तीन में ही पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम डब्ल्यूपीएल में डीवाई पाटिल स्टेडियम में जीती हैं

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

टीम

आरसीबी: स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वॉल, डी हेमलता/ गौतमी नाईक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नडीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्रकर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल।

एमआई: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), हीली मैथ्यूज, नैट सिवर-ब्रंट, अमीलिया कर, जी कमालिनी (विकेटकीपर) अमनजोत कौर, पूनम खेमनार, एस सजना, संस्कृति गुप्ता, शबनिम इस्माइल, शाइका इशाक।

पिच और परिस्थितियां: नवी मुंबई की परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल रहने की पूरी उम्मीद है और दूसरी पारी में ओस का प्रभाव भी दिख सकता है। तेज गेंदबाज़ों को शुरुआत में मूवमेंट भी मिलती है।

पंजाब के खिलाफ शॉट लगाते मुंबई के सरफराज खान। एजेंसी

62 रन 20 गेंद 07 चौके 05 छक्के

सरफराज खान ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

जयपुर, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

सरफराज खान ने लिस्ट ए क्रिकेट में किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक लगाया, लेकिन गुरनूर बरार और मयंक मार्कंडेय के चार चार विकेटों की मदद से पंजाब ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई को आखिरी गेंद पर एक रन से हरा दिया। ग्रुप सी से नॉकआउट के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके पंजाब और मुंबई के बीच बेहद रोमांचक मैच हुआ जिसमें पंजाब ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

जीत के लिए 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के सरफराज ने 15 गेंद में अर्धशतक जमाया। मुंबई ने 15 ओवरों के भीतर दो विकेट पर 139 रन बना लिये थे। सरफराज ने 20 गेंद में सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा को तीन छक्के और तीन चौके लगाए। उनके आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने 45 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। सूर्यकुमार यादव 15 और शिवम दुबे 12 रन ही बना सके। मुंबई को सिर्फ 16 रन की जरूरत थी और 27 ओवर तथा पांच विकेट बाकी थे। लेकिन राहुल चाहर ने 23वें ओवर में अय्यर को आउट कर दिया। इसके बाद मैच की तस्वीर पलट गई।

मुंबई को चार विकेट बाकी रहते जीत के लिये पांच रन चाहिये थे लेकिन बाकी सारे विकेट तीन रन के भीतर गंवा दिए। इस नतीजे के बाद पंजाब ग्रुप सी में शीर्ष पर रहा जबकि मुंबई को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

यूपी ने बंगाल को पांच विकेट से हराया

राजकोट। ध्रुव जुरेल ने टूर्नामेंट में दूसरा शतक लगाया, जिसके दम पर उत्तर प्रदेश ने बंगाल को पांच विकेट से मात दी। बंगाल ने 45.1 ओवर में 269 रन बनाए, जिसमें सुदीप कुमार घारामी के 94 और शाहबाज अहमद के 43 रन शामिल थे। जवाब में जुरेल ने 96 गेंद में 123 रन बनाए जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल ने 56 और कप्तान रिंकू सिंह ने नाबाद 37 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने 42.2 ओवर में पांच विकेट पर 272 रन जोड़े।

अभ्यास सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते हैं डब्ल्यूपीएल इसमें मदद करेगा: मंधाना

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लक्ष्य सभी प्रारूपों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) इसमें अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहली वनडे विश्व कप में भी डब्ल्यूपीएल का अहम योगदान रहा। हरमनप्रीत के साथ मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मंधाना ने कहा टी20 विश्व कप जीतना शानदार होगा।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारतीय टीम अब बड़े लक्ष्य तय करने लगी है। हम सिर्फ एक विश्व कप जीतकर संतुष्ट नहीं हैं। हमें अभी बहुत क्रिकेट खेलना है और जब भी हम मैदान पर उतरते हैं तो जीत की मानसिकता के साथ उतरना चाहते हैं। उन्होंने कहा यह अच्छा है कि सिर्फ हम ही नहीं बल्कि नई खिलाड़ी भी अब यह बात कर रही हैं कि हम हर बार चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि डब्ल्यूपीएल का हम पर कितना असर पड़ा है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में निशानेबाजी कोच पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अंकुश भारद्वाज को कर दिया गया निलंबित**

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है, क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।

इस बीच खेल मंत्रालय ने कथित अपराध का संज्ञान लेते हुए कहा सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जो युवा खिलाड़ी कोच और संबंधित प्रणालियों पर भरोसा करते हैं, उन्हें इस तरह की स्थिति का सामना न करना पड़े।

एचआईएल में तीसरे स्थान पर रही रांची रॉयल्स

रांची। लुसीना वॉन डर हेडे और हन्ना कॉटर के दो दो गोल की मदद से रांची रॉयल्स ने बृहस्पतिवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अपने अंतिम मुकाबले में एसजी पाइपर्स को 5-2 से शिकस्त देकर तीसरे स्थान से टूर्नामेंट का समापन किया।

रांची रॉयल्स के लिए लुसीना (दूसरे, 47वें मिनट), हन्ना (55वें, 60वें मिनट) और संगीता कुमारी (24वें मिनट) ने गोल किए।वहीं फाइनल में पहले ही जगह बना चुकी एसजी पाइपर्स की ओर से कप्तान नवनीत कौर ने 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। मुकाबले के पहले ही मिनट में रांची रॉयल्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ड्रैगफ्लिकर लुसीना ने इसे गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि एसजी पाइपर्स ने कप्तान नवनीत के गोल से वापसी की जिससे पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर रहा।

मलेशिया ओपन | भारत की स्टार खिलाड़ी ने जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया, अगला मुकाबला जापान की ही अकाने यामागुची से

सिंधु और सात्विक-चिराग पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधु का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। इस तरह से उन्होंने मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 कर दिया है। सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह तथा इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। हालांकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए।

पहले गेम से बढ़त बनाई

सिंधु ने पहले गेम में 5-1 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार 13 अंक जीतकर 18-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी काफी हद तक एकतरफा रहा, हालांकि 19 वर्षीय मियाज़ाकी 8-9 से पिछड़ने के बाद कुछ समय के लिए मुकाबले में बनी रहीं। लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और 17-11 से छह अंक की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्हें मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगा।

शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधु ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर का रिकॉर्ड 2-1 हो गया है।

युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग ने शुरू में 6-3 की बढ़त हासिल की और फिर उसे 12-9 तक पहुंचा दिया। मलेशियाई जोड़ी ने लगातार तीन अंक हासिल कर अंतर को कम किया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए 16-12 की बढ़त बना ली। जुनैदी और रॉय ने इस बीच एक बार 18-17 से बढ़त बनाई लेकिन सत्विक और चिराग ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर लिया।